राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 19 अप्रैल 2026
वर्ष 07,अंक 196, पृष्ट 12,मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सिकंदराबाद में नाली निर्माण की बजाय पाइपलाइन डालने से जलभराव...03

गोंडा में हैंडपंप करोड़ों का घोटाला: 16 ब्लॉकों की 1214 ग्राम पंचायतों में करोड़ों की निकासी...12

29 साल बाद इंसाफ, बचपन में हादसे में गंवाए दोनों हाथ, HC का 26 लाख का मुआवजा देने का आदेश

- बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर पिता कोर्ट गए. उनकी ओर से मुआवजे की मांग की गई,
- लेकिन अक्टूबर 2005 में ट्रायल कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया. कोर्ट ने तब इस घटना के लिए बच्चे की लापरवाही को ही जिम्मेदार ठहराया था

उत्तर प्रदेश में करीब 3 दशक पहले बिजली विभाग की लापरवाही का शिकार हुए शख्स को अब जाकर न्याय मिला है. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक ऐसे व्यक्ति को 26.65 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है, जिसने आज से 29 साल पहले बिजली से जुड़े एक हादसे में अपने दोनों हाथ गंवा दिए थे. कोर्ट ने इस केस में उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड को लापरवाही का दोषी ठहराया है। जस्टिस संदीप जैन ने यह आदेश पीड़ित पप्पू की ओर से दायर पहली अपील को स्वीकार करते हुए दिया. इसके साथ ही उन्होंने 2005 के ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को भी रद्द कर दिया, जिसमें पीड़ित को मुआवजा देने से इनकार कर दिया गया था।

जान बचाने के लिए डॉक्टर को काटने पड़े दोनों हाथ

घटना मार्च 1997 की है. उस समय पीड़ित पप्पू की उम्र करीब 7 साल थी और वह आगरा के नगला पाड़ी इलाके में एक प्राइमरी स्कूल के पास लगे 11 हजार वोल्ट के ट्रांसफॉर्मर के संपर्क में आ गया था. यह ट्रांसफॉर्मर बिना किसी घेराबंदी या सुरक्षा कवर के लगा हुआ था। ट्रांसफॉर्मर की चपेट में आने और बिजली से जलने की वजह से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. उसकी जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उसके दोनों हाथ कंधों के नीचे से काटने पड़े थे. बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर पिता कोर्ट गए. उनकी ओर से मुआवजे की मांग की गई, लेकिन अक्टूबर 2005 में ट्रायल कोर्ट ने मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया था. कोर्ट ने उस समय इस घटना के लिए बच्चे की लापरवाही को ही जिम्मेदार ठहराया था. इस फैसले को चुनौती देते हुए पीड़ित ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

मुआवजे ही नहीं केस लड़ने का पैसा भी दो

हाई कोर्ट ने अपील को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया कि ट्रायल कोर्ट का पिछला फैसला सही नहीं था और उसने बिजली विभाग के अधिकारियों को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड को निर्देश दिया कि वह 26.65 लाख रुपये का मुआवजा पीड़ित को दे। इसके साथ ही, 30 मई 1997 (जिस तारीख को केस दायर किया गया था) से लेकर मुआवजे की राशि मिलने तक, इस रकम पर 6 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज भी देने का आदेश दिया गया।

साथ ही कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि पीड़ित को मुकदमेबाजी का खर्च भी दिया जाए, जिसमें ट्रायल और अपील के दौरान कोर्ट में जमा की गई फीस भी शामिल है। 15 अप्रैल को दिए अपने आदेश में, हाई कोर्ट ने बिजली बोर्ड को निर्देश दिया कि वह यह राशि एक महीने के भीतर जमा कराए. यदि बोर्ड ऐसा करने में नाकाम रहता है, तो याचिकाकर्ता के पास बकाया राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई (E&ecution Proceedings) शुरू करने का पूरा अधिकार होगा।

2005 में ट्रायल कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी

ये पूरा मामला नगलापदी इलाके का है। सात साल का पप्पू गली में खेल रहा था। वहीं सड़क पर बिजली विभाग ने खुले में 11 हजार वोल्ट का ट्रांसफार्मर रखा हुआ था। पप्पू इसकी चपेट में आ गया। बुरी तरह झुलसे बच्चे को घरवाले अस्पताल लेकर भागे। डॉक्टरों ने जान बचाने के लिए पप्पू के दोनों हाथ काट दिए। पप्पू के पिता हरी सिंह ने मुआवजा दिलाने के लिए कोर्ट में याचिका लगाई। टॉयल कोर्ट ने 2005 में यह कहकर याचिका खारिज कर दी कि हादसा बच्चे की लापरवाही से हुआ। पिता ने इस फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। अब जाकर अदालत ने मुआवजा देने का आदेश दिया।

भाभी ने कहा- मुआवजे के लिए वकील की लेंगे मदद

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मुआवजे के पैसे को बैंक या पोस्ट ऑफिस में एफडी की जाए ताकि याची को हर महीने ब्याज मिलता रहे जिससे उसका जीवनयापन हो सके। कोर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भी निर्देश दिया कि वह याची को इस डिक्री का लाभ दिलाने में पूरी मदद करे। हाईकोर्ट ने तो अपना फैसला दे दिया पर इस मुआवजे का लाभ लेने के लिए पप्पू दुनिया में है ही नहीं। भाभी मिथिलेश का कहना है कि कई साल पहले पप्पू ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अब वह वकील की मदद से मुआवजे की प्रक्रिया पूरी कराएंगी।

दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को पूर्व जज ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

- द्वारका कोर्ट के पूर्व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमन प्रताप सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है.
- दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रोबेशन पर तैनात एडीजे अमन प्रताप सिंह की सेवा को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था.

दिल्ली की द्वारका कोर्ट के पूर्व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमन प्रताप सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. दरअसल, अमन प्रताप ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. उन्होंने हाई कोर्ट के फैसले पर विरोध दर्ज कराया है. वहीं जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रोबेशन पर तैनात एडीजे अमन प्रताप सिंह की सेवा को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था. इससे पहले पूर्व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमन प्रताप सिंह की सेवा समाप्ति को लेकर महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं. दिल्ली हाई कोर्ट ने 7 फरवरी 2026 को दिए अपने फैसले में स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई दंडात्मक नहीं, बल्कि परिवीक्षाधीन अधिकारी की अनुपयुक्तता के आधार पर की गई टर्मिनेशन सिम्पलिसिटर है. यह मामला Aman Pratap Singh vs Govt Of NCT Of Delhi & Anr से संबंधित है, जिसमें अदालत ने विस्तार से परिस्थितियों का विश्लेषण किया।

वीडियो वायरल होने के बाद किया बर्खास्त

कोर्ट के मुताबिक, अमन प्रताप सिंह की बर्खास्तगी किसी विशेष आरोप में दोषसिद्धि के आधार पर नहीं, बल्कि उनके समग्र कार्य प्रदर्शन और व्यवहार के मूल्यांकन के बाद की गई. बर्खास्तगी का प्रमुख कारण एक वायरल वीडियो बना, जिसमें उन्हें अदालत कक्ष में वकीलों पर चिल्लाते हुए देखा गया था. इस घटना ने न्यायिक गरिमा और आचरण को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए. इसके अलावा, उनके खिलाफ कुल आठ शिकायतें दर्ज थीं, जिनमें कार्यशैली और व्यवहार संबंधी मुद्दे शामिल थे. आधिकारिक रिकॉर्ड में उनके प्रदर्शन को औसत से कम बताया गया।

दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर अमन

अमन प्रताप सिंह की नियुक्ति 28 अप्रैल 2023 को दिल्ली उच्च न्यायिक सेवा (DHJS) में हुई थी. वे दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर थे. इस अवधि में अधिकारी के आचरण, निर्णय क्षमता, और पेशेवर व्यवहार का समग्र मूल्यांकन किया जाता है. हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि इस मामले में उपलब्ध सामग्री से यह स्पष्ट है कि निर्णय प्रशासनिक संतुष्टि पर आधारित था, न कि दंडात्मक कार्रवाई के रूप में।

संक्षिप्त ख़बरें

नैनी में आवारा कुत्ते का आतंक: अधेड़ पर हमला, हालत गंभीर

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार शाम एफसीआई के समीप एक अधेड़ व्यक्ति पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।मिली जानकारी के अनुसार, एफसीआई निवासी कृष्णा सिंह रोज की तरह अपने घर के आसपास टहल रहे थे। इसी दौरान अचानक एक आवारा कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह काट लिया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तत्काल सीएचसी चाका पहुंचाया,जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें कॉल्विन अस्पताल रेफर कर दिया।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है और आए दिन लोग इनके हमलों का शिकार हो रहे हैं। बावजूद इसके नगर निगम की ओर से कुत्तों को पकड़ने या नियंत्रण के लिए कोई प्रभावी अभियान नहीं चलाया जा रहा है।लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि जल्द से जल्द आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

दिल्ली में PNB के ड्रॉप बॉक्स से गायब हो गया 5 लाख का चेक, कैश भी हो गया; बिल्डर ने दर्ज कराई एफआईआर

पूर्वी दिल्ली। प्रीत विहार इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बिल्डर की ओर से बैंक के ड्रॉप बॉक्स में डाला गया पांच लाख रुपये का चेक गायब हो गया और बाद में किसी और ने चेक को कैश करा लिया गया। इस मामले में बैंक स्टाफ के शामिल होने का शक जताया जा रहा है। गगन विहार निवासी बिल्डर संजय बंसल के अनुसार, उनका सेविंग खाता Punjab National Bank (PNB), प्रीत विहार में है। उन्होंने गत नौ अप्रैल को अपने कर्मचारी दीपक शर्मा को इंडियन बैंक की कश्मीरी गेट शाखा का account payee चेक दिया था, जिसे PNB की प्रीत विहार शाखा के ड्रॉप बॉक्स में डाला था। इसके बावजूद रकम उनके खाते में नहीं आई। जब उन्होंने बैंक से संपर्क किया तो पता चला कि संबंधित चेक बैंक रिकॉर्ड में ही नहीं है। आगे जानकारी जुटाने पर सामने आया कि उक्त चेक को 13 अप्रैल 2026 को इंडियन बैंक की कश्मीरी गेट शाखा से कैश करा लिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4 घंटे तक खड़ा रखा IPS डॉ यशवीर सिंह को

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में लापरवाही बरतने पर बस्ती के एसपी डॉ यशवीर सिंह को चार घंटे तक खड़ा रखा. गलत शपथ पत्र और जांच में खामियों पर कोर्ट ने सख्ती दिखाई. हालांकि, आईपीएस यशवीर सिंह द्वारा माफी के बाद उन्हें चेतावनी दी गई। उत्तर प्रदेश में एक मामला काफी चर्चा में है, जहां इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बस्ती जिले के एसपी डॉ यशवीर सिंह पर सख्त नाराजगी जताई. हत्या के एक केस में पुलिस की लापरवाही सामने आने के बाद कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई और चार घंटे तक अदालत में खड़ा रहने का निर्देश दिया।

यह मामला एक युवती की हत्या से जुड़ा है. इस केस में बस्ती पुलिस की तरफ से कोर्ट में जो शपथ पत्र दिया गया, उसमें कई गलत जानकारियां पाई गई. इतना ही नहीं, मय पर रिपोर्ट भी कोर्ट को नहीं भेजी गई. जब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई, तो उसमें वे सबूत नहीं मिले, जिनका जिक्र पुलिस ने अपनी जांच में किया था।

कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जिले के प्रमुख अधिकारी होने के नाते एसपी को अपने अधीन काम करने वाले पुलिसकर्मियों की दी गई जानकारी को अच्छी तरह जांचना चाहिए. बाद में एसपी ने कोर्ट से माफी मांगी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें सजा देने के बजाय चेतावनी देते हुए कोर्ट उठने तक खड़े रहने का आदेश दिया।

डॉ यशवीर सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने साल 2012 में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा पास की थी. उन्हें तेज-तर्रार और एक्शन लेने वाले पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता है. फिलहाल वह बस्ती जिले में एसपी के पद पर तैनात हैं. उनकी पढ़ाई की बात करें तो उन्होंने वेटरनरी साइंस में क्रस्ट की डिग्री ली है और एक समय पर वह पशु चिकित्सक (वेटरनरी डॉक्टर) भी रह चुके हैं।

अपने करियर के दौरान डॉ यशवीर सिंह ने कई जिलों में काम किया है, जिनमें गाजीपुर और सोनभद्र जैसे जिले शामिल हैं. खासतौर पर सोनभद्र में तैनाती के दौरान उन्होंने पशु तस्करी और नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी. उनकी इस कार्रवाई के लिए उन्हें डीजीपी प्रशंसा चिन्ह गोल्ड से सम्मानित भी किया गया था. यह सम्मान पुलिस विभाग में बेहतरीन काम करने वाले अधिकारियों को दिया जाता है।

डॉ यशवीर सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं. उन्होंने साल 2012 में संघ लोक सेवा आयोग (PSC) की परीक्षा पास की थी. उन्हें तेज-तर्रार और एक्शन लेने वाले पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता है. फिलहाल वह बस्ती जिले में एसपी के पद पर तैनात हैं. उनकी पढ़ाई की बात करें तो उन्होंने वेटरनरी साइंस में क्रस्ट की डिग्री ली है और एक समय पर वह पशु चिकित्सक (वेटरनरी डॉक्टर) भी रह चुके हैं।

स्थलीय निरीक्षण करके निस्तारित करे, शिकायतों के निस्तारण में किसी तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी

बस्ती। बस्ती जिले मेंशासन के निर्देशानुसार तहसील के अंदर स्थलीय निरीक्षण करके निस्तारित करे,शिकायतों के निस्तारण में किसी तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। आज जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्न की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील रूधौली में सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक-एक कर सुनते हुए मौके पर उपस्थित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को जनशिकायतों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होने कहा कि शिक़ायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुने और स्थलीय मौका देखकर गुणवत्तापूर्ण व ससमय समस्याओं का निस्तारण करें। उप जिलाधिकारी मनोज प्रकाश ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 64 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग 32, पुलिस 09, विकास 04, विद्युत 08, पूर्ति विभाग 09, उप निबंधक व नहर के 1-1 मामलें आये।

कानपुर सेंट्रल पर फर्जी रेलवे अधिकारी गिरफ्तार, नकली आईडी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को फर्जी रेलवे अधिकारी बनकर यात्रा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान संजय कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी शिवगंगा एक्सप्रेस में सफर कर रहा था और खुद को रेलवे का अधिकारी बताकर यात्रियों पर रौब दिखा रहा था। उसके व्यवहार पर संदेह होने पर यात्रियों और रेलवे स्टाफ ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और विजिलेंस टीम सक्रिय हुई। जांच के दौरान आरोपी के पास से रेलवे मंत्रालय का एक संदिग्ध पहचान पत्र बरामद हुआ, जो जांच में फर्जी पाया गया। ट्रेन के कानपुर सेंट्रल पहुंचने पर टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह भी आशंका जताई जा रही है कि आरोपी नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने में शामिल हो सकता है। फिलहाल रेलवे पुलिस और विजिलेंस टीम पूरे मामले की जांच कर रही है और उससे जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

बलिया में आत्मदाह की कोशिश से मचा हड़कंप, गिरफ्तारी के बाद अधिवक्ता ने उठाए सवाल

बलिया: कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब शिवांशु राय नामक युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि वह अपनी पत्नी अनीषा राय की मौत के मामले में दोषी चिकित्सकों की गिरफ्तारी न होने से नाराज था और इसी विरोध में उसने अपने ऊपर तेल डाल लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे आत्मदाह करने से बचा लिया। इसके बाद पुलिस ने शिवांशु को हिरासत में लेकर चालान किया और जेल भेज दिया। इस कार्रवाई पर शिवांशु के अधिवक्ता ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि जमानत की पूरी तैयारी के बावजूद पुलिस ने बिना पक्ष रखने का मौका दिए सीधे जेल भेज दिया, जो उचित प्रक्रिया के खिलाफ है। वहीं, इस घटना को लेकर छात्र संगठनों ने भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि पहले मां की मौत और अब पिता के जेल जाने से छह माह के बच्चे का भविष्य संकट में पड़ गया है। गौरतलब है कि अनीषा राय की 22 मार्च को एक निजी नर्सिंग होम में ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद से परिजन लगातार न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पीएम मोदी 29 अप्रैल को प्रयागराज से मेरठ तक 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज और मेरठ के बीच 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।इस परियोजना की आधारशिला पहले शाहजहांपुर में रखी गई थी, जबकि उद्घाटन समारोह हरदोई जिले में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने मल्लावां तहसील के सलेमपुर गांव को कार्यक्रम स्थल के रूप में चिन्हित किया है, और वरिष्ठ प्रशासनिक टीमें पहले से ही मौके पर मौजूद हैं, व्यवस्थाओं का समन्वय कर रही हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ अपडेट साझा कर रही हैं।

हरदोई एक्सप्रेसवे का सबसे लंबा हिस्सा है, जो परियोजना में इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच यात्रा के समय को काफी कम करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किए गए इस कॉरिडोर को उन्नत सुरक्षा प्रणालियों से भी सुसज्जित किया जा रहा है। इसकी एक खास विशेषता नियमित अंतराल पर लगाई गई रंबल स्ट्रिप्स हैं। ये उभरी हुई पट्टियाँ वाहनों के गुजरने पर कंपन पैदा करती हैं, जिससे थके हुए या नींद में डूबे हुए ड्राइवरों को सतर्क रहने में मदद मिलती है।

अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि एक्सप्रेसवे का उद्देश्य केवल तेज कनेक्टिविटी ही नहीं बल्कि सुरक्षित यात्राएं भी सुनिश्चित करना है। कॉरिडोर पर अपेक्षित उच्च गति को देखते हुए, ओवरस्पीडिंग पर अंकुश लगाने और प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए वास्तविक समय गति निगरानी जैसी प्रणालियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा, आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए मार्ग में जगह-जगह ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इस एक्सप्रेसवे को भविष्य में विस्तार के लिए भी डिजाइन किया गया है, जिसमें यातायात की मांग बढ़ने पर इसे आठ लेन तक चौड़ा करने का प्रावधान है।

महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिरा, विरोध में 230 सांसदों ने किया वोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

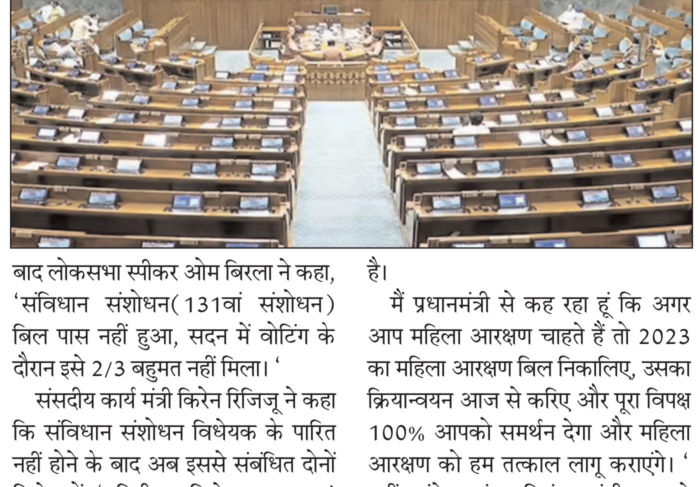

ब्यूरो प्रयागराज। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। सदन में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', पर हुए मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। मतदान के समय सदन में कुल 528 सांसद मौजूद थे। विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार को दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान पर आक्रमण था और इसे हमने हरा दिया है तो यह अच्छी बात है।

लोकसभा में किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। सरकार ने इस विधेयक के साथ 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा था, लेकिन उन्हें भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका। महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर वोटिंग के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'संविधान संशोधन(131वां संशोधन) बिल पास नहीं हुआ, सदन में वोटिंग के दौरान इसे 2/3 बहुमत नहीं मिला। '

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने के बाद अब इससे संबंधित दोनों विधेयकों 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को आगे नहीं बढ़ा सकते। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'यह संविधान पर आक्रमण था और इसे हमने हरा दिया है तो यह अच्छी बात है। हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह महिला बिल नहीं है, यह हिंदूस्तान का जो राजनीतिक ढांचा है, चुनावी ढांचा है, उसे बदलने की कोशिश है। यह हमने रोक दिया है।

मैं प्रधानमंत्री से कह रहा हूं कि अगर आप महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का महिला आरक्षण बिल निकालिए, उसका क्रियान्वयन आज से करिए और पूरा विपक्ष 100% आपको समर्थन देगा और महिला आरक्षण को हम तत्काल लागू कराएंगे। ' वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'महिला आरक्षण की बात नहीं थी ये लोकतंत्र की बात थी, देश की अखंडता की बात थी। हम कभी इससे सहमत नहीं हो सकते कि आप महिला आरक्षण को इस तरह परिसीमन से जोड़ें कि वो पुरानी जनगणना पर चले जिसमें OBC शामिल भी नहीं है। ये मुमकिन नहीं था कि ये बिल पारित हो। देश के लोकतंत्र के लिए, देश की अखंडता के लिए ये बड़ी जीत है।

संक्षिप्त खबरें

बलरामपुर में 8 किमी सड़क किनारे गड्ढे:प्रानपुर-पहरुइया मार्ग पर चलना मतलब खतरों से खेलना, आए-दिन हो रहे हादसे

लालिया (बलरामपुर)- सिटकिहवा मोड़ से प्रानपुर मथुरा मार्ग पर पहरुइया गांव के पास सड़क की बदहाल स्थिति से राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ओमप्रकाश, शोभा राम, भोला, रामलाल, केसरी लाल, सोनी, काजल, रिजवान, अहमद, फैज और सब्बीर ने बताया कि यह मार्ग क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। बीते वर्ष हेगहा नाले में तेज जल प्रवाह के चलते सड़क उखड़ गई थी, जो अब बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है।राहगीरों का कहना है कि सड़क की गिट्टी पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिससे वाहन गड्ढों में फंस जाते हैं और स्थिति और खराब होती जा रही है। बेचन लाल, दिनेश कुमार, राजाराम, दयाराम, अशोक कुमार और ओमप्रकाश ने आरोप लगाया कि सरकार जहां गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा कर रही है, वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।करीब 8 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर अनगिनत जानलेवा गड्ढे बन चुके हैं, जिससे लोगों में आक्रोश है। वहीं, पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियंता अजय कुमार भगत ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और सड़क मरम्मत के लिए शासन से धन की मांग की गई है।

सार्वजनिक रास्ते पर अवैध अतिक्रमण का आरोप

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत निपनिया के दर्जनों ग्रामीणों ने खजुरा टोला में सार्वजनिक मार्ग पर हुए अवैध अतिक्रमण के विरोध में मोर्चा खोल दिया। ग्रामीणों ने अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया कि गांव के मुख्य सार्वजनिक रास्ते पर कुछ लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे के कारण आम जनता का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे खासकर स्कूली बच्चों, किसानों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का दर्द है कि बारिश के मौसम में यह समस्या और भी विकराल हो जाती है क्योंकि कीचड़ और संकरे रास्ते से निकलना दूभर हो जाता है। नाराजगी व्यक्त करते हुए ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इस गंभीर समस्या की शिकायत पहले भी कई बार की जा चुकी है, लेकिन क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व कर्मियों की उदासीनता के कारण अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। तहसील दिवस की अध्यक्षता कर रहे अधिकारियों से ग्रामीणों ने पुरजोर मांग की है कि मामले की तत्काल स्थलीय जांच कर अवैध अतिक्रमण को हटाया जाए ताकि गांव का मुख्य मार्ग सुचारु हो सके और लोगों को इस परेशानी से स्थाई निजात मिल सके।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

देवरिया। जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को सूचित किया जाता है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रियंका चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत विवाह करने वाले दिव्यांग दम्पतियों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। योजना के अनुसार यदि पुरुष दिव्यांग है तो 15,000, महिला दिव्यांग होने पर 20,000 तथा यदि पति-पत्नी दोनों दिव्यांग हैं तो 35,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि इच्छुक एवं पात्र दिव्यांगजन आवेदन करते समय दम्पति का संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ (जिसमें दिव्यांगता प्रदर्शित हो), आयु प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय एवं जाति प्रमाण पत्र तथा राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता से संबंधित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन हेतु अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट http://divyangjan.upsdc.gov.inपर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी या असुविधा होने पर कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, देवरिया में कार्य दिवसों में संपर्क किया जा सकता है।

गुमशुदा नाबालिक बालिका का बिना मेडकल कराये माँ को सौपा, सीडब्लूसी ने एसओ दुबौलिया को किया तलब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में पुलिस के कार्यशैली पर उठ रहे सवाल में बाल अधिनियम का उल्लंघन जारी है, दुबोलिया थाना पुलिस ने एक नाबालिक बालिका को गायब होने के दो दिन बाद बरामद तो कर लिया, लेकिन उसका ना तो मेडिकल परीक्षण कराया गया, और ना ही उसकी काउंसलिंग की गयी और बिना सीडब्लूसी के सामने प्रस्तुत किये उसे उसकी माँ को सौंप दिया गया, प्रकरण की जानकारी होने के बाद सी डब्लू सी संज्ञान लेते हुए, एसओ दुबोलिय को तत्काल बालिका को प्रस्तुत कर कार्यवाही पूर्ण कराने के साथ ही अब तक कार्यवाही नही करने के संबंध में स्पष्टीकरण माँगा है।

बताते चले की छावनी थाना क्षेत्र के एक ग्राम निवासी व्यक्ति की नाबालिक बेटी दुबोलिया थाना क्षेत्र के एक ग्राम स्थित अपने ननिहाल में रह रही थी, वही से वह गायब हो

गयी थी, बेटी के गुमशुदा होने की जानकारी मिलने के बाद उसकी माँ के द्वारा मुकामी थाना पर गुमशुदगी दर्ज करायी गयी थी, गुमशुदा बालिका दो दिन बाद अपने घर वापिस आ गयी, पुत्री के घर वापिस आने के बाद उसकी माँ ने इसकी जानकारी दुबोलिय पुलिस को, पुलिस ने बालिका और उसकी माँ को थाने पर बुलाकर उसका बयान दर्ज किया और उसे घर भेज दिया, उसके सुपुर्दगी की कार्यवाही नही करायी गयी, और ना ही बालिका के माँ की बात सुनी गयी, उसने जब आरोपी के बारे में बता कर मेडिकल करवा कर आगे के कार्यवाही करने की बात कही तो उसे दुबोलिया पुलिस ने यह कह कर टरका दिया की आगे की कार्यवाही के लिए उसे छावनी थाने पर जाना पड़ेगा। प्रकरण की जानकारी होने के बाद न्याय पीठ के अध्यक्ष प्रेरक मिश्रा, सदस्य अजय श्रीवास्तव, डॉ संतोष श्रीवास्तव, मंजू त्रिपाठी ने इसे बाल अधिनियम 2015 का उल्लंघन एवं बालिका के सर्वोच्च हित के साथ खिलवाड़ मानते हुए, दुबोलिया थानाध्यक्ष को तत्काल कार्यवाही संपादित करवाने के साथ ही, लापरवाही के बावत स्पष्टिकरण भी माँगा है, इस सम्बन्ध में सी डब्लू सी के चेयर पर्शन प्रेरक मिश्रा ने कहा की बरामद नाबालिक को बिना मेडिकल परीक्षण कराये,और सी डब्लू सी के समक्ष प्रस्तुत किये माँ को सौंप दिया जाना गलत है,इससे बालिका का सर्वोच्च हित प्रभावित हुआ है ,स्पष्टीकरण आने के बाद विधिक कार्यवाही करने के साथ ही प्रकरण को बाल आयोग को संदर्भित कर दिया जायेगा।

भगवान परशुराम जयंती की पूर्व संध्या पर आज होगा भव्य सम्मेलन

पचपेड़वा/बलरामपुर- भगवान परशुराम जी की जयंती की पूर्व संध्या पर आज क्षेत्र में एक भव्य सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बंधुता, आपसी प्रेम, सहयोग एवं स्वाभिमान की भावना को सुदृढ़ करना बताया गया है। आयोजन समिति के अनुसार यह कार्यक्रम समय माता मंदिर, चंदनपुर रोड, गुरचिहवा समय माता मंदिर परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आज प्रातः 9 बजे से होगा और यह श्रद्धालुओं की उपस्थिति के अनुसार आगे चलता रहेगा। सम्मेलन में विभिन्न गणमान्य लोग अपने विचार रखेंगे। मुख्य वक्ताओं में दिलीप मिश्रा, अरुण कुमार शुक्ला, चन्द्रमणि मिश्रा एवं आलोक पाठक शामिल रहेंगे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विनय मिश्रा व रमेश कुमार मिश्रा उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी लोगों से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। साथ ही सहभोज में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण करने का भी आग्रह किया गया है। यह आयोजन समस्त ब्राह्मण समाज पचपेड़वा/गैंसड़ी के तत्वावधान में संपन्न होगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 64 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिला जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्न की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील रूधौली में सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक-एक कर सुनते हुए मौके पर उपस्थित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को जनशिकायतों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होने कहा कि शिक़ायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुने और स्थलीय मौका देखकर गुणवत्तापूर्ण व ससमय समस्याओं का निस्तारण करें।

उप जिलाधिकारी मनोज प्रकाश ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 64 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग 32, पुलिस 09, विकास 04, विद्युत 08, पूर्ति विभाग 09, उप निबंधक व नहर के 1-1 मामलें आये।सम्पूर्ण समाधान दिवस में

सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, डीपीआरओ धनश्याम सागर, उप जिलाधिकारी राजेश यादव, बीएसए अनूप तिवारी, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, गन्ना अधिकारी अंगद सिंह, कृषि अधिकारी बी.आर. मौर्य, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई दिनेश मोहन, एक्सियन आरईडी अंकुर वर्मा, एलडीएम आर.एन. मौर्य, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, पिछड़ा कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, क्षेत्राधिकारी पुलिस, तहसीलदार तथा जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संजय सेतु ने बढ़ाई यात्रियों की परेशानी, देर से आ रही रोडवेज बसें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। घाघरा नदी पर बने संजय सेतु बंद होने के बाद अब लखनऊ-कानपुर जाने वाले यात्रियों की समस्या बढ़ गई है। आलम यह है कि रूट बदलने से रोडवेज बसें भी देरी से चल रही हैं। ऐसे में यात्रियों को बस का घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके चलते ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। नगर के रोडवेज स्टेशन से विभिन्न रूटों पर 87 बसों का संचालन होता है। इनमें से 18 बसें लखनऊ-कानपुर रूट पर संचालित होती हैं। संजय सेतु पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित होने के बाद बसों के रूट बदल गए हैं। रूट बदलने से करीब 50-60 किलोमीटर तक की दूरी बढ़ गई है। ऐसे में बलरामपुर डिपो से संचालित होने वाली बसों का समय बिगड़ गया है। रोडवेज पर खड़े

अशोक व कमला ने बताया कि बाराबंकी जाना है, एक घंटे से बस का इंतजार कर रहे हैं। रागिनी व यशोदा ने बताया कि लखनऊ जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे हैं। अयोध्या से बस घूम कर आ रही है, इसलिए तीन घंटा अधिक लग रहा है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक गोपीनाथ दीक्षित ने बताया कि गोंडा-अयोध्या लखनऊ जाने वाली बसों में ढाई से तीन घंटे का अतिरिक्त समय लग रहा है, इसलिए कुछ बसें देरी से चल रही हैं। वहीं लखनऊ जा रहे अमित कुमार ने बताया कि अब राजधानी जाने के लिए 140 रुपये अधिक देने पड़ेंगे। पहले लखनऊ का किराया 231 रुपये था अब रूट बदलने से 370 रुपये हो गया हैट्रेनों पर बढ़ी भीड़बसों में दूरी व किराया बढ़ने से यात्री अब ट्रेनों का सहारा लेने लगे हैं। ऐसे में बलरामपुर से लखनऊ तक जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, गोमतीनगर एक्सप्रेस व लोकमान्य तिलक ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। सामान्य बोगियों में जगह नहीं मिल पा रहा है। कानपुर जा रहे व्यापारी अतुल गुप्ता ने बताया कि माल लेने के लिए पहले हम लोग बस से जाते थे। बस का रूट लंबा हो जाने के कारण ट्रेन से सफर करना पड़ रहा है। ट्रेन में काफी भीड़ होने से सीट नहीं मिल रही है।

समूह में पद को लेकर विवाद, महिलाओं ने बैंक में बन्द किया ताला

रूद्रपुर, देवरिया। समूह की महिलाओं ने पद के विवाद को लेकर शुक्रवार को रामलक्षन में स्थित यूपी बडौदा बैंक में जमकर बवाल काटा जिससे बैंक में अफरा तफरी मच गई। आपस में महिलाएं भिड़ गई और मारपीट भी हुई।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार समूह की सबसे दबंग महिला और भृगुसरी गांव की कोटेदार ने एक महिला को ईट से सिर पर मार दिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायल का इलाज कराया और बीच बचाव कर महिलाओं को घर भेजा।शनिवार को पुनः महिलाएं बैंक में पैसा निकालने के लिए पहुंची तो बैंक मैनेजर ने पैसा निकालने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका खाता सीज कर दिया गया है।इस पर दबंग महिलाएं उग्र हो गई और बैंक के गेट पर तालाबंदी कर दिया। सूचना पाकर पहुंची रामलक्षण पुलिस ने पुनः महिलाओं को समझा बूझकर बैंक का ताला खुलवाया। इस दौरान महिलाओं ने बैंक कर्मचारियों के खिलाफ व क्षेत्र के मानिन्द राजनेता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि समूह की दबंग महिला मीरा देवी को राजनेता का संरक्षण प्राप्त है। समूह की महिलाओं में दो गुट हो गया जिसमें से एक गुट तहरीर देने के लिए कोतवाली पुलिस के पास पहुंच गया तो वहीं दूसरे गुट की महिलाएं समाधान दिवस में फरियाद लेकर पहुंच गई।

निर्माणाधीन मकान से सरिया चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान से सरिया चोरी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरी गया सरिया के टुकड़े, एक टिल्लू पंप और नकदी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार 31 मार्च 2026 को दीक्षित कॉलोनी निवासी दिनेश मिश्रा ने सूचना दी थी कि उनके निर्माणाधीन मकान से अज्ञात चोरों द्वारा एक कुंतल सरिया और रिंग चोरी कर ली गई है। इस पर कोतवाली देहात में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में टीम ने मामले का खुलासा किया। शनिवार को पुलिस ने प्रकाश में आए तीन आरोपियों–शिवकुमार मौर्या उर्फ वीरेंद्र, मनोज पासवान और शिवकुमार मौर्या–को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में खुलासा

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि करीब 17-18 दिन पहले तीनों ने मिलकर

निर्माणाधीन मकान से सरिया और टिल्लू पंप चोरी किया था। चोरी के सरिया को काटकर कबाड़ी को बेच दिया गया और पैसे आपस में बांट लिए गए। बचे हुए सरिया के टुकड़े और टिल्लू पंप को बेचने के लिए ले जाते समय पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

यह हुआ बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक बोरी में भरे सरिया के 26 कटे टुकड़े, एक पुराना टिल्लू पंप और 100 रुपये नकद बरामद किए हैं।

टीम की भूमिका

कार्रवाई में कोतवाली देहात थाना पुलिस व सर्विलांस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

इटवा ब्लाक में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप गुप्ता की मार्ग दुर्घटना में मौत

सिद्धार्थनगर / जिले के इटवा थाना क्षेत्र के रगड़गंज के पास शुक्रवार की रात किसी अज्ञात वाहन की ठोकर लगने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई , जिसकी पहचान ब्लॉक कार्यालय में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर संदीप गुप्ता के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह शुक्रवार की रात अपने कार्यस्थल इटवा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रगड़गंज के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गया । ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया । इस असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। संदीप गुप्ता अपने कार्य के प्रति ईमानदार, मिलनसार और जिम्मेदार कर्मचारी के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन से न केवल उनके परिवार बल्कि कार्यालय और क्षेत्र के लोगों को भी गहरा आघात पहुंचा है।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस मामले में थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा का कहना हैं कि पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं तथा पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है व आगे कि विधिक कार्रवाई की जा रही हैं ।

पीड़ित परिवारों से मिलेगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

देवरिया। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल आज देवरिया के दौरे पर रहेगा। यह कार्यक्रम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश एवं प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के आदेश पर आयोजित किया गया है। प्रतिनिधिमंडल सुबह 11 बजे विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर हाल की घटनाओं की जानकारी लेगा। बताया गया कि बरहज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर निवासी अधिवक्ता विजेंद्र सिंह के निधन के बाद दर्ज एफआईआर को लेकर पार्टी ने सवाल उठाए हैं। सपा का आरोप है कि इस मामले में निर्दोष लोगों को फंसाया गया है, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने के बजाय और परेशानी हो रही है। इसके अलावा ग्राम सोपरी निवासी पप्पू यादव की हत्या की घटना को लेकर भी पार्टी ने गहरी चिंता जताई है। सपा नेताओं का कहना है कि इस घटना से पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। वहीं नगर पालिका परिषद देवरिया द्वारा बनाई गई इंटरलॉकिंग सड़क को सरस्वती शिशु मंदिर की बाउंड्री में शामिल कर आम रास्ता बंद करने के मामले को भी प्रतिनिधिमंडल गंभीरता से उठाएगा। समाजवादी पार्टी ने कहा है कि वह पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

बस्ती एसपी डॉ यशवीर सिंह को चार घंटे तक खड़ा रखा, एसपी ने मांगी माफी

●थाना अध्यक्षों के बहकावे में आकर पुलिस अधीक्षक महोदय सत्य मामले को झूठा साबित कर देते हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में पुलिस की ढीली रवैया लेकर सच को झूठ बताने वाले इंस्पेक्टर्स के कारण पुलिस अधीक्षक बस्ती को उच्च न्यायालय में तलब कर 4 घंटे तक खड़े रहने का आदेश दिया छावनी थाना क्षेत्र से संबंधित है एसपी को गुमराह कर गिरफ्तारी में देरी करने कारण कई थानों की यह स्थिति हो गई है कि सच्चाई पर मुकदमा नहीं लिखा जा रहा है इसीलिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में बस्ती पुलिस की लापरवाही पर एसपी यशवीर सिंह को चार घंटे तक खड़ा रखा. कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा- जिस व्यक्ति के पास जिले का प्रभार है, उसे अपने इंस्पेक्टर या सिपाही द्वारा दी गई जानकारी के प्रति सचेत रहना चाहिए. इसके बाद एसपी ने कोर्ट से माफी मांगी. कोर्ट ने गुरुवार को कहा- एसपी की माफी पर नरम रुख अपनाया जा रहा है. उनके खिलाफ कोई आदेश पारित करने के बजाय, उन्हें निर्देश दिया जाता हैकि वे कोर्ट के उठने तक न्यायालय में मौजूद रहें. ताकि भविष्य में हाईकोर्ट या किसी भी कोर्ट के सामने शपथ-पत्र दाखिल करते समय वे अधिक सावधानी बरतें. दरअसल, पूरा मामला एक युवती की हत्या से जुड़ा है. इसमें बस्ती पुलिस की ओर से कोर्ट में गलत तथ्यों के साथ शपथ पत्र दाखिल किया गया था. साथ ही समय पर रिपोर्ट भी नहीं भेजी गई थी. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी वो सबूत सामने नहीं मिले, जिसे पुलिस ने अपनी जांच में शामिल किया था.

सफाईकर्मी की बोरे में बंद मिली थी लाश, पांचवें दिन गिरफ्त में हत्यारा

●मामले का पुलिस ने किया खुलासा, कुल्हाड़ी और बाइक बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के हर्रैया विकास खंड में तैनात सफाईकर्मी की कुल्हाड़ी से हत्या कर शव बोरे में बंद कर नहर में फेंकने की सनसनीखेज वारदात का पांचवें दिन पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। आरोपी को शनिवार को जमौलिया कट, हा-28 बस्ती-अयोध्या मार्ग से गिरफ्तार किया गया।13 अप्रैल की सुबह छावनी क्षेत्र के विठला पुर गांव के पास नहर के किनारे बोरे में एक लाश मिली थी। शिनाख्त थाना छावनी क्षेत्र के गांव अकला निवासी विनय वर्मा के रूप में हुई। मृतक हर्रैया विकास खंड में सफाईकर्मी के पद पर तैनात था।

हत्या के बाद इलाके में कयासों का दौर शुरू हो गया था। बस्ती के पुलिस अधीक्षक यशवीर

सिंह के कड़े तेवर और सीओ हर्रैया स्वर्णिमा सिंह की निगरानी में थाना छावनी पुलिस, स्वाट टीम, एसओजी टीम और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। शनिवार को पुलिस ने आरोपी संदीप वर्मा (22) पुत्र स्वर्गीय रामसुख वर्मा, निवासी ग्राम अकला डड़वापुर, थाना छावनी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी संदीप ने बताया कि मृतक विनय उसकी रिश्ते की बहन को परेशान करता था। इसी बात पर विवाद हुआ और संदीप ने कुल्हाड़ी से विनय की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बोरे में बंद कर नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी के पास से मृतक की मोटरसाइकिल और हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी बरामद की है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष छावनी चंदन कुमार, सीनियर सब-इंस्पेक्टर सत्येंद्र यादव, उपनिरीक्षक सभाजित मिश्रा, सब-इंस्पेक्टर शोभा यादव, प्रभारी एसओजी विकास यादव और प्रभारी स्वाट टीम शेषनाथ यादव शामिल रहे।सीओ हर्रैया स्वर्णिमा सिंह ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी।

धोपाप धाम में उत्सव मनाने से बढ़ेगा जुड़ावः संजय निषाद

●श्रीराम-निषादराज प्रतिमा का अनावरण, उमड़ी भारी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लंभुआ (सुल्तानपुर):- निषाद समाज को अपने प्रमुख पर्व और उत्सव तीर्थराज धोपाप धाम में ही मनाने चाहिए। इससे समाज का अपने इष्ट से जुड़ाव मजबूत होगा और क्षेत्र में आवागमन बढ़ने के साथ विकास को भी गति मिलेगी।

यह बात निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शनिवार को धोपाप धाम में प्रभु श्रीराम-निषादराज की प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित समारोह में कही। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने समाज के हर वर्ग को सम्मान दिया। निषादराज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। श्रृंगवेरपुर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वहां माता शांता के मंदिर में श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में विकास सीमित क्षेत्रों तक सिमटा रहा, जबकि वर्तमान सरकार सभी जिलों में समान रूप से विकास कार्य करा रही है। युवाओं को रोजगार देने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि असली भगवान झोपड़ी में रहने वाले लोग हैं, लेकिन कुछ बेईमान लोग सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचने में बाधा बन रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ताकि सरकारी धन सीधे पात्रों तक पहुंच सके। समारोह के सफल आयोजन के लिए सेवार्थम फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. आशीष तिवारी की सराहना की गई। इस मौके पर प्रवीण निषाद, डॉ. अमित कुमार निषाद और जयसिंहपुर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी और आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ।

बीस अप्रैल को जारी होगी संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव की अंतिम सूची

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर अन्तिम सूची के प्रकाशन पर शनिवार को चुनाव समिति द्वारा गहन विचारविमर्श किया गया। बैठक में अंतरिम सूची के परीक्षण में कुछ नामों के सापेक्ष मूल अभिलेख के परीक्षण का निर्णय लिया गया। समिति ने अंतिम सूची के प्रकाशन को सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के तहत अब बीस अप्रैल को जारी करने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल व संचालन महामंत्री वीरेन्द्र सिंह ने किया। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्र ने समिति को बार काउन्सिल के द्वारा चुनाव को लेकर दिशा निर्देश को कडाई से प्रभावी बनाए जाने को कहा। बैठक में शिवाकांत उपाध्याय, बेनीलाल शुक्ल, रामलगन यादव, शैलेन्द्र चतुर्वेदी, संतोष पाण्डेय शामिल रहे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव कप्तानगंज विकास खण्ड में जरूरी या मजबूरी

●-कप्तानगंज विकास खण्ड में बीईओ प्रभात की तैनाती से जुड़ा मामलाजनपद का कोई भी खण्ड शिक्षा अधिकारी तैनाती स्थल पर नहीं करता है निवास फिर भी बीएसए कहते हैं आल इज वेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खण्ड कप्तानगंज में खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव के लम्बे कार्यकाल वाली तैनाती को लेकर दबे जुबान ही सही मगर चर्चाएं इस बात को लेकर शुरू हो गयी हैं कि बीईओ प्रभात कुमार श्रीवास्तव कप्तानगंज विकास खण्ड के लिए जरूरी या बेसिक शिक्षा अधिकारी की मजबूरी बने हैं।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव जब गोरखपुर जनपद में तैनात थे तो उनके ऊपर भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं परन्तु बस्ती जनपद में

उनकी कप्तानगंज विकास खण्ड में तैनाती को लगभग तीन वर्ष पूरे होने वाले है जिसमे लगभग आधा दर्जन शिक्षकों का निलंबन हो चुका है , दो शिक्षकों की मौत हो चुकी है तथा तमाम ऐसे शिक्षक व शिक्षिकाएं जो उनके अति करीब हैं उन्हें स्कूल न आने की सौगात भी दी गयी है । पर्दे पर भले ही सब कुछ सही दिख रहा परन्तु जमीनी हकीकत इसके उलट है ,मामला चाहे कस्तूरबा विद्यालयों से जुड़ा हो या फिर पीएम श्री विद्यालय से इनकी सतही हकीकत विभाग के भविष्य हेतु कदापि उचित नहीं हैं । वर्तमान में खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव के पास कप्तानगंज के अलावा बहादुर पुर विकास खण्ड का अतिरिक्त प्रभार भी है जिसके कारण इन चर्चाओं को और बल मिलता है कि इनकी बेसिक शिक्षा अधिकारी से नजदीकियाँ अधिक हैं और सम्बन्ध भी मधुर । नियमानुसार किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को एक ही स्थान पर ज्यादा समय इसलिए तैनाती नहीं दी जाती है जिससे कि व अपने तैनाती स्थल पर अवांक्षित गतिविधियाँ संचालित न कर सके परन्तु जनपद में ठीक उल्टी गंगा बहायी जा रही है तथा सेटिंग - गेटिंग का खेल जारी है । यदि इनके कप्तानगंज में तैनाती के समय का ही आय - व्यय व खरीददारी की सतही पड़ताल हो जाए तो कलई खुलना निश्चित है । फिरहाल कप्तानगंज के शिक्षक , शिक्षक संगठनों व उनके रहनुमाओं का धैर्य काबिले तारीफ है जो तीन साल में विरोध के एक स्वर भी नहीं निकाल पाएं जबकि आन्तरिक सर्वेक्षण में 75% से ज्यादा शिक्षक खण्ड शिक्षा अधिकारी से सहमत नहीं हैं बाकी तो घर बैठे व्यवस्था का लाभ उठा ही रहे हैं इसलिए जरूरी व मजबूरी की गुत्थी नहीं सुलझती दिख रही है।

संक्षिप्त खबरें

चन्दर सिंह राठौर बने अखिल भारतीय किसान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष

लखनऊ। अखिल भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान द्वारा बन्थरा निवासी चन्दर सिंह राठौर को शुक्रवार को अखिल भारतीय किसान संघ का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। चन्दर सिंह राठौर ने कहा कि मैं संगठन के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करूंगा। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्या को सरकार तक पहुंचाने का कार्य मैं करूंगा ताकि अन्नदाता किसी भी स्तर पर अपने आप को कमजोर महसूस न कर सके। चन्दर सिंह राठौर के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्रीय लोगों ने बधाई दी।

जागरूकता संगोष्ठी का किया गया आयोजन

बिसवां/सीतापुर इनर व्हील क्लब बिसवां द्वारा सामाजिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत कृष्ण स्वरूप मेमोरियल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, अमर नगर की छात्राओं के लिए 'सेव वाटर- जल संरक्षण' विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम क्लब की अध्यक्षा गुरमीत कौर एवं सचिव तुलसी गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमाणित प्रशिक्षक अंजलि राजवंशी द्वारा छात्राओं को जल संरक्षण के महत्व, पानी की बढ़ती कमी तथा दैनिक जीवन में पानी बचाने के सरल एवं प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने छात्राओं को जल बचाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े बदलाव ला सकते हैं। अध्यक्षा गुरमीत कौर ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और नई पीढ़ी को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में कोऑर्डिनेटर रेनू मेहरोत्रा, कोऑर्डिनेटर गुंजन सेठ, एकता गुप्ता, किरण सिंघल, शिवानी अग्रवाल सहित क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

श्री राम चम्पा देवी विघालय बिसवां में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम हुआ संपन्न

बिसवां/सीतापुर श्री राम चम्पा देवी विद्यालय, बिसवां में आयोजित कार्यक्रम नारी शक्ति वंदन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही। इस अवसर पर विधायक निर्मल वर्मा ने कहा कि आज देश की नारी शक्ति दुखी है। विपक्ष द्वारा लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए, जरूरी संविधान संशोधन बिल को पारित नहीं होने देना निंदनीय ही नहीं, बल्कि बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे ऐतिहासिक अवसर को रोकना घोर पाप है। वहीं महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कंचन प्रभा पांडे ने कहा कि विपक्ष का यह विरोध नारी शक्ति के खिलाफ खुला ऐलान है। जो लोग पहले नारी वंदन की बात करते थे, वे आज वोट बैंक की राजनीति में बेटियों के अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की माताएं, बहनें और बेटियां सब देख रही हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष जया सिंह, जिला महामंत्री सुधाकर शुक्ला, नगर अध्यक्ष रजनी गुप्ता पूर्व अध्यक्ष पंकज गुप्ता शालिनी गुप्ता, रानी दीक्षित सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

सिकंदराबाद में नाली निर्माण की बजाय पाइपलाइन डालने से जलभराव

● किसान नेता ने समाधान दिवस में उठाई समस्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर विकासखंड पहला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंदराबाद में जिला सहकारी बैंक के पास खड़ंजा मार्ग पर पक्की नाली के अभाव में गंभीर जलभराव की समस्या बनी हुई है। बताया जा रहा है कि नाली निर्माण की बजाय पाइपलाइन डाले जाने के कारण गंदा पानी रास्ते पर ही जमा हो रहा है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। इस मार्ग से जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक सहित कई ग्रामीणों को प्रतिदिन गुजरना पड़ता है, लेकिन रास्ते में कीचड़ और गंदे पानी के चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह पटेल ने इस समस्या को लेकर कई बार खंड विकास अधिकारी पहला एवं उपजिलाधिकारी महमूदाबाद को अवगत कराया, लेकिन आरोप है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासनिक उदासीनता से आक्रोशित किसान नेता सच्चिदानंद सिंह पटेल ने संपूर्ण समाधान दिवस, तहसील महमूदाबाद में शिकायती पत्र देकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का निराकरण नहीं हुआ, तो आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

महमूदाबाद में 'पोषण पखवाड़ा' कार्यक्रम आयोजित

● संतुलित आहार पर दिया गया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर कुपोषण, एनीमिया और शारीरिक कमजोरी जैसी समस्याओं से निपटने के लिए दैनिक भोजन में पोषक तत्वों का समावेश बेहद जरूरी है। जनभागीदारी से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है और इसके लिए हर व्यक्ति को अपने परिवार के खान-पान पर विशेष ध्यान देना होगा।

यह बातें सीता इंटर कॉलेज के शास्त्री सभागार में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत आयोजित 'पोषण पखवाड़ा' कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी शिव सेवक मिश्र ने कही। उन्होंने विद्यार्थियों को संतुलित आहार के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम अधिकारी ने स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण के आपसी संबंध को विस्तार से समझाया। साथ ही छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को पौष्टिक भोजन, हरी सब्जियों, मौसमी फलों और दूध के नियमित सेवन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जंक फूड से दूर रहने की सलाह देते हुए सभी से 'पोषण पखवाड़ा' के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की अपील की। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक उपस्थित रहे।

लखनऊ में बहन की शादी का कार्ड बांट रहे बड़े भाई की सड़क हादसे में मौत, छोटा भाई और मित्र घायल

मलिहाबाद (लखनऊ)। माल के शाहपुर गोड़वा गांव निवासी युवक अपने भाई और दोस्त के साथ छोटी बहन की शादी का कार्ड बांटने निकला। वापसी के दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना में बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। छोटे भाई और एक दोस्त की हालत नाजुक है। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर-ट्राली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गोड़वा गांव निवासी 26 वर्षीय परमेश्वर की छोटी बहन रेशमा का 24 अप्रैल को तिलक और आगामी 29 अप्रैल को शादी है। पूरा परिवार शादी की तैयारी में लगा था। परमेश्वर चंडीगढ़ में मजदूरी करते थे और बहन की शादी के लिए हाल ही में घर लौटे थे। शुक्रवार की शाम वह छोटे भाई राम और मित्र रजनेश के साथ बैदानगर निवासी मौसी के घर शादी का कार्ड देकर लौट रहे थे। बहन को दहेज में जो बाइक देनी थी तीनों लोग उसी बाइक से निकले थे। बैदानगर पुलिया के पास तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मारी। टक्कर लगने से तीनों लोग छिटककर सड़क पर गिर गए। अधिक खून बहने से परमेश्वर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। छोटा भाई और मित्र को गंभीर चोटें आई। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई।

बढ़ी क्षमता, घटी सुविधा, जर्जर तारों ने बिगाड़ी काल्हीगांव की बिजली व्यवस्था

● आधी-अधूरी बिजली योजना का दंश झेल रहे ग्रामीण, रोज फॉल्ट, रोज खर्च

सिस्टम फेल, ग्रामीण बेहाल-लाइन ठीक कराने के लिए जेब ढीली करने को मजबूर लोग

हर दिन फॉल्ट, हर दिन खर्च, काल्हीगांव में बिजली बनी मुसीबत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज(रायबरेली)। विकासखंड सरेनी के अंतर्गत विद्युत व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है।मलके गांव उपखंड क्षेत्र के काल्हीगांव में राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत बिछाई गई पुरानी लाइन पर बिना तार बदले ही 100 केवी का ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया है। इस आधे-अधूरे कार्य का खामियाजा अब ग्रामीणों को रोजाना भुगतना पड़ रहा है।ग्रामीणों के अनुसार,ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ा दी गई है,लेकिन जर्जर और कम क्षमता वाले पुराने तार ही लगे हुए हैं। नतीजतन पूरे गांव में विद्युत आपूर्ति केवल एक ही फेज से संचालित हो रही है।इससे लोड बढ़ने पर बार-बार फॉल्ट की समस्या उत्पन्न हो जाती है,जिससे गांव अंधेरे में डूब जाता है।स्थिति इतनी बदतर है कि ग्रामीणों को हर दूसरे दिन लाइनमैन को बुलाना पड़ता है।आरोप है कि लाइन ठीक कराने के नाम पर उपभोक्ताओं से जेब से पैसा खर्च कराया जा रहा है। मजबूरी में लोग भुगतान कर बिजली बहाल कराते हैं, जिससे उनमें आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीण कृष्ण कुमार अग्निहोत्री, गोवर्धन अग्निहोत्री, राजन मिश्रा, सधन अग्निहोत्री, सुधीर अग्निहोत्री, विजय शंकर शुक्ला,राज शंकर शुक्ला, पुतानी शुक्ला, दुर्गेश शुक्ला, राजू अग्निहोत्री, कपिल त्रिवेदी, चक्रपाल सिंह आदि का कहना है कि विभागीय लापरवाही के चलते यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है,लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।अगर समय रहते तारों का उन्नयन और तीनों फेज की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई,तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेकर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है,ताकि उन्हें रोज- रोज की परेशानी और अनावश्यक आर्थिक बोझ से राहत मिल सके।वहीं जब इस संबंध में अवर अभियंता हेमंत मिश्रा से दूरभाष के माध्यम से संपर्क साधने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पूरी बेल जाने के बाद भी कॉल रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा, जिससे उनका पक्ष नहीं जाना जा सका।वहीं जब इस संबंध में एसडीओ सरेनी यशवीर सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है,यदि ऐसा है तो जेई मलकेगांव से मामले की जानकारी लेने के बाद शीघ्र ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु बैठक सम्पन्न

रायबरेली:- उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु बैंकों में लंबित प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रुप-रेखा तय किए जाने हेतु सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गयी। बैठक में सचिव द्वारा उपस्थित शाखा प्रबन्धकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये जिससे अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन वादों को चिन्हित किये जाने व राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा अमेठी, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा रायबरेली, बड़ौदा यू0पी0 ग्रामीण बैंक, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, बैंक ऑफ इण्डिया, यूको बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडियन बैंक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया व भारतीय स्टेट बैंक रायबरेली के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बरेसर प्रभारी धिरेन्द्र कुमार को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित, कहां ऐसे ही प्रभारी की जरूरत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजीपुर। गाजीपुर पुलिस अधीक्षक डाक्टर इरज राजा ने पुलिस लाईन स्थित सभागार में सभी प्रभारियों व पुलिस उपाधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे । जिसमें उन्होंने ने जिले के टाप टेन अपराधियों,गुंडा। माफियाओं के साथ ही जिले में कानून व्यवस्था बनाने हेतु चर्चा की। जहां उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों की जमकर तारीफ की इसी दौरान उन्होंने जिले के बरेसर प्रभारी धीरेंद्र कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा की धिरेन्द्र कुमार अपने थाने क्षेत्र में सखूत पुलिसिंग कर बदमाशों व मनबढ़ लोगों पर सख्त कार्रवाई की यही नहीं थाना प्रभारी ने अपने साथियों के साथ अच्छे तालमेल की वज़ह से एक माह के अंदर ही । थाने में सभी लम्बित मुकदमों का निस्तारण किया। बता दें की थाना प्रभारी धिरेन्द्र कुमार का जो इस समय जिले में चर्चा हो रही है । वो ऐसे ही नहीं हो रही है, थाना प्रभारी धिरेन्द्र कुमार पर एक नजर डालें तो पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया उनको जहां जहां तैनाती दी गई। उस थाने क्षेत्र में हो रहे अपराधों पर हंटर चलाते हुए अपराधियों को जेल भेज थाने क्षेत्र से अपराध को समाप्त किया । इसके साथ ही वो थाने में आये हर एक फरियादियों की समस्याओं सुन उनका तुरंत निस्तारण कर एक अच्छे थाना प्रभारी का कर्तव्य निभाया। थाना प्रभारी धिरेन्द्र कुमार सख्त कार्रवाई करने के वजह से मनबढ़ लोगों व अपराधी किस्म के लोगों में डर बना रहता है। वहीं थाने में अपनी समस्याओं के साथ आये लोगों की बातों को सुनकर उनका निस्तारण करते हैं।

देशी लौकिया गौशाला के निरीक्षण में खुली बड़ी लापरवाही

महमूदाबाद- सीतापुर। विकास खण्ड रामपुर मथुरा अंतर्गत स्थित देशी लौकिया गौ-संरक्षण केंद्र पर वायरल वीडियो के बाद जागे प्रशासन द्वारा निरीक्षण किया गया, जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आये है। निरीक्षण के दौरान जीपीएस लोकेशन के आधार पर खुदाई में एक गोवंश का शव मिला, जबकि अन्य शव पहले ही अलग-अलग गड्ढों में दबाए जा चुके थे।

मौके पर चारा पर्याप्त मात्रा में मिला, लेकिन रिकॉर्ड में भारी अनियमितता पाई गई। 10 अप्रैल के बाद से स्टॉक रजिस्टर अपडेट नहीं किया गया था, वहीं चिकित्सा, टीकाकरण और टैगिंग से जुड़े दस्तावेज भी मौके पर उपलब्ध नहीं मिले। अधिकारियों के अनुसार गोवंश की मौत स्वाभाविक बताई गई है और किसी संक्रामक बीमारी के प्रमाण नहीं मिले है। हालांकि निरीक्षण में संबंधित जिम्मेदारों की लापरवाही साफ उजागर हुई है। रिपोर्ट को आगे आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है।

Mind Matters: A Neurological Health Awareness' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा 'Mind Matters: A Neurological Health Awareness' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन इंजीनियर्स भवन, आई.ई.आई., रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. धवल नारंग (एम.डी., डी.एम., न्यूरोलॉजी, लखनऊ) ने सहभागिता की। अपने व्याख्यान में उन्होंने न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता तथा वर्तमान जीवनशैली के प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वस्थ मस्तिष्क व्यक्ति के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा संतुलित दिनचर्या, उचित आहार और तनाव प्रबंधन के माध्यम से मानसिक एवं न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक जीवन में बढ़ते तनाव, डिजिटल निर्भरता और अनियमित दिनचर्या के कारण मस्तिष्क संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिन्हें समय रहते जागरूकता एवं सही मार्गदर्शन के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. वी.पी. सिंह, अध्यक्ष, आई.ई.आई. उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विषय समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और इससे आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए संस्था द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की बात कही। कार्यक्रम के संयोजक इं. महेश गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय संस्था के मानद सचिव इं. एन.के. निषाद द्वारा किया गया। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

दुबग्गा में तेज रफ्तार का कहर: बाइक की टक्कर से मलिहाबाद निवासी युवक की मौत, दो मासूम बेटे हुए बेसहारा, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद क्षेत्र के रामपुर गांव से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। शुक्रवार, 17 तारीख को शाम करीब 5 बजे रामपुर बस्ती निवासी संजय सिंह (उम्र 35 वर्ष), पुत्र रामपाल सिंह, अपने साथी वीरेंद्र सिंह के साथ किसी काम से पैदल बसंत कुंज सेक्टर पी से दुबग्गा सब्जी मंडी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

बताया जा रहा है कि बाइक (HF डिलक्स, नंबर UP-32 QE1387) को चला रहा चालक बेहद लापरवाही और तेज गति में था। अचानक हुई इस टक्कर में संजय सिंह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए बिना देर किए घायल संजय सिंह को ऐरा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। संजय सिंह अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले थे और रोजी-रोटी के लिए दुबग्गा, लखनऊ में रहकर मेहनत मजदूरी करते थे। उनके पीछे पत्नी और दो मासूम बेटे हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। पिता की अचानक मौत से बेटों के सिर से साया उठ गया है दोनों बेटों की उम्र प्रिंस 8 साल व एक की 4 साल है,और अब उनके भविष्य पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। उनकी पढ़ाई-लिखाई और जीवनयापन पर इसका गहरा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद मृतक के पिता रामपाल सिंह ने थाना ठाकुरगंज में लिखित तहरीर देकर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है। इस हादसे ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह सिर्फ एक सड़क दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई साजिश भी हो सकती है? फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परन्तु पुलिस पर कुछ सवाल भी उठ रहे है कि जब मृतक के पिता नामी नंबर तहरीर में दर्ज करने को कहा तो कुछ पुलिसकर्मियों ने उन्हें मना क्यों किया? और जब गाड़ी मालिक का नाम व पता मिल गया था तो अभी तक उनको गिरफ्तार क्यों नहीं किया?

वहीं स्थानीय लोगों और परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषी चालक को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए, साथ ही सरकार से भी अपील की गई है कि पीड़ित परिवार, को मदद के लिए आर्थिक सहायता और शिक्षा की व्यवस्था की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी और गंभीरता से कार्रवाई करता है और क्या इस बेसहारा परिवार को न्याय के साथ-साथ मदद भी मिल पाती है या नहीं।

तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 35 में से 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/ रायबरेली। तहसील सभागार महराजगंज में आज शनिवार को तहसीलदार मंजुला मिश्रा एवं एसडीएम गौतम सिंह की अध्यक्षता में 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें पुलिस विभाग की 11, राजस्व विभाग की 12, विकास विभाग की 1 तथा अन्य विभागों की 11 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से मौके पर केवल 6 शिकायतों का निस्तारण किया जा सका, जबकि शेष शिकायतों को समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित कर दिया गया।

तहसीलदार मंजुला मिश्रा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस और राजस्व से जुड़े मामलों में स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम गौतम सिंह, तहसीलदार मंजुला मिश्रा, नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी के किसानों के लिए नया आदेश जारी, अगर नहीं भरा ऑनलाइन फॉर्म तो इस बार मिलों में नहीं बेच पाएंगे गन्ना

लखनऊ। पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी कर दी गई है। सर्वेक्षण एक मई से 30 जून तक किया जायेगा। गन्ना उत्पादन के सही आकलन और गन्ना किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए गन्ना सूचना प्रणाली एवं स्मार्ट गन्ना किसान के तहत हैंड हेल्ड कंप्यूटर व एंड्रायड बेस्ड मशीन के माध्यम से जीपीएस सर्वे होगा। गन्ना किसानों द्वारा बोये गये गन्ना क्षेत्रफल के संबंध में वेबसाइट enquiry.caneup.in पर घोषणा-पत्र उपलब्ध होंगे, जिसे किसानों को आनलाइन भरना होगा। अपर मुख्य सचिव गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग वीना कुमारी के अनुसार जिन किसानों द्वारा आनलाइन घोषणा-पत्र उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे, उनका सट्टा आगामी पेराई सत्र 2026-27 में विभाग द्वारा कभी भी बंद किया जा सकता है। सर्वे नीति में पारदर्शिता के लिए सर्वे टीम के खेत पर पहुंचने की तिथि, सर्वे टीम के इंचार्ज के नाम व मोबाइल नंबर की सूचना एसएमएस के माध्यम से तीन दिन पहले किसानों को भेजी जाएगी। सर्वेक्षण टीम में राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक, चीनी मिल कार्मिक के साथ संबंधित सर्किल के किसान की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 24 घंटे में बदला आदेश, कांग्रेस के MP राहुल गांधी के विरुद्ध नहीं होगी FIR

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ अपने एक फैसले पर यू टर्न मारा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कथित दोहरी नागरिकता मामले में एफआईआर दर्ज करने के ओपन कोर्ट में सुनाये गए अपने आदेश को खंडपीठ ने रोक दिया है। हाई कोर्ट लखनऊ बेंच की वेबसाइट पर शनिवार को उपलब्ध आदेश में कोर्ट ने कहा है कि शुक्रवार को सुनवाई के दौरान याची समेत केंद्र व राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से पूछा गया था कि क्या इस मामले में विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस जारी करने की आवश्यकता है। आदेश में कहा गया है कि अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि नोटिस जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, तत्पश्चात ओपन कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का विस्तृत आदेश पारित कर दिया गया। इस आदेश के टाइप होने और उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने पाया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की पूर्ण पीठ ने वर्ष 2014 में पारित एक निर्णय में कहा है कि एफआईआर दर्ज कराने के मांग वाले प्रार्थना पत्रों के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही पोषणीय है तथा ऐसी याचिका पर प्रस्तावित अभियुक्त को नोटिस भेजा जाना अनिवार्य है।

न्यायालय ने कहा की इस विधिक स्थिति को देखते हुए बिना विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस से पहले मामले को निर्णित करना उचित नहीं है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तिथि नियत की है।उल्लेखनीय है कि कर्नाटक निवासी याची एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर न्यायालय ने शुक्रवार को राहुल गांधी के विरुद्ध कथित दोहरी नागरिकता के मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना का आदेश ओपन कोर्ट में डिक्टेट किया था। याची ने राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम तथा पासपोर्ट अधिनियम के तहत विभिन्न गंभीर आरोप लगाए हैं और मामले की विस्तृत जांच की मांग की है। याची के प्रार्थना पत्र को निचली अदालत खारिज कर चुकी है।

अक्षय तृतीया और परशुराम अवतार का अद्भुत संगम

भारतीय सनातन संस्कृति में अवतारवाद की परंपरा केवल ईश्वरीय उपस्थिति का प्रमाण नहीं है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना और समाज को दिशा दिखाने का एक जीवंत माध्यम भी है। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में प्रतिष्ठित भगवान परशुराम का प्राकट्य इसी श्रृंखला की एक अत्यंत तेजस्वी कड़ी है। प्रतिवर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को संपूर्ण भारतवर्ष में परशुराम जयंती अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। ज्योतिषीय गणना और पंचांग के विश्लेषण के अनुसार, तृतीया तिथि का आगमन 19 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:49 बजे होगा और इसका समापन अगले दिन 20 अप्रैल 2026 को प्रातः 07:27 बजे होगा। शास्त्रों में भगवान परशुराम का जन्म प्रदोष काल में माना गया है, इसलिए उदयातिथि और सायंकालीन मुहूर्त की महत्ता को देखते हुए 19 अप्रैल को ही जयंती मनाना श्रेष्ठ और शास्त्रसम्मत है। यह तिथि केवल एक जयंती मात्र नहीं है, बल्कि यह अक्षय तृतीया का भी महापर्व है, जिसका अर्थ है वह तिथि जिसका पुण्य कभी क्षय नहीं होता।

भगवान परशुराम का जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। वे भृगु कुल के रत्न थे, इसलिए उन्हें भार्गव के नाम से भी जाना जाता है। उनका मूल नाम 'राम' था, किंतु उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपना अमोघ शस्त्र 'परशु' प्रदान किया, जिसके कारण वे लोक में परशुराम के नाम से विख्यात हुए। उनका व्यक्तित्व अत्यंत विलक्षण है क्योंकि वे एक ही समय में श्रेष्ठ ब्राह्मण भी हैं और अजेय योद्धा भी। सनातन धर्म में उन्हें 'ब्रह्म-क्षत्रिय' की उपाधि दी गई है, जो यह दर्शाता है कि जब शांति और शास्त्र विफल होने लगें, तब धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाना अनिवार्य हो जाता है। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग हमें साहस और सिद्धांतों के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, उस कालखंड में जब क्षत्रिय राजा अपनी शक्ति के मद में चूर होकर ऋषि-मुनियों और निर्दोष जनता पर अत्याचार करने लगे थे, तब भगवान परशुराम ने अन्याय के विरुद्ध युद्ध का शंखनाद किया। हैहय वंश के राजा कार्तवीर्य अर्जुन ने जब अपने बल के अहंकार में महर्षि जमदग्नि की कामधेनु गाय का बलपूर्वक अपहरण किया और अंततः ऋषि की हत्या कर दी, तब परशुराम ने भीषण प्रतिज्ञा ली। उन्होंने न केवल कार्तवीर्य अर्जुन का वध किया, अपितु पृथ्वी को 21 बार आततायी क्षत्रियों से विहीन कर दिया। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि उनका संघर्ष किसी जाति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि उस अधर्म और सत्ता के अहंकार के विरुद्ध था जो मानवता को पीड़ित कर रहा था। उन्होंने प्रत्येक बार विजित भूमि को ऋषियों और ब्राह्मणों को दान कर दिया, जिससे यह सिद्ध होता है कि उनके भीतर भूमि का मोह नहीं, बल्कि धर्म का राज्य स्थापित करने की ललक थी।

भगवान परशुराम के चरित्र में क्रोध और करुणा का एक अद्भुत संतुलन देखने को मिलता है। त्रेता युग में जब भगवान श्रीराम ने जनकपुर में शिव का धनुष तोड़ा, तब परशुराम का आगमन और उनका क्रोध उनके शिव-भक्त होने का प्रमाण था, किंतु श्रीराम की विनम्रता और उनके ईश्वरत्व को पहचानते ही वे शांत होकर उन्हें आशीर्वाद देकर महेंद्रगिरि पर्वत पर तपस्या हेतु चले गए। इसी प्रकार द्वापर युग में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य और दानवीर कर्ण जैसे महारथियों को शस्त्र विद्या प्रदान की। महाभारत के युद्ध में उनके द्वारा दी गई शिक्षा और अस्त्रों ने निर्णायक भूमिका निभाई। वे चिरंजीवी हैं, अर्थात सात अमर विभूतियों में से एक हैं जो आज भी इस पृथ्वी पर सूक्ष्म रूप में विद्यमान हैं। ऐसी मान्यता है कि वे कलयुग के अंत में भगवान कल्कि के गुरु बनेंगे और उन्हें धर्म स्थापना के लिए शस्त्र विद्या प्रदान करेंगे।

आध्यात्मिक दृष्टि से परशुराम जयंती का महत्व अक्षय तृतीया के साथ जुड़कर और भी बढ़ जाता है। इस दिन किए जाने वाले सत्कर्मों का फल अनंत काल तक बना रहता है। वर्ष 2026 की यह तिथि 19 अप्रैल को भक्तों के लिए आत्मशुद्धि और संकल्प का दिन होगी। इस दिन भक्त प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पवित्र नदियों में स्नान करते हैं या जल में गंगाजल मिलाकर स्नान की परंपरा निभाते हैं। पूजा के केंद्र में भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है। पूजन सामग्री में चंदन, अक्षत, तुलसी दल, धूप, दीप और विशेष रूप से पंचामृत का उपयोग किया जाता है। चूंकि वे शस्त्र विद्या के आदि गुरु हैं, इसलिए इस दिन अस्त्र-शस्त्रों की पूजा का भी विशेष विधान है। कई समुदायों में इस दिन शस्त्रों का प्रदर्शन और वीरतापूर्ण खेल आयोजित किए जाते हैं जो युवाओं में शौर्य की

भावना का संचार करते हैं।

इस पर्व का एक प्रमुख पक्ष दान और सेवा है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिन किया गया दान अक्षय फल प्रदान करता है। अनाज, जल के पात्र, वस्त्र, स्वर्ण, और गौ-दान को इस दिन अत्यंत शुभ माना गया है। 19 अप्रैल 2026 को रविवार का संयोग होने के कारण सूर्य देव की आराधना के साथ परशुराम पूजन करना और भी शुभ फलदायी होगा। ब्राह्मणों को भोजन कराना और निर्धनों की सहायता करना इस उत्सव की पूर्णता मानी जाती है। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि जो साधक इस दिन उपवास रखकर श्रद्धापूर्वक भगवान परशुराम का स्मरण करता है, उसके जीवन से भय और बाधाएं दूर हो जाती हैं। निःसंतान दंपतियों के लिए यह व्रत विशेष रूप से संतान सुख प्रदान करने वाला माना गया है।

भगवान परशुराम का जीवन आधुनिक समाज के लिए एक महान संदेश है। आज जब विश्व भर में नैतिकता और मूल्यों का पतन हो रहा है, तब परशुराम का चरित्र हमें अनुशासन की महत्ता समझाता है। उनका जीवन सिखाता है कि शक्ति का अर्थ दूसरों को दबाना नहीं, बल्कि न्याय की स्थापना करना है। उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का पालन कर पितृभक्ति की पराकाष्ठा दिखाई और फिर अपनी तपस्या से माता को पुनर्जीवित कर मातृप्रेम का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका क्रोध 'सात्विक क्रोध' था, जो केवल विनाश के लिए नहीं बल्कि सृजन के मार्ग में आने वाली बाधाओं को हटाने के लिए था। युवाओं को उनके जीवन से यह सीखना चाहिए कि ज्ञान (शास्त्र) और सामर्थ्य (शस्त्र) दोनों का होना अनिवार्य है, क्योंकि शस्त्रविहीन ज्ञान दुर्बल होता है और ज्ञानविहीन शस्त्र विनाशकारी।

परशुराम जयंती के अवसर पर भारत के विभिन्न हिस्सों में भव्य शोभायात्राएं निकाली जाती हैं। विशेषकर उत्तर भारत, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कोंकण क्षेत्र में इसका भारी उत्साह देखने को मिलता है। कोंकण क्षेत्र को तो परशुराम की अपनी भूमि माना जाता है, क्योंकि उन्होंने समुद्र को पीछे धकेलकर उस भूमि का निर्माण किया था। मंदिरों में भजन, कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों का दौर चलता है। वर्ष 2026 में 19 अप्रैल को होने वाले आयोजनों में तकनीक और परंपरा का संगम भी देखा जा सकेगा, जहाँ डिजिटल माध्यमों से भगवान के संदेशों को प्रसारित किया जाएगा। वर्तमान समय में इस पर्व को पर्यावरण और जल संरक्षण से जोड़ना भी एक सराहनीय पहल है। वृक्षारोपण और जलाशयों की स्वच्छता जैसे कार्य भगवान परशुराम के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हो सकते हैं, जिन्होंने सदैव प्रकृति और ऋषि संस्कृति का संरक्षण किया।

भगवान परशुराम की कथा हमें यह भी याद दिलाती है कि समय परिवर्तनशील है। उन्होंने जिस प्रकार अहंकार का दमन किया, वह हर युग के मनुष्य के लिए चेतावनी है कि सत्ता और संपत्ति का दुरुपयोग अंततः विनाश का कारण बनता है। उनके शस्त्र 'परशु' की धार हमें अपने भीतर की बुराइयों और विकारों को काटने की प्रेरणा देती है। जब हम उनकी जयंती मनाएंगे, तो हमारा संकल्प केवल व्यक्तिगत समृद्धि तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण का उत्तरदायित्व भी लेना चाहिए। भगवान परशुराम केवल एक जाति या समुदाय के आराध्य नहीं हैं, वे तो संपूर्ण मानवता के कल्याण और अधर्म के नाश के लिए अवतरित हुए थे।

अंततः यह कहना उचित होगा कि परशुराम जयंती एक ऐसा प्रकाश स्तंभ है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। उनकी पूजा हमें शारीरिक रूप से सुदृढ़, मानसिक रूप से शांत और आध्यात्मिक रूप से जाग्रत बनाती है। यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलते हुए न्याय का साथ दें और अपने कर्तव्यों का पालन करें, तो यही उनके प्रति सच्ची भक्ति होगी। इस पावन अवसर पर किया गया जप, तप और दान हमारे जीवन में सुख-शांति का संचार करेगा और भगवान परशुराम की कृपा से समाज में धर्म की विजय होगी। यह पर्व हमें निरंतर याद दिलाता रहेगा कि जब-जब संसार में अधर्म बढ़ेगा, ईश्वरीय शक्ति किसी न किसी रूप में अन्याय का अंत करने अवश्य आएगी। भगवान परशुराम की यह जयंती हमें साहस और शांति के इसी सनातन सत्य की ओर पुनः अग्रसर करेगी।

महेन्द्र तिवारी

लोकसभा का गणित, विपक्ष की गलतफहमी और भाजपा की दूरदर्शी चाल: एक 'हार' में छिपी बड़ी जीत की कहानी

लोकसभा में सीटें बढ़ाने, परिसीमन लागू करने और महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने से जुड़े विधेयकों का गिरना पहली नजर में भले ही नरेंद्र मोदी सरकार के लिए एक झटका दिखाई देता हो, लेकिन भारतीय राजनीति को सतह से थोड़ा नीचे जाकर देखने वाला कोई भी व्यक्ति समझ सकता है कि यह घटनाक्रम दरअसल एक गहरी रणनीति का हिस्सा था, और यही वह बिंदु है जहां विपक्ष की बुद्धिमत्ता पर तरस आता है क्योंकि उसने इस पूरे खेल को केवल संख्या के नजरिए से देखा, जबकि भाजपा इसे नैरेटिव और जनमत के स्तर पर खेल रही थी।

जब सरकार को पहले से यह स्पष्ट था कि एनडीए के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और संविधान संशोधन जैसे विधेयक को पास कराना संभव नहीं होगा, तब भी ऐसे बिल को संसद में लाना किसी जल्दबाजी या राजनीतिक भूल का परिणाम नहीं हो सकता, बल्कि यह एक सुनियोजित कदम था, जिसका उद्देश्य केवल विधेयक पारित कराना नहीं बल्कि पूरे देश में एक मजबूत संदेश देना था, और भाजपा इसमें सफल भी रही, क्योंकि उसने महिला आरक्षण जैसे नैतिक रूप से मजबूत मुद्दे को केंद्र में रखकर विपक्ष को एक ऐसी स्थिति में खड़ा कर दिया जहां उसका हर कदम उसे नुकसान पहुंचाने वाला था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बार-बार की गई अपीलें, जिसमें उन्होंने सांसदों से अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने और देश की महिलाओं को उनका अधिकार देने की बात कही, केवल भावनात्मक अपील नहीं थीं बल्कि एक राजनीतिक फ्रेम तैयार करने की कोशिश थीं, जिसमें जो भी इस विधेयक का विरोध करेगा, वह सीधे-सीधे महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ खड़ा दिखाई देगा, और यही वह जाल था जिसे विपक्ष समझ नहीं पाया, उसने तकनीकी मुद्दों—जैसे जनगणना का आधार, परिसीमन का समय और क्षेत्रीय असंतुलन—को आगे रखकर विरोध किया, लेकिन जनता के बड़े हिस्से के लिए यह बहस इतनी जटिल नहीं है, उनके लिए सीधा सवाल है कि महिलाओं को आरक्षण देने के मुद्दे पर कौन साथ खड़ा था और कौन विरोध में।

यही वह क्षण है जहां भाजपा की राजनीतिक चतुराई स्पष्ट रूप से सामने आती है, क्योंकि उसने यह सुनिश्चित किया कि भले ही विधेयक पारित न हो, लेकिन चर्चा का केंद्र वही बना रहे, और हुआ भी यही, आज बहस इस बात पर नहीं है कि बिल क्यों गिरा, बल्कि इस बात पर है कि महिलाओं को उनका हक देने में किसने बाधा डाली, और इस नैरेटिव में भाजपा खुद को प्रयास करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि विपक्ष रक्षात्मक मुद्रा में आ गया है।

विपक्ष के नेताओं, खासकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान इस बात को और स्पष्ट करते हैं कि वे इस पूरे मुद्दे को किस तरह समझने में चूक गए, उन्होंने इसे एक राजनीतिक चाल कहकर खारिज करने की कोशिश की, लेकिन यह समझ नहीं पाए कि राजनीति में कई बार चाल ही असली खेल होती है, और जो उसे पहचान नहीं पाता, वह खुद मोहरा बन जाता है, यही कारण है कि आज विपक्ष इस 'जीत' पर भले ही संतुष्ट दिखाई दे रहा हो, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह उसके लिए एक नुकसानदायक स्थिति बन सकती है। भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम के जरिए एक साथ कई लक्ष्य साधे हैं, उसने महिला मतदाताओं के बीच अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया, विपक्ष को नैतिक रूप से कठघरे में खड़ा किया और आने वाले चुनावों के लिए एक प्रभावी मुद्दा तैयार किया, खासकर उन राज्यों में जहां महिला मतदाता निर्णायक भूमिका निभाती हैं, यह कोई संयोग नहीं है कि इस पूरे घटनाक्रम का समय भी चुनावी माहौल के आसपास रखा गया, क्योंकि ऐसे समय में बनाए गए नैरेटिव का प्रभाव अधिक गहरा होता है।

इसके अलावा सरकार ने यह भी संकेत दिया कि वह अपने कदमों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएगी, अन्य संबंधित विधेयकों पर वोटिंग टालकर उसने यह स्पष्ट कर दिया कि यह प्रक्रिया अभी समाप्त नहीं हुई है, बल्कि यह एक लंबी रणनीति का हिस्सा है, जिसमें पहले राजनीतिक और सामाजिक माहौल तैयार किया जाएगा और फिर उपयुक्त समय पर संशोधित प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ा जाएगा, यह दूरदर्शिता ही भाजपा को अन्य दलों से अलग बनाती है।

वहीं विपक्ष की स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत नजर आती है, जहां वह तात्कालिक जीत के उत्साह में इतना डूबा हुआ है कि उसे यह समझ ही नहीं आ रहा कि उसने अनजाने में भाजपा को एक बड़ा राजनीतिक हथियार दे दिया है, यही कारण है कि उसकी इस जीत में भी एक तरह की कमजोरी छिपी हुई है, क्योंकि वह जनभावनाओं के स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत नहीं कर पाया।

अंततः यह कहा जा सकता है कि यह पूरा घटनाक्रम केवल एक विधेयक के पास या फेल होने की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति में बदलते खेल के नियमों का उदाहरण है, जहां केवल बहुमत ही नहीं बल्कि नैरेटिव, समय और मनोविज्ञान भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, भाजपा ने इन सभी पहलुओं को साधते हुए एक ऐसी चाल चली है जिसे समझने में विपक्ष पूरी तरह असफल रहा है, और यही कारण है कि आज उसकी 'हार' भी एक रणनीतिक जीत के रूप में दिखाई दे रही है, जबकि विपक्ष की 'जीत' में भी एक केतरह की असमंजस और दूरदृष्टि की कमी साफ झलकती है।

कांतिलाल मांडोत

अधर्म से कभी समझौता न करने वाला दिव्य प्रश्न - भगवान परशुराम

[टूटते समाज की शिराओं में बहता धर्म-संस्कार — भगवान परशुराम]

[इक्कीस बार पृथ्वी का शोधन करने वाला तेजस्वी योद्धा — भगवान परशुराम]

जब समय की धड़कनें असंतुलन की ओर झुकने लगती हैं, जब धर्म केवल ग्रंथों के शब्दों में सीमित होकर रह जाता है और अधर्म सत्ता के सिंहासन पर बैठकर निरंतर मानवता को कुचलने लगता है—तब इतिहास अपने भीतर से एक ऐसी अद्भुत शक्ति को जन्म देता है जो युगों की दिशा को बदल देने की क्षमता रखती है। परशुराम उसी दिव्य शक्ति के प्रतीक हैं। वे न केवल ऋषि-पुत्र हैं, न केवल एक महान योद्धा—वे उस जाग्रत चेतना का साक्षात स्वरूप हैं जो अन्याय और अत्याचार के सामने कभी भी मौन या निष्क्रिय नहीं रहती। परशुराम जयंती केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन का अवसर है कि क्या आज भी समाज में अन्याय के विरुद्ध वही प्रखर अग्नि जीवित है या फिर वह केवल पौराणिक कथाओं तक ही सीमित होकर रह गई है। जब ब्रह्मांडीय संतुलन डगमगाने लगा और क्षत्रिय सत्ता के अहंकार ने ऋषियों की तपोभूमि का अपमान करना प्रारंभ किया, तब महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर एक ऐसे बालक का जन्म हुआ, जिसमें अग्नि और संयम का अद्भुत संगम था। भगवान विष्णु के अंशावतार परशुराम ने न कभी राजसी वैभव देखा, न ही विलासिता का आकर्षण—उनका पालन-पोषण एक साधारण तपोवन में हुआ। भगवान शिव की कृपा से प्राप्त दिव्य परशु उनके हाथों में केवल एक शस्त्र नहीं रहा, बल्कि धर्मरक्षा का शक्तिशाली प्रतीक बन गया। उनका बाल्यकाल ही यह संकेत देने लगा था कि यह साधारण बालक नहीं, बल्कि एक ऐसे युग-परिवर्तन की भूमिका है जो स्थापित व्यवस्था को गहराई से झकझोर देगा। परशुराम के जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब हैहय वंश के प्रतापी किंतु अत्यंत अहंकारी राजा कार्तवीर्य अर्जुन ने महर्षि जमदग्नि के आश्रम पर आक्रमण कर दिया। कामधेनु गाय का बलपूर्वक अपहरण किया गया, आश्रम की पवित्रता भंग की गई और ऋषि का गहरा अपमान हुआ। जब परशुराम लौटे तो उनके भीतर वर्षों से संचित संयम की सीमा टूट चुकी थी। उन्होंने भीषण युद्ध में राजा की हजार भुजाओं का अंत कर दिया। किंतु यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं हुआ। प्रतिशोध की अगली लहर में उनके पिता की निर्मम हत्या कर दी गई, जिसने उनके जीवन को एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया जहाँ व्यक्तिगत पीड़ा और धर्मरक्षा का दायित्व एक साथ जुड़ गए। पिता की निर्मम हत्या ने परशुराम के अंतःकरण में एक ऐसा प्रचंड संकल्प प्रज्वलित किया, जिसकी गूंज इतिहास में अमिट बन गई। उन्होंने अन्यायपूर्ण क्षत्रिय सत्ता के संपूर्ण विनाश का व्रत लिया और उसे केवल घोषणा नहीं रहने दिया, बल्कि अपने अद्भुत शौर्य और अडिग कर्म से साकार कर दिखाया। मान्यता है कि उन्होंने इक्कीस बार पृथ्वी को अत्याचारी क्षत्रियों के भार से मुक्त किया। यह केवल विनाश की कथा नहीं, बल्कि एक कठोर उद्घोष था कि जब शक्ति धर्म और मर्यादा से विचलित हो जाती है, तब उसका पतन निश्चित होता है। समंतपंचक जैसे पावन स्थलों की गाथाएँ इसी भीषण संघर्ष की साक्षी हैं, जहाँ धर्म और अधर्म के बीच निर्णायक संग्राम घटित हुआ।परशुराम केवल संहार के प्रतीक नहीं थे, वे ज्ञान, अनुशासन और शिक्षा के भी परम आचार्य थे। महाभारत काल में उन्होंने भीष्म पितामह, आचार्य द्रोण और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शस्त्रविद्या का गहन और दिव्य ज्ञान प्रदान किया। उनका जीवन यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वास्तविक शक्ति केवल युद्ध कौशल में नहीं, बल्कि ज्ञान के सही मार्गदर्शन, संयम और नैतिक आधार में भी निहित होती है। भगवान श्रीराम से उनका दिव्य मिलन भी अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरक प्रसंग है, जहाँ उनका प्रारंभिक क्रोध श्रीराम की मर्यादा और दिव्यता के समक्ष शांत होकर विनम्रता में परिवर्तित हो गया। यह घटना यह सिद्ध करती है कि सच्चा ज्ञान वही है जो अहंकार को भी मिटाकर उसे विनम्रता और संतुलन में बदल दे।

कर्तव्य और पितृभक्ति की कठोर परीक्षा में परशुराम का जीवन एक अद्भुत उदाहरण बन गया। एक बार उनके पिता महर्षि जमदग्नि के आदेश ने माता रेणुका के प्रति कठिन स्थिति उत्पन्न की, और परशुराम ने बिना संशय या विलंब के पिता की आज्ञा का पालन किया। यह प्रसंग उनकी अटूट कर्तव्यनिष्ठा और आज्ञाकारिता को प्रकट करता है। आगे चलकर उन्हें दिव्य वरदान प्राप्त हुआ, जिससे जीवन में संतुलन पुनः स्थापित हुआ। अंततः उन्होंने संपूर्ण पृथ्वी का दान महर्षि कश्यप को देकर स्वयं को सांसारिक मोह और बंधनों से मुक्त कर लिया तथा महेंद्र पर्वत पर गहन तपस्या में लीन हो गए। यह यात्रा उनके जीवन के संघर्षमय चरण से आध्यात्मिक शांति और वैराग्य की ओर रूपांतरण का प्रतीक है। वर्तमान समय में परशुराम का चरित्र केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि गहरी नैतिक दिशा और जीवन-दृष्टि का प्रतीक है। वे यह संदेश देते हैं कि शक्ति का वास्तविक उद्देश्य विनाश नहीं, बल्कि धर्म और न्याय की स्थापना होना चाहिए। उनका कुल्हाड़ा मात्र एक अस्त्र नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध जाग्रत चेतना और साहस का प्रतीक है। आज के समाज में, जहाँ नैतिकता और शक्ति का संतुलन बार-बार डगमगाता दिखाई देता है, वहाँ परशुराम का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है कि क्रोध को भी धर्म की दिशा मिलनी चाहिए और ज्ञान को सदैव कर्म का आधार बनना चाहिए। धर्म, साहस और आत्मजागरण के संगम पर परशुराम जयंती केवल एक पर्व नहीं, बल्कि अंतःकरण को जाग्रत करने वाली चेतना है। यह दिन हमें यह दृढ़ प्रतिज्ञा लेने का अवसर देता है कि हम अन्याय के सम्मुख कभी मौन नहीं रहेंगे, सत्य के पथ से कभी विचलित नहीं होंगे और शक्ति को सदैव धर्म, रक्षा एवं न्याय की स्थापना का माध्यम बनाएंगे। उनका जीवन इस शाश्वत सत्य को उद्घाटित करता है कि वास्तविक मनुष्य वही है जो ज्ञान की गहराई और पराक्रम की प्रचंडता को एक साथ साध सके। जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारते हैं, तभी यह पर्व सार्थक बनता है और धर्म की वह दिव्य ज्योति पुनः प्रज्वलित होकर संपूर्ण समाज को आलोकित करती है। जय भगवान परशुराम।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

अक्षय तृतीया अखंडता का प्रतीक है

वैशाख शुक्ल तृतीया आखातीज के रूप में जाना जाता है

वैशाख शुक्ल तृतीया का पावन दिन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परम्परा में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। यह तिथि अक्षय तृतीया अथवा आखातीज के नाम से जानी जाती है। 'अक्षय' का अर्थ है जो कभी क्षीण न हो, जो सदा बना रहे। यही कारण है कि इस दिन किए गए पुण्य, दान, तप और शुभ कार्यों को अक्षय अर्थात् अविनाशी फल देने वाला माना गया है। यह तिथि केवल ज्योतिषीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। यह दिन अखण्डता, पवित्रता और निरन्तर प्रगति का प्रतीक है।

अक्षय तृतीया का एक विशेष महत्त्व यह भी है कि यह तिथि कभी खंडित नहीं होती। अन्य तिथियों की भाँति इसमें घट-बढ़ नहीं होता, इसलिए इसे स्थिरता और अखण्डता का प्रतीक माना गया है। जीवन में भी यही संदेश निहित है कि जो व्यक्ति अखण्डता और एकरूपता के साथ जीवन जीता है, वही सफलता और संतोष प्राप्त करता है। विभाजित और अस्थिर जीवन व्यक्ति को निरन्तर संघर्ष और असंतोष की ओर ले जाता है, जबकि एकाग्रता और एकता जीवन को श्रेष्ठ बनाती है।

इस पावन तिथि का गहरा सम्बन्ध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से है। भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को जीवन जीने की दिशा प्रदान की। उन्होंने असि, मसि और कृषि के माध्यम से मानव को सभ्यता और संस्कृति का मार्ग दिखाया। उनके द्वारा दी गई शिक्षाएँ आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। अक्षय तृतीया का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगवान ऋषभदेव ने अपनी दीर्घकालीन तपस्या का पारण किया था।

भगवान ऋषभदेव की तपस्या अत्यन्त कठोर और अनुकरणीय थी। उन्होंने दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात् अखण्ड मौन और कठोर तप का पालन किया। उस समय समाज को श्रमण जीवन की विधियों का ज्ञान नहीं था, इसलिए उन्हें लंबे समय तक शुद्ध आहार प्राप्त नहीं हो सका। लोग श्रद्धा से उन्हें अनेक प्रकार के उपहार और धन अर्पित करते थे, किन्तु भगवान केवल निर्दोष आहार ही ग्रहण करते थे। परिणामस्वरूप वे निरंतर तप में लीन रहे और एक वर्ष से अधिक समय तक निराहार रहे। यह स्थिति तब परिवर्तित हुई जब हस्तिनापुर के युवराज श्रेयांसकुमार ने जातिस्मरण ज्ञान के माध्यम से भगवान की आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने पूर्ण श्रद्धा और पवित्र भावना से भगवान को इक्षु रस का दान दिया, जिससे भगवान की तपस्या का पारण सम्पन्न हुआ। यह घटना न केवल भगवान की तपस्या का पूर्णत्व थी, बल्कि संसार में दान की परम्परा का भी प्रारम्भ थी। इस प्रकार अक्षय तृतीया का दिन तप और दान दोनों की महानता का प्रतीक बन गया।

तप का महत्त्व भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में अत्यधिक है। तप आत्मशुद्धि का साधन है, जो मनुष्य को उसके कर्मों के बन्धन से मुक्त करता है। तप के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की दुर्बलताओं को दूर करता है और आत्मबल को विकसित करता है। यह केवल शारीरिक कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक शुद्धि का मार्ग है। तप ही वह साधन है जो व्यक्ति को उच्चतम आध्यात्मिक अवस्था तक पहुँचाता है। अक्षय तृतीया के अवसर पर आज भी अनेक साधक वर्षीतप करते हैं। वर्षीतप एक कठिन साधना है, जिसमें एक दिन उपवास और दूसरे दिन पारण का क्रम चलता है। यह तपस्या आत्मसंयम, धैर्य और श्रद्धा का अद्भुत उदाहरण है। ऐसे तपस्वियों का सम्मान और अनुमोदन करना भी एक प्रकार का तप माना गया है। समाज में तप की परम्परा को जीवित रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह जीवन में अनुशासन और पवित्रता का संचार करती है। दान का भी इस तिथि से विशेष सम्बन्ध है। श्रेयांसकुमार द्वारा किए गए प्रथम दान ने यह सिद्ध किया कि दान केवल वस्तु का नहीं, भावना का होता है। शुद्ध भावना से किया गया दान ही श्रेष्ठ होता है। दान समाज में समानता और सहयोग की भावना को बढ़ाता है। यह केवल दूसरों की सहायता नहीं, बल्कि स्वयं के आत्मिक विकास का भी माध्यम है।

भारतीय संस्कृति में पर्व और त्यौहारों का विशेष महत्त्व है। यहाँ कहा जाता है कि भारत पर्वों का देश है, जहाँ हर दिन एक नया उत्सव लेकर आता है। ये पर्व जीवन में नवीनता और उत्साह का संचार करते हैं। कुछ पर्व केवल बाह्य उल्लास और मनोरंजन से जुड़े होते हैं, जबकि कुछ पर्व आत्मिक उन्नति और आध्यात्मिक जागरण का संदेश देते हैं। अक्षय तृतीया ऐसा ही एक पर्व है, जो त्याग, तप और दान की प्रेरणा देता है।

इस तिथि को बिना मुहूर्त देखे शुभ कार्य करने की परम्परा भी प्रचलित है। विवाह, गृह प्रवेश, व्यापार आदि कार्य इस दिन विशेष रूप से किए जाते हैं, क्योंकि यह दिन स्वयं में शुभ माना जाता है। यह विश्वास इस बात को दर्शाता है कि यह तिथि सकारात्मक ऊर्जा और शुभ फल प्रदान करने वाली है।

अक्षय तृतीया का एक अन्य पहलू यह भी है कि यह हमें पुरुषार्थ का संदेश देती है। भगवान ऋषभदेव ने अपने आचरण से यह सिखाया कि केवल भाग्य पर निर्भर रहना उचित नहीं है, बल्कि निरन्तर प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने स्वयं कठिन तपस्या करके यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि जीवन में सफलता और मुक्ति प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ अनिवार्य है। अंततः अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक प्रेरणा है। यह हमें सिखाती है कि जीवन में अखण्डता, तप, दान और पुरुषार्थ का समन्वय आवश्यक है। यह तिथि हमें यह स्मरण कराती है कि सच्ची प्रगति केवल बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धता और आत्मबल से होती है। भगवान ऋषभदेव की तपस्या और श्रेयांसकुमार के दान की यह पावन परम्परा हमें सदैव प्रेरित करती रहे, यही इस पर्व का सच्चा संदेश है।

कांतिलाल मांडोत

कई प्रश्नों को जन्म देता है महिला आरक्षण विधेयक का गिरना

भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी न केवल एक सामाजिक आवश्यकता है, बल्कि हमारे संवैधानिक आदर्शों की अनिवार्य शर्त भी है। सांख्यिकीय दृष्टि से देखें तो 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, जबकि एनएफएचएस-5 के नवीनतम आँकड़े लिंगानुपात में सुधार दर्शाते हुए प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाओं की उपस्थिति दर्ज करते हैं। स्पष्ट है कि देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। ऐसे में यह प्रश्न उठना अपरिहार्य है कि क्या नीति-निर्धारण के सर्वोच्च मंचों(संसद और विधानसभाओं)पर उनकी भागीदारी इस अनुपात के अनुरूप है? राजनीति और समाजशास्त्र के विशेषज्ञों का मत है कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के न्यून प्रतिनिधित्व के कारण उनके सरोकारों को वह स्वर नहीं मिल पाता, जिसकी वे हकदार हैं। विडंबना देखिए कि यदि इन सदनों में उनकी सहभागिता प्रभावी होती, तो क्या महिलाओं के उत्थान से संबंधित कोई विधेयक इस तरह गिर सकता था? हाल ही में, वर्ष 2029 के चुनावों से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से लाया गया 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' (131वाँ संविधान संशोधन विधेयक) संसद में दो-तिहाई बहुमत न मिल पाने के कारण पारित नहीं हो सका। केंद्र सरकार का यह महत्वाकांक्षी स्वप्न राजनीति की भेंट चढ़ गया। यह घटना भारतीय राजनीति की जटिलताओं और प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने को विवश करती है। यहाँ विचारणीय है कि क्या महिला प्रतिनिधित्व केवल एक चुनावी मुद्दा भर है? महिला आरक्षण का प्रश्न दशकों से लंबित है। यह मात्र एक विधायी प्रस्ताव नहीं, अपितु लैंगिक समानता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इसके बावजूद विधेयक का गिरना क्या यह संकेत नहीं देता कि महिला सशक्तिकरण को आज भी राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जा रहा है? जहाँ सत्तापक्ष ने प्रधानमंत्री की अपील और गृहमंत्री के स्पष्टीकरण के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने का प्रयास किया, वहीं विपक्ष का रुख कई गंभीर प्रश्न छोड़ गया जैसे ?क्या विपक्ष महिला सशक्तिकरण के प्रति वास्तव में गंभीर था?;?क्या 'परिसीमन' जैसे तकनीकी विषय महिला प्रतिनिधित्व से अधिक महत्वपूर्ण थे?;?क्या विपक्षी दलों के लिए 'विरोध के लिए विरोध' की राजनीति एक विवशता थी या सोची-समझी रणनीति?; क्या क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व में यह असुरक्षा है कि आरक्षण लागू होने से उनके परिवारवाद का वर्चस्व कम हो जाएगा? विपक्ष के कुछ गुटों का तर्क था कि इस आरक्षण के भीतर पिछड़ी, दलित और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान होना चाहिए। यह तर्क सैद्धांतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, किंतु क्या इस आधार पर पूरे विधेयक को ही अस्वीकार कर देना उचित था?, क्या सुधार की प्रक्रिया को सिरे से खारिज करना ही समाधान है? राजनीतिक दल चाहते तो विधेयक का समर्थन कर अपनी पार्टियों के भीतर आंतरिक स्तर पर पिछड़ी, दलित, आदिवासी जातियों को प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था कर सकते थे। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों ने इसे सामाजिक न्याय के बजाय केवल एक राजनीतिक दांवपेच के रूप में देखा। संसद की यह परिणति समस्त देशवासियों को सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हमारा राजनीतिक वर्ग उस संवैधानिक समानता के आदर्श को स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से तैयार है? मेरा ऐसा मानना है कि बिना महिलाओं को नीति-निर्धारण में उचित स्थान दिए, 'सशक्त भारत' का स्वप्न कभी साकार नहीं हो सकता।

डा. मनमोहन प्रकाश

क्या भाजपा के लिए व्हाट्सएप ही संदेश देने का सबसे बड़ा साधन है ?

भाजपा व्हाट्सएप की दुनिया में इतनी रच-बस गई है कि संसद के विशेष सत्र के लिए बैकग्राउंड ब्रीफ़ भी केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ़ से इसी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए सर्कुलेट किया गया। इसके लिये कई स्थापित नियमों को नज़रअंदाज़ किया गया। विशेष सत्र में जिन संशोधनों पर चर्चा और उन्हें पारित करने की योजना है, वे कानून मंत्रालय के दायरे में आते हैं। लेकिन विपक्ष को इसकी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दफ्तर से दी गई। इसके अलावा, ऐसे अहम फैसलों के लिए ब्रीफ़ पर या तो पहले से ही सर्वदलीय बैठक में चर्चा होनी चाहिए, या फिर संबंधित मंत्रालय के लेटरहेड पर सही फ़ॉर्मेट में सर्कुलेट किया जाना चाहिए। यह उन अहम फ़ैसलों के प्रति एक लापरवाह रवैया दिखाता है, जो भारत के चुनावी नक्शे को पूरी तरह बदल देंगे। व्हाट्सएप मैसेज 16 अप्रैल से कुछ ही दिन पहले आया था, जिस दिन सत्र शुरू होना था। बिल खुद सांसदों को सत्र शुरू होने से दो दिन पहले सर्कुलेट किए गए थे। इससे विपक्षी पार्टियों को बिलों का अध्ययन करने और प्रतिनिधि लोकतंत्र के भविष्य पर उनके असर को समझने के लिए बहुत ही कम समय मिल पाया। अगर व्हाट्सएप ही संसदीय संचार का भविष्य बनने वाला है, तो फिर एक विशाल सचिवालय को फंड देने का कोई मतलब नहीं रह जाता, जिसका काम संसद से जुड़े सभी मामलों पर बुलेटिन, संदेश और चिट्ठियों को संभालना होता है।

सांसदों की संख्या बढ़ने के साथ बढ़ेंगे बेतहाशा खर्च

परिसीमन पर चल रही बहस में, एक अहम मुद्दे को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है वह है एक बड़ी संसद से सरकारी खजाने पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ। इस बात पर ज़ोर देना ज़रूरी है कि न सिर्फ़ संसद की सदस्य संख्या 543 से बढ़कर लगभग 816 हो जाएगी, बल्कि पूरे देश की राज्य विधानसभाओं में भी सदस्यों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सरकारी खजाने पर लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल के लिए, लगभग 5,855 करोड़ रुपये आता है। यह तो सिर्फ़ लोकसभा के सांसदों की सैलरी का खर्च है। इसके अलावा, हर सांसद को सांसद निधि के तहत सालाना 5 करोड़ रुपये मिलते हैं; साथ ही मुफ्त आवास, यात्रा भत्ता, मुफ्त चिकित्सा सुविधा, समर्पित स्टाफ़ और जरूरत पड़ने पर सुरक्षा भी मिलती है। फिर, एक और छोटी सी बात है हर उस सांसद के लिए मासिक पेंशन, जो अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करता है। 816 सांसदों की सैलरी पर टैक्स देने वालों को पड़ने वाले खर्च का एक मोटा-मोटा अनुमान 40,000 से 50,000 करोड़ रुपये के बीच है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे ट्रैक पर मिला घर से नाराज़ छात्र का शव

रूद्रपुर, देवरिया। घर से नाराज होकर निकले किशोर का शव गौरी बाजार रेलवे स्टेशन के पूर्वी रेलवे क्रॉसिंग के समीप मिला। सूचना पाकर राजकीय रेलवे पुलिस देवरिया मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पी एम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना को लेकर आवश्यक कार्यवाई कर रही है। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर मछरिहंवां निवासी दीपक जिसकी उम्र लगभग 16 वर्ष थी। पुलिस को दी तहरीर में उसकी मां राजवती देवी पत्नी रामानंद ने बताया है कि दीपक पढ़ाई के सवाल पर डांटने से नाखुश होकर आठ अप्रैल को घर से कहीं चला गया था। नौ अप्रैल को परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शुक्रवार की देर रात फोन कर उसने कहा कि मैं गौरी बाजार आ गया हूं। जब तक घर के लोग गौरी बाजार पहुंचते पूर्वी रेलवे क्रॉसिंग से सौ मीटर पूरब ट्रेन से कट चुका था।मृतक दीपक कक्षा 9 वीं का छात्र था और अपने मां बाप का इकलौता चिराग था।

डंठल की आग ने लील ली बाइक सवार बाप की जिन्दगी

-तमाशबीन रहा मासूम बेटा

रूद्रपुर, देवरिया। रूद्रपुर -पिड़रा मार्ग पर काशीपुर गांव के पास बेहद हृदय विदारक हादसा हुआ। जिसका मूक गवाह एक मासूम बच्चा रहा। उसने अपनी आंखों के सामने बाइक सवार को जलकर मरते हुए देखा।उसके आंसू सूख गये। घटना की तह में जायें तो पता चलता है कि बाइक अपने बच्चे को लेकर रूद्रपुर - पिड़रा मार्ग पर कहीं जा रहा था। सड़क के बगल के खेत में किसी मनबढ़ किसान ने डंठल जलाने के लिए आग लगा दिया था। सड़क पर धूंआ के गुबार से रास्ता दिखायी नहीं दे रहा था। इसी बीच एक ट्रक से बाइक सवार की टक्कर हो गई। बाइक पर बैठा बच्चा छिटककर दूर जा गिरा। जबकि बाइक सवार बाइक सहित जलते हुए खेत में जा गिरा। जिससे बाइक भी जलकर राख हो गयी और बाइक सवार भी जलकर मर गया। मासूम बच्चा सारा नजारा अपनी आंखों से देखता रहा किंतु कुछ कर न सका। कोतवाली पुलिस की सूचना पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची तब तक सब कुछ राख हो चुका था। देखना यह कि पुलिस डंठल जलाने वाले किसानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करती है या नहीं। पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी है।

भूसा दान में समाजसेवियों के सहयोग की अपील

देवरिया। जनपद में 15 अप्रैल से निराश्रित गोआश्रयों हेतु भूसा संग्रहण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में निराश्रित गोआश्रय स्थलों में रह रहे गोवंश के भरण-पोषण के लिए समाजसेवी संजय पाठक ने शासन के अपील पर भक्ति वाटिका के राजनरायनाचार्य एवं उनके अनुयायी श्यामसुंदर खेतान के सहयोग से 42 कुंतल भूसा पिपरपाती के कान्हा गोशाला को दान किया। पाठक ने बताया कि गर्मी के मौसम में हरे चारे की कमी हो जाती है।

ऐसे में भूसा ही गोवंश का मुख्य आहार बनता है।जिले के सभी गोआश्रयों में सैकड़ों निराश्रित गायें रह रही हैं। सरकार के साथ-साथ समाज का सहयोग बहुत जरूरी है। जो लोग गौ सेवा करना चाहते हैं, वे अपने नजदीकी निराश्रित गोआश्रय में भूसा,चोकर या गुड़ दान कर सकते हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.श्रीनिवास ने भूसा दान करने वाले सभी समाजसेवियों का आभार जताया और कहा कि यह सहयोग आगे भी जारी रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉ सतीश,पीयूष श्रीवास्तव,राकेश कुमार भारती,राजनरायन चतुर्वेदी,लोकेश सिंह एवं कृष्णकांत तिवारी आदि उपस्थित रहे।

राप्ती ने छीन लिए तीन चिराग: जिंदा लौटने की आस में बीती रात, सुबह मिली लाशें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के बंजरहा गांव के पास बहने वाली राप्ती नदी ने तीन घरों के चिराग एक साथ बुझा दिए। शुक्रवार दोपहर नहाने गए तीन दोस्त–शुभम यादव (19), अभय उर्फ बंटी (18) और शिव साहनी (20)–गहरे पानी में समा गए। हादसे के बाद से ही नदी किनारे उम्मीद और बेबसी का लंबा इंतजार शुरू हो गया, जो शनिवार सुबह दर्दनाक अंत में बदल गया।

बताया जा रहा है कि तीनों युवक निर्माणाधीन पुल के पास नहाने गए थे। अचानक गहराई में चले जाने से वे डूबने लगे और देखते ही देखते लहरों में ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर जुट गए। हर आंख नदी की ओर टिकी थी, हर दिल में एक ही उम्मीद– 'शायद कोई चमत्कार हो जाए, बच्चे जिंदा मिल जाएं।'

मां-बाप की यह उम्मीद करीब 18 घंटे तक सांस लेती रही। लेकिन शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे एनडीआरएफ की टीम ने जब तीनों के शव नदी से बाहर निकाले, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। जैसे ही परिजनों ने अपने लालों को निर्जीव देखा, चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा।

शुभम यादव, जो 12वीं का छात्र था, अपने परिवार की उम्मीदों का केंद्र था। उसके पिता शिक्षामित्र हैं और बेटे के उज्ज्वल भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करते थे। अभय उर्फ बंटी अपने माता-पिता की इकलौती संतान था–उसकी मौत ने परिवार की पूरी दुनिया ही उजाड़ दी। वहीं शिव साहनी, जो घर का बड़ा बेटा था, अपने छोटे भाई-बहनों का सहारा माना जाता था।

हादसे के बाद गांव में सन्नाटा पसरा है। हर घर में मातम का माहौल है। परिजन बार-बार यही सवाल कर रहे हैं– 'आखिर किसकी नजर लग गई हमारे बच्चों को?'

राप्ती के किनारे अब सिर्फ पानी नहीं बह रहा, बल्कि तीन परिवारों के टूटे सपनों और अधूरी उम्मीदों का दर्द भी लहरों में समाया हुआ है।

फंदे से लटकी मिली 9 वीं की छात्रा,मचा कोहराम

रूद्रपुर, देवरिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिडहनी में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब 15 वर्षीय छात्रा सोनी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम पिडहनी निवासी मेवा लाल गौड की पुत्री सोनी शनिवार सुबह उठकर घर के काम में लगी हुई थी। उसने परिजनों के लिए चाय बनाई और नहाने की बात कहकर छत पर चली गई। काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों को चिंता हुई। जब वे छत पर पहुंचे तो सोनी साड़ी के फंदे से लटकी हुई मिली। यह देख परिवार में चीख-पुकार मच गई।

बताया जा रहा है कि मृतका एक निजी विद्यालय में कक्षा 9 की छात्रा थी। परिवार में इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। कोतवाली पुलिस ने कहा कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के कारण का पता चलेगा।

सोमनाथ दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का दल रवाना, डीएम ने दिखाई हरी झंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - अटूट आस्था के 1000 वर्ष' के तहत शनिवार को श्रद्धालुओं का एक दल निशुल्क दर्शन यात्रा पर रवाना हुआ। कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने बस को हरी झंडी दिखाकर यात्रियों को विदा किया।

पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में जनपद से कुल 9 श्रद्धालु शामिल हुए। इनमें उत्कर्ष पांडे (विशुनीपुर), राम उजागर (चंदनपुर), चंद्रभान (परसरामपुर थारू), तुलसीराम (भूसहर उचवा, पचपेड़वा), राम नोखाई (भगवानपुर कोडर), शिवपूजन (बिशनपुर विश्राम), कुलभूषण पांडे (इटियाथोक, गोंडा), अक्षत मिश्रा (नानपारा, बहराइच) एवं प्रियंका अग्रवाल (मटेरा बाजार, बहराइच) शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह यात्रा श्रद्धालुओं को धार्मिक

आस्था से जोड़ने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को भी मजबूत करती है। उन्होंने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की।

गौरतलब है कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से देश की सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक चेतना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

सरेराह वारदात: युवक को रोककर पहले पीटा, फिर चाकू से किया हमला और लूटी सोने की अंगूठी—खोड़ारे पुलिस जांच में जुटी

●घटना के बाद पीड़ित ने खोड़ारे थाने में दी तहरीर जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा किया दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर। तहसील क्षेत्र के खोड़ारे थाना अंतर्गत एक व्यक्ति पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खोड़ारे थानाक्षेत्र के नरहरपुर निवासी राजेश चतुर्वेदी पुत्र दयाशंकर ने पुलिस को दी

गई शिकायत में आरोप लगाया है कि शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे वह गिन्नी नगर बाजार से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान हबीरपुर के पास दौलतपुर ग्रांट निवासी अहमद पुत्र कमालुद्दीन ने उन्हें जबरन रोक लिया।पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने पहले गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर मारपीट करने लगा। उसने मुक्का, थप्पड़ और लात-घूंसों से हमला किया। मामला यहीं नहीं रुका, बल्कि आरोपी ने चाकू निकालकर वार कर दिया, जिससे राजेश चतुर्वेदी के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।शोर-शराबा सुनकर जब तक आसपास के लोग मौके पर पहुंचते, आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि हमले के दौरान आरोपी उनकी सोने की अंगूठी भी छीन ले गया।घटना के बाद पीड़ित ने खोड़ारे थाने में तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।इस संबंध में थाना अध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की गंभीरता से जांच करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ले बेनकाब हुआ विपक्षी

देवरिया। देश की आधी आबादी हमारी माताओं, बहनों और बेटियों के अधिकारों पर राजनीति करने वालों का असली चेहरा अब पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के जरिए महिलाओं को 33% आरक्षण देने का ऐतिहासिक कदम उठाया गया, लेकिन विपक्ष की नीयत शुरू से ही सवालों के घेरे में रही। यह कहना है भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रजनी पाण्डेय का। विपक्षियों पर आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि जब-जब महिलाओं को उनका हक देने की बात आई, विपक्ष ने बहाने बनाए। परिसीमन और अन्य प्रक्रियाओं को मुद्दा बनाकर देरी की राजनीति की गई। महिलाओं के सशक्तिकरण को समर्थन देने के बजाय उसे रोकने की कोशिश हुई। यह सिर्फ एक बिल का विरोध नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के सम्मान का अपमान है। लोकतंत्र के इतिहास में ऐसा कम ही देखने को मिला है कि महिलाओं के अधिकारों पर इस तरह से राजनीति की जाए। आज देश की हर महिला यह सवाल पूछ रही है, क्या उनका अधिकार सिर्फ चुनावी मुद्दा है? क्या उनका सम्मान सिर्फ भाषणों तक सीमित रहेगा?

भव्य प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश यात्रा से गूंजा पडरौना

●- 20 अप्रैल को होगा विशाल भंडारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। श्री श्री धूप काली माई मंदिर समिति द्वारा भगवान शिव जी एवं पंचमुखी हनुमान जी की मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा समारोह बड़े ही भव्य और धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर आकर्षक कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मनीष बुलबुल जायसवाल ने किया। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला, जहां श्रद्धालु भगवान शिव और पंचमुखी हनुमान जी के जयकारों के साथ अपनी आस्था प्रकट करते नजर आए। इस दौरान नगर के कई गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए और धार्मिक उत्साह के साथ यात्रा को सफल बनाया। समिति की ओर से जानकारी दी गई कि आगामी 20 अप्रैल को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा,

जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता को मजबूत करना है। इस अवसर पर श्री मनीष बुलबुल जायसवाल ने कहा कि यह आयोजन समाज को एकजुट करने और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने सभी भक्तों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह, रमाशंकर शाह, संतोष मिश्रा, अजय शाह, आशुतोष दीक्षित, उग्रर साह, दीपक त्रिपाठी, शेषनाथ साह, आदित्य गुप्ता, आलोक गुप्ता, साजन शाह, कृष्णानंद मिश्रा, रेखा देवी, कलावती देवी, मंजू देवी, आराधना त्रिपाठी, रेनू दीक्षित, आशा देवी, कविता सिंह, पिंकी चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

फोन पर आग लगाने की दी धमकी जला दिया मकान करीब 6 लाख का सामान खाक

सहजनवा गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम मुजौली में मनबढ़ो ने पीड़िता और उसके पति को फोन पर आग लगाने की धमकी देते हुए मकान को जला दिया। जिससे घर में रखा करीब छः लाख का सामान जल कर खाक हो गया। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के मुजौली निवासी कंचन यादव पत्नी कृष्णा यादव ने संपूर्ण समाधान दिवस और थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि 13 अप्रैल को मायके में आयोजित रामायण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए परिजन के साथ गई थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद परिजन के साथ अयोध्या दर्शन करने चली गई। तभी गांव के दो मनबढ़ फोनकर आग लगाने की धमकी दिए। कुछ देर बाद फोन आया कि घर में आग लगी है। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस को फोनकर घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस और ग्रामीणों ने आग को बुझाया। घर में आग लगने से करीब छः लाख रुपए का सामान जल कर खाक हो गया। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कारवाई की मांग किया है। इस संदर्भ में थानेदार महेश कुमार चौबे ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जे को हटाने के लिए ग्रामीणों का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा तहसील क्षेत्र के अमटौरा में सरकारी भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा कर लेने से सार्वजनिक रास्ता निर्माण में हो रहे दिक्कत को लेकर करीब ढाई दर्जन की संख्या में ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया संपूर्ण समाधान दिवस पर उपजिलाधिकारी सहजनवा केशरी नंदन तिवारी को शिकायती पत्र देकर अवैध कब्जा हटाने की मांग किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रधान श्रीराम शर्मा उर्फ मोनू शर्मा ने कहा की गांव में आराजी संख्या 494, 493, 485, 487 सरकारी भूमि है इन सभी आराजी नंबर पर गांव के एक मनबढ़ द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया। ग्रामीणों को आने जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। सरकारी भूमि में रास्ता निर्माण कराना आवश्यक है। अवैध कब्जा होने से रास्ता निर्माण में दिक्कत आ रही है। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत भी किया गया। लेकिन अवैध कब्जा अभी

तक नहीं हट सका है। वहीं मनबढ़ द्वारा गाली गलौज और मारपीट की भी धमकी दी जा रही है। ग्रामीणों की मांग है कि यदि समय से अवैध कब्जा नहीं हटाया गया तो ग्रामीण आंदोलन को बाध्य होगे। प्रदर्शन करने वालो में संजय शर्मा,सुभाष शर्मा, लाहौर, भगवानदास, हरिलाल,अंकित गुप्ता, राज गुप्ता, सुधीर गुप्ता, रंजना शर्मा, गुजराती, गंगोत्री देवी, संतरा, शांति देवी, शुभावती, राजेश्वरी देवी, विनोद शर्मा, इसरावती, क्लवासी देवी, लाल देवी प्रेमा देवी, फूलमती, सोनू कुमार सूरज सिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

संपूर्ण समाधान दिवस तहसील खजनी में 58 शिकायती पत्र आते मौके पर 6का निस्तारण

खजनी गोरखपुर। आज शनिवार को तहसील समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी खजनी राजेश प्रताप सिं ह की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें 58 फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया जिसमें 6 मामले का निस्तारण मौके पर किया गया तथा शेष 52 मामले का निस्तारण के लिए संबंधित विभाग को आदेश किया गया कि समय सीमा के अंदर मौके पर टीम बनाकर पुलिस के साथ निस्तारण करावें। तहसील समाधान दिवस तथा थाना समाधान दिवस एक औपचारिकता बनकर रह गया है इस आग बरसती लू में फरियादी दूर दराज से अपनी समस्याओं के निस्तारण के आश में आते हैं और उनकी प्रार्थना पत्र पर औपचारिक आदेश कर कर ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है उन फरियादियों का किराया भाड़ा और समय भी बर्बाद होता है और इस आग बरसती लू में वापस चलें जाते हैं।

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में इनामी राशि विवाद: संचालक ने पुलिस पर मारपीट व उगाही का लगाया गंभीर आरोप, वीडियो वायरल

●उनवल चौकी में शिकायत के बाद कार्रवाई, पीड़ित का आरोप- 25 हजार की मांग पूरी न करने पर बर्बर पिटाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- जनपद के खजनी क्षेत्र के उनवल कस्बे सिद्धि विनायक मैरेज हाल में आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता अब विवादों में घिर गई है। प्रतियोगिता के संचालक अभिषेक राजभर, निवासी उनवल, पर प्रतिभागियों ने इनामी राशि न देने का आरोप लगाते हुए चौकी उनवल में दर्जनों प्रतिभागियों ने तहरीर दी थी। बताया जा रहा है कि दर्जनों प्रतिभागियो ने शिकायत कर आरोप लगाया कि कार्यक्रम में घोषित इनाम की राशि का वितरण नहीं किया गया, जिससे नाराज होकर उन्होंने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। इसी मामले में

16 अप्रैल को उनवल चौकी पुलिस अभिषेक राजभर को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। हालांकि, इसके बाद मामला नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। संचालक अभिषेक राजभर ने गंभीर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया है, जिसमें उन्होंने पुलिस पर 25 हजार रुपये की मांग करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब वह रकम देने में असमर्थ रहे तो पुलिस ने उन्हें बुरी तरह प्रताड़ित किया।

वायरल वीडियो में अभिषेक राजभर ने दावा किया कि उन्हें बेल्ट, लाठी-डंडों से पीटा गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि वह दोषी थे, तो उनके साथ इतनी बर्बरता क्यों की गई। वीडियो में वह न्याय की मांग करते हुए भावुक नजर आ रहे हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला, तो वह कोई कठोर कदम उठाने को मजबूर हो सकते हैं, जिसकी जिम्मेदारी खजनी पुलिस की होगी। इस बयान के बाद मामला और गंभीर हो गया है और क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं, इस पूरे मामले में चौकी इंचार्ज अवनीश सिंह ने बताया 12 को कुछ लड़को की शिकायत पर बलाय गया नही आये ,16 को फिर बुलाए फिर छोड़ दिए ,और मारने का आरोप गलत है , वहिं क्षेत्राधिकारी ख़जनी दीपांशी राठौर द्वारा बताया मामले की जांच की जा रही है दोषी पर कार्रवाई की जाएगी है हलाकि स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। पुकिस के कार्य प्रणाली पर गम्भीर आरोप आ रहे है ।

सरकारी फाइलों में गुम हुआ विधवा का हक, सरकारी योजनाओं की मांग

●सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर लगाई न्याय की गुहार, अधिकारियों ने दिए जांच के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को उस वक्त सन्नाटा खिंच गया जब एक 65 वर्षीय असहाय विधवा महिला सिंगारी देवी की मर्मस्पर्शी दास्तां अधिकारियों के सामने आई। अपनों के अभाव और सिस्टम की अनदेखी के बीच घुट-घुट कर जी रही बुजुर्ग महिला की दयनीय स्थिति देख हर कोई दंग रह गया। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को बताया गया कि सिंगारी देवी पूरी तरह अकेली है। ऐसे में न उनकी कोई संतान है और न ही सिर छिपाने के लिए कोई स्थाई ठिकाना। वर्तमान में वह न केवल बेघर हैं बल्कि उनके पास आय का भी कोई साधन उपलब्ध नहीं है। चिंता का विषय यह है कि बुढ़ापे की लाठी कही जाने वाली वृद्धा पेंशन भी तकनीकी कारणों से बंद पड़ी है, जिससे उनके सामने जीवन-मरण का संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि मानवीय आधार पर महिला को तत्काल अंत्योदय राशन कार्ड मुहैया कराया जाए तथा उनकी रुकी हुई पेंशन बहाल की जाए और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें एक छत भी प्रदान की जाए। शारीरिक रूप से बेहद कमजोर और चलने-फिरने में लाचार सिंगारी देवी के लिए उचित चिकित्सा सुविधा की भी अपील की गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मौजूद अधिकारियों ने संबंधित विभाग को जांच कर तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया है और भरोसा दिलाया है कि उन्हें जल्द ही सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

सरकारी बस सेवा की बदहाली को लेकर सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

रतनपुर/महराजगंज। सीमावर्ती कस्बे से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली सरकारी परिवहन सेवा खुद वेंटिलेटर पर है। नौतनवा से महराजगंज मुख्यालय के बीच लगभग 65 किलोमीटर का सफर यात्रियों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। शनिवार को तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर परिवहन निगम की इस बदहाली पर कड़ा रोष जताते हुए इसकी सुधार की मांग की है।

कार्यकर्ताओं ने सीडीओ को बताया कि परिवहन विभाग की उदासीनता के कारण इस रूट पर बसों का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं है। स्टॉपेज तय न होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को बसों को हाथ देकर रुकवाना पड़ता है, और कई बार चालक बस नहीं रोकते। इसका सीधा असर उन मरीजों को पड़ रहा है जो जिला मुख्यालय इलाज हेतु बसों से आते-जाते हैं। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राएं भी घंटों इंतजार के बाद बस न मिलने से कॉलेज नहीं पहुंच पा रहे हैं। साथ ही दैनिक व्यापारियों का भी कारोबार बस के वजह से भी प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि नौतनवा-महराजगंज मार्ग पर बसों के फेरे बढ़ाए जाएं तथा प्रमुख चौराहों पर आधिकारिक स्टॉपेज के बोर्ड लगाए जाएं। साथ ही अतिरिक्त बसों का संचालन भी सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एमडी मोईन, धर्मेंद्र चौधरी, अशोक चौधरी, विनोद कुमार, कन्हैया, श्यामसुंदर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पारिवारिक विवाद की भेंट चढ़ी पीआरवी वाहन, अराजक तत्वों ने किया पथराव

●डायल 112 पुलिस दो भाइयों के विवाद को सुलझाने गई, परिजनों ने पुलिस की गाड़ी पर ही कर दिया पथराव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैकुंठपुर उर्फ बोदवार में शुक्रवार की शाम पारिवारिक कलह ने उस समय एक बेहद गंभीर और हिंसक रूप ले लिया, जब दो सगे भाइयों के बीच चल रहे आपसी झगड़े को शांत कराने पहुंची पुलिस टीम पर ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। गांव निवासी कमलेश और वीरेंद्र दोनों भाइयों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ था। माहौल को बिगड़ता देख सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम त्वरित मौके पर पहुंची ताकि दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत किया जा सके। हालांकि स्थिति तब और

विकट हो गई जब पुलिस के हस्तक्षेप को परिजनों ने अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता में दखल माना और शांति दूत बनकर आई पुलिस के खिलाफ ही लामबंद हो गए। परिजनों का आक्रोश इस कदर बढ़ा कि उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ न केवल तीखी नोकझोंक व अभद्रता की बल्कि कानून को पूरी तरह से ठेंगे पर रख दिया। जब पुलिस टीम ने माहौल की संवेदनशीलता को समझते हुए वहां से जमुहानी की ओर निकलना उचित समझा तो उत्तेजित परिजनों ने पुलिस के सरकारी वाहन को चारो तरफ से घेर लिया और अचानक ईट-पत्थरों से हमला बोल दिया। इस ताबड़तोड़ पथराव में पुलिस वाहन के शीशे पूरी तरह चकनाचूर हो गए और मौके पर भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिसकर्मियों को सुरक्षित स्थान की ओर रुख कर अपनी जान बचानी पड़ी। घटना के बाद गांव में दहशत और तनाव का सन्नाटा पसरा रहा और हर तरफ इस बात की चर्चा है कि किस तरह मामूली पारिवारिक विवाद ने एक हिंसक झड़प का रूप ले लिया। घटना के बाद परिजन घर से फरार हो गए। मामले में पुलिस ने दोनों भाइयों के विरुद्ध शांतिभंग की कार्यवाही करते हुए दोनों को पाबंद कर दिया है। वहीं पुलिस अन्य परिजनों के खोजबीन में जुटी हुई है।वहीं पुलिस विडियो व फोटेज के माध्यम से अन्य जानकारी जुटाने में जुटी हुई है।

इस संबंध में वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध शांतिभंग की कार्यवाही करते हुए पाबंद किया गया है तथा अन्य सदस्यों की भी खोजबीन की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने वाले आरोपियों के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

संचारी रोगों से बचाने को दस्तक अभियान चलाया

बरेली/रिठौरा। सीएचसी बिथरी चैनपुर अंतर्गत आने वाला ग्रामपंचायत गहगटा में संचारी और दस्तक अभियान का निरीक्षण जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ प्रशांत रंजन ने किया। गांव में एंटीलार्वा छिड़काव, झाड़ियों की कटाई नालियों की साफ सफाई का स्थलीय निरीक्षण किया। वहां मौजूद सचिव देवेंद्र सिंह को आदेशित किया कि ग्राम में किसी भी प्रकार की गंदगी जल भराव न हो और वहां उपस्थित आशाओं को निर्देश दिए, दस्तक अभियान में घर -घर जाकर सभी साफ सफाई पीने के पानी को ढक कर रखना और मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग की जानकारी सभी ग्राम बासियों को दी, इस दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ उत्तरा शर्मा, बीसीएम संगीता, सहायक शोध अधिकारी धीरेंद्र, शिवम सिंह, राजेन्द्र कोली आशा, अनीता,आशा कृष्णा देवी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का अभिमुखीकरण कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग व बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है

महिला चिकित्सालय लखीमपुर में मनाया गया नवजात जन्मी कन्याओं का जन्मोत्सव

लखीमपुर खीरी, आज दिनांक 18 अप्रैल 2026 को जिला प्रोबेशन अधिकारी लवकुश कुमार भार्गव के दिशा निर्देश के क्रम में ब्लॉक सभागार लखीमपुर खीरी में नारी शक्ति बंधन अधिनियम के अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन महिला कल्याण विभाग एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजन किया गया है ! कार्यक्रम में सरकार के द्वारा चलाई जा रही महिला कल्याण विभाग के लाभकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, निराश्रित महिला पेंशन ,रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष जानकारी प्रदान की गई , एवं वन स्टॉप सेंटर चाइल्ड हेल्पलाइन विशेष दत्त ग्रहण अभिकरण एवं हब फार वूमेन इम्पावरमेंट टीम के कार्य प्रणालियों पर चर्चा किया गया ! कार्यक्रम में बाल विकास पुष्टाहार विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारीगण भी उपस्थित रहे, उक्त कार्यक्रम के अतिरिक्त महिला चिकित्सालय जनपद लखीमपुर खीरी में आज जन्मी बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग के तरफ से कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम बालिकाओं को बधाई पत्र एवं बेबी किट प्रदान किए गये है !

ग्राम प्रधान पलहनापुर औरपंचायत सचिव के अजब गजब खेल

बन टांगिया में स्थित लाइट लगवाए बगैर ही 30 लाइटों की धनराशि हड़पने के प्रधान और सचिव पर आरोप

लखीमपुर खीरी मामला विकासखंड विजुआ की ग्राम पंचायत पलहनापुर का है जहां पर ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से ग्राम सभा के विकास को आई सरकारी धनराशि का बंदर बांट कर लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने आपस में साठ गांठ करके ग्राम पंचायत पलहनापुर के मजरा वन टांगिया में कागजों पर स्ट्रीट लाइट लगवा कर लाखों का बजट निकाल कर बंदर बांट कर लिए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इतना ही नहीं ग्राम पलहनापुर में एक रास्ता को भी पटवाए बगैर ही कागजी घोड़ा दौड़कर भुगतान निकाल लिए जाने का मामला भी जांच का विषय बना है ।लोगों का आरोप है कि हैंडपंप मरम्मत एवं रिबोर व स्ट्रीट लाइट खरीद में भी भारी गोलमाल किया गया है ।लोगों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि मामले की कराई गई उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच तो लाखों रुपए के सरकारी धन गबन के मामले का खुलासा होना तय है। फिलहाल मामला जांच का विषय है जांच के बाद ही होगा दूध का दूध और पानी का पानी।

फाइलों में कैद कई बेदखली आदेश फिर भी अवैध कब्जे बरकरार

● तहसील गोला के जिम्मेदार अधिकारी गणों के अजब गजब खेल, तहसील प्रशासन पास, और शासन फेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला तहसील गोला जिला खीरी का है जहां पर तहसील प्रशासन के आगे उत्तर प्रदेश शासन के आदेश कोई मायने नहीं रखते हैं शायद। इसके कई जीते जागते उदाहरण जो तहसील गोला के चर्चित तहसीलदार और उनके खासमखास राजस्व निरीक्षक परगना भूड व लेखपाल शैलेंद्र वर्मा लेखपाल ,मुंडा बुजुर्ग लेखपाल शैलेन्द्र तथा पलहनापुर लेखपाल मोहन कश्यप जी के कारनामों की पोल खोलने को काफी है ।बताते चलें कि चार-पांच लोगों के विरुद्ध बेदखली आदेश पारित हुए लगभग 1 साल होने को है आज तक उक्त बेदखली आदेश न्यायालय की फाइलों में दम तोड़ते नजर आ रहे हैं ।किसी भी आदेश का प्रभावी अनुपालन नहीं कराया गया और सरकारी जमीनों पर दर्जनों लोगों के मकान बने देखे जा रहे हैं,और सैकड़ो बीघा सरकारी जमीन पर लोगों की फैसले खड़ी दिखाई पड़ रही है। इतना ही नहीं मरघट की जमीन को अप्रत्यक्ष रूप से बेच डाला गया वहीं यदि हम मूडा लेखपाल साहब के क्रियाकलापों पर एक नजर डालें तो उनके यहां मरघट खलिहान और खेल मैदान के साथ-साथ 78 एकड़ जमीन पर विजुआ निवासी मोहित दीक्षित व अन्य को ठेके पर जुतवाये जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। लेखपाल साहब कमाई का हिस्सा भले लेते हो पर उनको इन अवैध कब्जों की जानकारी नहीं है यह मैं नहीं कह रहा हूं लेखपाल शैलेंद्र का स्वयं का कथन है।

अब मामला ग्राम जटपुरा और ग्राम पंचायत हरदुआ का आता है जहां पर तालाब की गाटा संख्या 196 पर काबिज अवैध कब्जेदार श्री राम के विरुद्ध बेदखली आदेश दिनांक 8. 3 .2006 व वाज दायरा निरस्तीकरण आदेश होने के महीना बाद भी अवैध कब्जा बरकरार है। ग्राम पंचायत में खेल मैदान की आरक्षित सार्वजनिक भूमि पर आधा दर्जन मकान बने हैं। उन पर धारा 67 की कार्रवाई को 6 माह गुजर गए आज तक कोई अमल नहीं किया गया ना ही कोई आदेश ही पारित किया जा सका। कायदे से तो सभी लोगों के विरुद्ध धारा 67 की कार्रवाई करते हुए सभी के खिलाफ बेदखली आदेश पारित किया जाना चाहिए लेकिन कानूनगो और लेखपाल विपक्षी लोगों से मिले हुए हैं और धनबल की दम पर कुछ लोगों को अवैध कब्जा करवा रखा है और कुछ पर कार्रवाई की तलवार भांजी जा रहीं हैं।ऐसा ग्रामीणों का आरोप है।जबकि जटपुरा में आज भी प्रायमरी पाठ शाला की आरक्षित भूमि पर कई मकान बने हैं हठ्ठु पर कोई कार्रवाई लेखपाल द्वारा न किया जाना लेखपाल की कार्य प्रणाली पर प्रश्न खड़े हो गए हैं इतना ही नहीं ग्राम हर दुआ में खलिहान की आरक्षित भूमि पर तथा आबादी की जमीन गाटा संख्या 151,तथा 152 पर आज भी लालजी उर्फ़ गुड्डू की फसले खड़ी देखी जा रही हैं लकिन लेखपाल साहब को यह अवैध कब्जा क्यों दिखाई नहीं पड रहा है।लोगों का आरोप है कि इन पर धारा 67 लागू नहीं होती जो कार्रवाई नहीं की जा रही है।यदि जिले की जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ले मामले का संज्ञान और कराए निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच तो भ्रष्टाचार का खुलासा होना तय है साथ ही सैकड़ो बीघा जमीन हो सकती है अवैध कब्जा मुक्त। अब देखना यह है कि क्या कार्रवाई होती है या फिर यूं ही बेदखली आदेश काग़ज़ों में कैद रहेंगे और सरकारी जमीनों पर यू ही अवैध कब्जा बरकरार रहेंगे।

परिषदीय विद्यालयों में समय परिवर्तन की मांग

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली की जिला इकाई ने जिलाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार के नेतृत्व में जिलाधिकारी को संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा को सौंपा।संगठन ने मांग की मांग परिषदीय विद्यालयों का समय सोमवार से आठ बजे से दो बजे के स्थान पर सुबह 7:30 से 12:30 बजे तक किया जाना चाहिए। पदाधिकारियों ने बताया पड़ोसी जनपद शाहजहांपुर में समय परिवर्तन कर दिया गया है। मांडलिक मंत्री रुचि सैनी ने सिटी मजिस्ट्रेट साहब को बच्चों को हीट वेव और भीषण गर्मी से बचाव के लिए छात्रहित में समय परिवर्तन को लेकर ज्ञापन, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा उन्होंने तुरंत ज्ञापन लेकर जिलाधिकारी को भेज के पास भेज दिया है। तथा शीघ्र ही समय बदलने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालों में जिला मंत्री गिरजेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अरविंद गंगवार, गौरव गुप्ता, ब्लॉक मंत्री अजय कुमार, संयुक्त मंत्री राहुल सिंह, अंकित गुप्ता, नफीस अमद खान सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 38 शिकायतें, पांच का मौके पर निस्तारण; 12 अनुपस्थित कर्मियों की रिपोर्ट डीएम को

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर, संवाददाता। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं की सुनवाई के दौरान कुल 38 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी जीत सिंह राय ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भांवरे भी मौजूद रहीं। समाधान दिवस में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने अपनी समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व उपजिलाधिकारी सदानंद सरोज द्वारा बिना पर्याप्त साक्ष्य एवं जांच के कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र मौर्य की ओर से अधिवक्ता राजवीर सिंह यादव के खिलाफ डिजिटल डिवाइस चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया, जिससे अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है और उन्होंने राजस्व न्यायालय का बहिष्कार कर रखा है। इस पर अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद अधिवक्ताओं ने बहिष्कार स्थगित करने पर सहमति जताई। इस दौरान महामंत्री राहुल देव सागर, जय ओम गंगवार सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

वहीं, रुद्रपुर कन्या गुरुकुल की प्रधानाचार्य अंजलि ने गुरुकुल की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत करते हुए उसे मुक्त कराने की मांग की। मोहल्ला केलरगंज निवासी विनीत गुप्ता ने कुछ लोगों पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा। समाधान दिवस में भूमि विवाद, बिजली, राशन कार्ड, विधवा पेंशन एवं साफ-सफाई से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। एसडीएम जीत सिंह राय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मौके पर पहुंचकर शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान 12 अधिकारी व कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिनकी रिपोर्ट कार्रवाई हेतु जिलाधिकारी को भेजी जा रही है। इस मौके पर नायब तहसीलदार मनु माथुर, क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव, आपूर्ति निरीक्षक आलोक मनीष सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ज्ञान विज्ञान कोचिंग संस्थान पर धूमधाम से मनाया गया छात्र का जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली- बरेली मंडल के राजीव नगर, नवादा शेखान, गुलाब बाड़ी रोड पर भूमसेन मंदिर के सामने संचालित ज्ञान विज्ञान कोचिंग संस्थान पर छात्र वाशु मौर्य का हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्मदिन। जन्मदिन के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर छात्र के माता-पिता को बुलाया गया। उन्होंने कोचिंग संस्थान पर पहुंचकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। और संस्थान के सभी छात्रों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर संस्थान के संचालक भी उपस्थित रहे। संस्थान के संचालक ने सभी छात्रों को आशीर्वाद के साथ-साथ सफलता के टिप्स प्रदान किए। संस्थान के सभी सहपाठियों ने वासु मौर्य को श्रद्धानुसार उपहार भेंट किए। संस्थान के संचालक ने छात्र के जन्मदिवस पर कई शुभचिंतकों को उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम देर रात तक चला।

कार्यक्रम में सभी के लिए खान-पान की व्यवस्था भी की गई। सभी शुभचिंतकों ने संस्थान की शैक्षणिक कार्य शैली को लेकर काफी सराहना की। आपको बताते चलें ज्ञान विज्ञान कोचिंग संस्थान लगातार छात्र हित में कार्य कर रहा है। जिसके कारण यह नगर में काफी सराहनीय हो रहा है। संस्थान के संचालक ने बताया कि वह प्रत्येक रविवार को टेस्ट पेपर भी कराते हैं और साथ ही साथ छात्रों को योगा क्लास भी देते हैं।

मोतीपुर बवाल एफआईआर में फर्जी नामों का आरोप, ट्रक ड्राइवर ने खोली पोल

लखीमपुर खीरी मोतीपुर बवाल मामले में दर्ज एफआईआर पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि पुलिस द्वारा दर्ज रिपोर्ट में फर्जी नाम शामिल किए गए हैं, जिससे बेकसूर लोगों के फंसने की आशंका जताई जा रही है। मामले में उस वक्त नया मोड़ आया जब एक ट्रक ड्राइवर ने सामने आकर दावा किया कि घटना के समय वह राजस्थान में ट्रक चला रहा था, जबकि उसका नाम एफआईआर में शामिल कर दिया गया। इसके बाद पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं।बताया जा रहा है कि संबंधित ट्रक चालक की लोकेशन और गतिविधियों से जुड़े कुछ साक्ष्य भी सामने आए हैं, जिससे एफआईआर की विश्वसनीयता पर संदेह गहरा गया है।इस पूरे मामले को लेकर मैलानी पुलिस घिरती नजर आ रही है। वहीं अब मांग उठ रही है कि एफआईआर की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों की पहचान की जाए, ताकि निर्दोष लोगों को न्याय मिल सके।

डूडा महाघोटाला: पूर्व डी. सी. विनय श्रीवास्तव के 'सिंडिकेट' का जिले भर में तांडव के आरोप

● सी एल. टी.सी. की शह पर नगर निकायों में 'वसूली' की सेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
नित्यानंद बाजपेई

लखीमपुर- खीरी (ब्यूरो): उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जहाँ भ्रष्टाचार पर 'बुल्डोजर' चलाने का दम भरती है, वहीं लखीमपुर-खीरी का डूडा विभाग भ्रष्टाचार के 'भीष्म पितामहों' का सुरक्षित चारागाह बन गया है। ताजा खुलासे बताते हैं कि विभाग के पूर्व डी. सी. विनय श्रीवास्तव (अरिनेम) और रंजीत वर्मा द्वारा तैयार किए गए भ्रष्टाचार के मॉडल को अब सी एल. टी.सी. मधुकर तिवारी और उनकी 'प्राइवेट आर्मी' पूरे जिले में डंके की चोट पर चला रही है।

जिले की सभी नगर निकायों की (यु.एल. बी.) में फैला 'दलाल तंत्र'- सूत्र

सूत्रों का दावा है कि यह भ्रष्टाचार केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले की सभी नगर निकायों (नगर पालिका और नगर पंचायतों) में इस सिंडिकेट ने अपने एजेंट फैला रखे हैं। मोबाइल फोन और व्हाट्सएप के जरिए 'नो लैंड स्पेस' (बिना जमीन) वाले अपात्रों की फाइलें तैयार की जाती हैं और पात्र गरीबों को 'जियो-टैगिंग' में फेल करने की धमकी देकर भारी भरकम राशि की खुली वसूली किए जाने की चर्चा सुनी जा रही है। सूत्र बताते हैं कि ?इंद्रेश, अनुराग और कौशलेन्द्र: सिंडिकेट के नए 'पावर सेंटर'बताये जाते हैं

पूर्व अधिकारियों के संरक्षण में पले-बढ़े इंद्रेश वर्मा, अनुराग वर्मा और कौशलेन्द्र मौर्य अब विभाग के अघोषित मालिक बन बैठे हैं। मधुकर तिवारी के साथ मिलकर इन लोगों ने एक ऐसा अभेद्य किला बना लिया है जहाँ बिना 'कमीशन' दिए सरकारी योजना की फाइल हिलना भी मुमकिन नहीं है। महेश श्रीवास्तव और मनोज शुक्ला जैसे बाहरी गुर्गे विभाग के आधिकारिक डेटा और फाइलों को अपने निजी अड्डों से संचालित कर रहे हैं, जो सीधे तौर पर सरकारी गोपनीयता का उल्लंघन है। ऐसा कई इसी गोरख धंधे में लगे लोगों का आरोप है

पी.ओ.की चुप्पी:- 'मौन' या 'मदद'

वर्तमान परियोजना अधिकारी की खामोशी अब सवालों के घेरे में है। जब विभाग से हटाए गए पुराने सर्वेयर और बाहरी दलाल खुलेआम फाइलों के साथ खेल रहे हैं, तो प्रशासन ने अब तक एफ. आई. आर. दर्ज क्यों नहीं कराई? क्या मधुकर तिवारी जैसे कर्मचारियों को ऊपर से अभयदान प्राप्त

है? 'स्वतंत्र प्रभात' पूछता है कि आखिर कब तक लखीमपुर के गरीबों के हक पर यह सिंडिकेट डालता रहेगा डाका?

जनता की मांग: अब केवल जांच नहीं, 'एक्शन' चाहिए!

» जिले की प्रबुद्ध जनता और जागरूक नागरिक अब जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल जी की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं।

» यदि सिंडिकेट के सदस्यों के कॉल डिटेल्स खंगाले जाएं ताकि सफेदपोशों के नाम उजागर हो सकें। भ्रष्टाचार से अर्जित अवैध संपत्ति को जब्त कर इन पर कार्रवाई की जाए।

» यह खबर तब तक थमेगी नहीं, जब तक डूडा कार्यालय से इन 'भ्रष्टाचार का सफाया नहीं हो जाता। हम हर उस नाम को बेनकाब करेंगे जिसने गरीबों की छत छीनकर अपनी तिजोरी भरी है।

ग्राम रोजगार सेवकों का शोषण बंद कर मासिक मानदेय 24000 करे सरकार: मुश्ताक

● 1 मई को जिलामुख्यालय पर होगा प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांतीय आह्वान पर आज सभी 15 विकास खण्ड कार्यालयों पर ग्राम रोजगार सेवकों ने धरना प्रदर्शन किया जिसमें मासिक मानदेय चौबीस हजार रुपए करने की मांग की गई ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक /आल इंडिया मनरेगा एम्पलाईज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुश्ताक अली अंसारी ने विकासखंड लखीमपुर मुख्यालय पर आयोजित धरना प्रदर्शन में कहा कि ग्राम रोजगार सेवकों को सरकारी सेवा करते हुए 20वर्ष हो चुके हैं लेकिन कम मानदेय के कारण समुचित जीविकोपार्जन नहीं हो रहा है ग्राम रोजगार सेवकों का न्युनतम मानदेय चौबीस हजार रुपए मासिक किया जाना चाहिए।

इन्हें मनरेगा योजना की धनराशि के प्रशासनिक मद से आठ हजार मासिक मानदेय दिया जा रहा है वह अत्यंत कम है शिक्षामित्रों अनुदेशकों की भांति ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्रों के मानदेय में वृद्धि होनी चाहिए । प्रशासनिक व्यय आधारित मानदेय व्यवस्था की गड़बड़ियों के नियमित मानदेय भुगतान नहीं होता है। कार्यरत कर्मचारियों को ई0पी0एफ0, बोनस, हेल्थ इंश्योरेंश आदि की सुविधा प्रदान नहीं की जाती है। मासिक मानदेय में से 10 वर्षो से कटौती की जाने वाली ई0पी0एफ0 की धनराशि यू0ए0एन0 खाते में जमा नहीं की गयी है इसलिए ई0पी0एफ0 सुविधा का लाभ ग्राम रोजगार सेवकों को नही मिल पा रहा है। चिकित्सा लाभ प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार के हेल्थ कार्ड की व्यवस्था नहीं है जो अन्यायपूर्ण है।

अतः उपरोक्त विषम परिस्थितियों के दृष्टिगत ग्राम रोजगार सेवको की निम्नलिखित मांगों/ समस्याओं का समाधान किया जाना उचित होगा। प्रमुख मांगें मुख्यमंत्री जी द्वारा 4 अक्टूबर 2021 को लखनऊ के डिफेन्स एक्सपो मैदान में की गयी घोषणा के क्रम में रोजगार सेवकों के भविष्य को सुरक्षित करने हेतु मानव संसाधन नीति (ए0आर0 पालिसी) का उचित निर्धारण कराया जाये। जिसमें न्यूनतम 24000/- रूपये प्रतिमाह की व्यवस्था की जाए मासिक मानदेय भुगतान हेतु पृथक बजट की व्यवस्था का प्रावधान किया जाये अथवा मानदेय भुगतान सामग्री अंश से किया जाये यह कि प्रदेश के ग्राम रोजगार सेवकों का 12 से 14 महीने का मानदेय बकाया है जिससे आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हैं जिससे बच्चों की पढ़ाई, लिखाई, दवाई, नहीं हो पा रही है। मानदेय का भुगतान अविलम्ब कराया जाए। अक्टूबर 2021 की घोषणा के क्रम में उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की भाँति 20 दिन का आकस्मिक अवकाश एवं 12 दिनों की चिकित्सा अवकाश की व्यवस्था का आदेश जारी किया जाये।

ग्राम रोजगार सेवकों का न्याय पंचायत पर स्थानान्तरण की व्यवस्था को लागू किया जाये। ग्राम रोजगार सेवकों के परिवार के मृतक आश्रित को सेवा प्रदान की जाये। उपरोक्त मांगों/ समस्याओं का निदान शीघ्र न होने पर आगामी 01 मई 2026 को जिला मुख्यालयों पर विशाल प्रदर्शन किए जाएंगे धरना प्रदर्शन में राकेश कुमार, रमेश गुप्ता दिनेश कुमार इलियास जितेंद्र वर्मा प्रभादेवी किरण यादव सुमन शिखा सूर्य प्रकाश सिंह सुनील कुमार वर्मा इंद्रजीत वर्मा नरेंद्र कुमार रिचा पांडे आदि उपस्थित रहे।

गेहूं खरीद में ढिलाई पर एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह का सख्त एक्शन, केंद्र प्रभारियों की लगाई क्लास, जमकर फटकारा

● एडीएम ने क्रय केंद्रों पर मारा छापा, मचा हड़कंप

खरीद प्रक्रिया तेज करने और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी, में गेहूं खरीद की सुस्त रफ्तार पर प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने शुक्रवार को कृषि उत्पादन मंडी समिति राजापुर पहुंचकर खाद्य विभाग, पीसीएफ, पीसीयू व यूपीएसएस के क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से कम खरीद को लेकर एडीएम का पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके पर ही केंद्र प्रभारियों और जिला प्रबंधक को जमकर फटकार लगाई और दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि केंद्र पर आने वाले किसी भी किसान को खाली हाथ वापस न किया जाए।

एडीएम ने स्पष्ट कहा कि हर हाल में किसानों का गेहूं तौला जाए, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। यदि शिकायत मिली तो सीधे कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी हकीकत परखी। एडीएम ने कहा कि शासन की मंशा है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य मिले, इसमें किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीद प्रक्रिया को तेज करें और पारदर्शिता सुनिश्चित करें।

आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 39 में 3 का मौके पर निस्तारण किया गया

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। तहसील गोला के सभागार में अपर जिला अधिकारीश की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित आई 39 शिकायती पत्रो मे पुलिस विभाग की तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शनिवार को आयोजित किए गए संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व एवं आपदा विभाग 23 शिकायतें , पुलिस विभाग की 8, संयुक्त जांच हेतु 5, विद्युत विभाग की खाद एवं रसद विभाग की एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें से राजस्व एवं आपदा विभाग की 3 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष 36 प्रार्थनापत्रो को त्वरित व गुणवत्तापूर्ण तरीके से स्थलीय जांच कर विस्तारण किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जितना ज्यादा स्क्रीन टाइम, उतना ज्यादा बढ़ता जाता है तनाव, डॉ रविंद्र नाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी, कृषक समाज इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में 8 से 30 अप्रैल के पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में मोबाइल स्क्रीन का समय कम कैसे किया जाए इस पर विस्तार से चर्चा की जाने माने समाजसेवी चिकित्सा डॉ रविंद्र नाथ वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र-छात्राओं को बताया कि सोशल मीडिया और फोन से खुद को स्क्रीन से दूर रख पाना थोड़ा मुश्किल होता है। पर शायद आप नहीं जानते कि बढ़ता स्क्रीन टाइम आपके तनाव का ग्राफ भी बढ़ाता जाता है। स्क्रीन टाइम वह समय है, जिसे हम कभी न खत्म होने वाली स्क्रॉलिंग और विभिन्न ऐप्स के माध्यम से ब्राउज़ करने, गैजेट स्क्रीन पर इधर-उधर घूमने में खर्च करते हैं। चूंकि हम इसमें इतने खोए हुए हैं, इसलिए हमें यह सोच ही नहीं पाते कि यह हमारे पर्सनल स्पेस व्यवहार और अन्य लोगों से हमारे रिश्तों को किस तरह प्रभावित कर रहा है, अगर आप अपनी मेंटल हेल्थ अच्छी रखना चाहते हैं, तो इसमें कटौती कर पठन-पाठन पर ध्यान देने की जरूरत है उसके साथ-साथ खेल के लिए भी समय निकालिए माता-पिता दादा दादी के संपर्क रहकर ज्ञान अर्जित कीजिए अगर ऐसा करेंगे

तो जरूर आपका मोबाइल से ध्यान हट जाएगा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिल कुमार ओम प्रकाश उप प्रधानाचार्य लखपत भारती अशोक कुमार वर्मा एस के वर्मा संचालन देवेंद्र सिंह ने किया।

तिलहर में शुरू हुआ एंडोस्कोपी सेंटर, 40 मरीजों की मुफ्त जांच

● पेट व लिवर रोगों की पहचान अब आसान, विशेषज्ञों ने बताए एंडोस्कोपी के फायदे

तिलहर-शाहजहांपुर। क्षेत्र के मरीजों को अब पेट और पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों के लिए दूर नहीं भटकना पड़ेगा। शनिवार को अग्रवाल हॉस्पिटल एंड डायट सेंटर में आधुनिक एंडोस्कोपी सेंटर का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रामकृष्ण अग्रवाल के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में 40 से अधिक मरीजों की एंडोस्कोपी जांच की गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में पेट व लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय गुप्ता तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आलोक अग्रवाल ने

सेवाएं प्रदान कीं।

डॉ. विनय गुप्ता ने बताया कि एंडोस्कोपी एक आधुनिक तकनीक है, जिसके माध्यम से पेट, आंत और पाचन तंत्र के अंदरूनी हिस्सों की सीधे जांच की जाती है। इससे अल्सर, गैस, सूजन, कैंसर, खून की उल्टी और लगातार पेट दर्द जैसी गंभीर बीमारियों का शुरुआती अवस्था में ही पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में मरीज को हल्का बेहोश किया जाता है, जिससे जांच के दौरान किसी प्रकार की तकलीफ नहीं

होती। उन्होंने यह भी बताया कि एंडोस्कोपी का एक बड़ा लाभ यह है कि छोटे बच्चों या वयस्कों द्वारा गलती से निगली गई वस्तुएं जैसे सिक्का, पिन या प्लास्टिक आदि को बिना ऑपरेशन के सुरक्षित बाहर निकाला जा सकता है। साथ ही, समय पर जांच से बीमारी की गंभीरता कम की जा सकती है और इलाज अधिक प्रभावी हो जाता है। डॉ. आलोक अग्रवाल ने बताया कि इस सेंटर के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर, सुलभ और समय पर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

2024-25 से पूर्व निर्मित तथा एक्सपायर्ड स्टाक का विनष्टीकरण

आबकारी नीति 2026-27 में निहित प्राविधान तथा संयुक्त आबकारी आयुक्त वाराणसी जोन वाराणसी के अनुमति व जिलाधिकारी भदोही के आदेश से उप आबकारी आयुक्त मीरजापुर प्रभार मीरजापुर की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष आज दिनांक 18.04.2026 को गोपीगंज के सोनखरी स्थित विदेशी मदिरा थोक अनुज्ञापन आदेश पांडेय के परिसर में वर्ष 2024-25 से पूर्व निर्मित तथा 2025-26 में वैधता अवधि समाप्ति तक बिक्री के पश्चात अवशेष स्टाक का विनष्टीकरण करवाया गया।इस प्रक्रिया में विदेशी मदिरा के कुल 30 पेटी तथा वाइन के 151 पेटी एक्सपायर्ड मदिरा का विनष्टीकरण करवाया गया।विनष्टीकरण की की संपूर्ण कार्यवाही पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संपन्न करवाया गया। समिति में उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर एवं जिला आबकारी अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल रहे।

डिजिटल लाइब्रेरी रूद्रपुर घमहापुर से साइकिल चोरी करने का अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की साइकिल बरामद

भदोही थाना भदोही पर आवेदक अमीर चन्द मौर्य पुत्र लल्लन मौर्य निवासी सवलेपुर (प्रगासपुर) थाना भदोही जनपद भदोही द्वारा सूचित किया गया कि दिनांक 16-04-2026 समय 09 बजें दिन कोचिंग के लिए B.M.P. डिजिटल लाइब्रेरी रूद्रपुर घमहापुर थाना भदोही जनपद भदोही गया था। जहां से मेरी साइकिल चोरी हो गई। सी0सी0टी0वी फुटेज में चोर अर्पित पाण्डेय पुत्र अनील पाण्डेय ग्राम प्रगासपुर थाना भदोही जनपद भदोही करके पहचाना गया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना भदोही पर चोरी एवं धमकी देने के संबंध में अभियुक्त के विरूद्ध मु0अ0सं0-174/2026 धारा 303(2) /351 (3) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिनव त्यागी,पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद में हो रहे अपराधों में त्वरित कार्यवाही एवं पंजीकृत अभियोगों से सम्बंधित वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में आज दिनांक-18.04.2026 को थाना स्थानीय पुलिस द्वारा मुखबिरी सूचना के आधार पर पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित एक (शातिर चोर) वांछित अभियुक्तों को भदोही स्टेशन के पश्चिमी छोर से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान सम्बंधित मा0 न्यायालय किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जें से चोरी की साइकिल बरामद किया गया

महाविद्यालय में चित्रकला पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

सीखड़ मीरजापुर, नरोत्तम सिंह पदम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मगरहां में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के अनुसार चित्रकला कार्यक्रम के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन डॉश पल्लवी मिश्रा द्वारा किया गया, जिसकी थीम नारी शक्ति थी। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं रितु यादव,अंजली दुबे, अंकित सिंह, पुनीता यादव, अनंती आकांक्षा, श्रेया ने प्रतिभाग किया । साथ ही महाविद्यालय में नारी वंदन अधिनियम थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं आकांक्षा प्रजापति, मुस्कान भारती, प्रीति, रितु यादव, अंजली दुबे, आकांक्षा, त्रिशला पांडे, पुनीता यादव, तियशमा पांडेय ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉश नीलम यादव, डॉश अनु सिंह, डॉश मधु तिवारी एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक प्राध्यापिकाएं उपस्थिति रहे। समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मृणालिनी सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

डीएम की अध्यक्षता में जनपद में समस्त बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के सुचारू संचालन के दृष्टिगत प्रधानाचार्यों/प्रबंधकों के साथ हुई बैठक

● डीएम शैलेष कुमार सख्त मोड में, विद्यालयों पर कसा शिकंजा, नियम पालन के दिए कड़े निर्देश

फीस, यूनिफॉर्म और किताबों में मनमानी नहीं चलेगी, उल्लंघन पर लाखों का जुर्माना तय-डीएम

बिना मान्यता चल रहे स्कूलों पर कार्रवाई तय, डीएम ने मांगी गोपनीय सूचना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जनपद के समस्त विद्यालयों के सुचारू संचालन के दृष्टिगत समस्त बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्रबन्धक/ प्रधानाचार्यों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि भीषण गर्मी के देखते हुए कक्षा (1-8) तक के बच्चों को विद्यालयों को 7.30 बजे से 12.30 तक किया जाय। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सख्त निर्देश दिया कि विद्यालय में सी0बी0एस0ई0/ आई0सी0 एस0 ई0 बोर्ड द्वारा संचालित एन0 सी0 ई0आर0टी0 की मान्य पुस्तकों से ही पठन-पाठन का कार्य करवाया जाय। पाठ्यक्रमों में अनावश्यक रूप से बदलाव न किया जाय। प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्रमुख, प्रत्येक शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने के पूर्व समुचित प्राधिकारी को आगामी शैक्षणिक वर्ष के दौरान ऐसे विद्यालय द्वारा उद्ग्रहित किये जाने वाले शुल्क का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करेगा। समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष प्रवेश प्रारम्भ होने के साठ दिन पूर्व अपनी वेबसाईट पर शुल्क का विवरण अपलोड करेगा तथा सूचना पट्ट पर प्रकाशित करेगा।

प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि कोई कैपीटेशन शुल्क प्रभावित न किया जाय। किसी छात्र/छात्रा/अभिभावक विद्यालय अथवा किसी विशिष्ट दुकान से कांपी, किताब, जूते, मोजे व यूनिफार्म आदि क्रय करने के लिए बाध्य नहीं किया जायेगा। विद्यालय द्वारा 05 निरन्तर शैक्षणिक वर्षो के भीतर यूनिफार्म में परिवर्तन न किया जाय और इसमें परिवर्तन जनपदीय शुल्क नियामक समिति के पूर्व अनुमोदन से ही परिवर्तन किया जाय आवश्यक हो तो। जहाँ तक सम्भव हो सके जनहित में स्कूल वाहनों का किराया न बढ़ाया जाय। किसी छात्र या संरक्षकों या अभिभावक, अध्यापक, एसोशिएशन से शिकायत यदि कोई हो, प्राप्त किये जाने पर जिला शुल्क नियामक समिति द्वारा सम्यक रूप से जॉच करने के पश्चात् और समाधान कर लेने के पश्चात् दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने का प्राविधान है- अधिनियम के उपबन्धों का प्रथम बार उल्लघन किये जाने की स्थिति में समिति छात्र से अधिसूचित शुल्क से अधिक उद्ग्रहीत शुल्क वापस करने के साथ-साथ एक लाख रूपये तक का अर्थदण्ड अधिरोपित कर सकती है। अधिनियम के उपबन्धों का दूसरी बार उल्लघन किये जाने पर समिति उद्ग्रहीत अधिक शुल्क वापसी के साथ पाँच लाख रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित कर सकती है। अधिनियम के उपबन्धों का तीसरी बार उल्लघन किये जाने पर ऐसी कतिपय अवधि जैसा कि उनके द्वारा विनिश्चित किया जाय, के लिए विकास निधि की अनुमति वापस किये जाने के अतिरिक्त सम्बन्धित परिषद की मान्यता / सम्बद्धता वापस किये जाने हेतु संस्तुति कर सकती है।

बैठक में उपस्थित सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूली वाहन से सम्बन्धित जानकारी प्रदान किया गया तथा समस्त प्रधानाचार्यों से अनुरोध किया गया कि अपने-अपने विद्यालयों को स्कूली वाहन निगरानी पोर्टल upisvmp.com पर विद्यालय को ऑन बोर्ड किये जाने हेतु अन्तिम तिथि 22.04.2026 तक अनिवार्य रूप से करा दिया जाए तथा वाहन सम्बन्धी डाटा अपलोड करा दिया जाए। यदि किसी विद्यालय के पास स्कूल वाहन उपलब्ध नही है वह भी निगरानी पोर्टल पर पर विद्यालय को आनबोर्ड करते हुए स्कूली वाहन उपलब्ध न होने का शपथ-पत्र अपलोड करते हेतु निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण कराये। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने प्रधानाचार्यो से अपील किया गया कि अपने आस-पास बिना मान्यता प्राप्त किये संचालित विद्यालयों के सम्बन्ध में सूचना मुझे प्राप्त करायी जाए सूचना प्राप्त कराने वालो का नाम गोपनीय रखा जायेगा, तथा बिना मान्यता संचालित विद्यालयों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए विद्यालयों को पूर्ण रूप से बन्द कराये जाने का आश्वासन प्रदान किया गया।

93 प्रार्थना पत्र में 1 का हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस मे आए फरियादियों की समस्याओं को जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने सुना। सद्दूपुर मुहल्ला निवासिनी अर्चना देवी ने क्षेत्रीय लेखपाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह बहुत गरीब महिला है और कच्चे जर्जर मकान मे रहती है मकान निर्माण हेतु मेरा नाम डूडा से पास किया गया था लेकिन लेखपाल ने अपात्र कहते हुए सूची से नाम काट दिया। पुनः जांचकर आवास दिलाने की मांग की है।जमालपुर थाना क्षेत्र के बरीसलाहपुर गांव निवासी रामजनम ने वन रक्षक पर आरोप लगाया। कहा कि सक्तेशगढ के पंचशील दरी के वन रक्षक अर्जुन द्वारा वन विभाग के जंगल में ब्लास्टिंग कराकर पत्थर व कीमती पेड़ों को कटवाकर वन माफिया की मिली भगत से बेचा जा रहा है उच्च स्तरीय जांच की मांग किया है। चुनार थाना क्षेत्र के केला बेला निवासिनी नेहा व मोहिनी ने शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि उसके पिता सुरेन्द्र का निधन हो चुका है और मां चाचा के साथ विवाह कर कही बाहर रहती है हम बहनों को रहने के लिए चाचा द्वारा पैतृक मकान में हिस्सा नही दिया जा रहा है।पैतृक मकान में हिस्सा दिलाने की मांग की।सीखड ब्लाक के बटौआ गांव निवासी समर बहादुर ने आराजी नंबर 190 ख रकवा 0.0130 हे0 व आराजी नंबर 196 रकवा 0.038 हे0भूमि गढई हेतु सुरक्षित है जिस पर गांव के कई लोग द्वारा कब्जा कर लिया गया है जिससे लोगों के घरों का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है आते लोगों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत कर्ता का कहना है कि उसने लगातार तीन में तीन बार संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र दिया किंतु कोई कार्रवाई नही है। गढई की सुरक्षित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग किया है। कुल 93 प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें मौके पर मात्र एक का निस्तारण हुआ। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, एसडीएम राजेश कुमार वर्मा, एसडीएम न्यायिक अजीत कुमार, तहसीलदार इवेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मंजरी राव सहित राजस्व, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अटूट आस्था के 1000 वर्ष, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को तहसील ज्ञानपुर से सोमनाथ धाम की यात्रा का भव्य शुभारंभ

● जिला पंचायत अध्यक्ष, डीएम, एसपी ने दिखाई हरी झंडी और यात्रियों के समूह को रवाना किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही, 18 अप्रैल 2026:-सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर जनपद से यात्रियों के गाड़िया को तहसील ज्ञानपुर से हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के वातावरण में रवाना किया गया। इस अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी तथा मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल द्वारा 10 चयनित यात्रियों को फूल-माला पहनाकर एवं गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए शुभकामनाओं सहित विदा किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने यात्रियों को शुभ यात्रा की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि सोमनाथ धाम हमारी आस्था, संस्कृति और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे गौरवशाली इतिहास और परंपराओं से जुड़ने का भी एक सशक्त माध्यम है। यात्रियों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जीवन में यह पहला अवसर है जब उन्हें सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने इस पहल के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की एक अविस्मरणीय स्मृति बनेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सुविधा से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे यात्रा सुगम एवं सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके।

राजस्व टीम कुर्क की कार्यवाही करने पहुंची, बकायेदार न मिलने से कार्यवाही नहीं हो पाई पूर्ण

चुनार, मीरजापुर। तहसीलदार इवेंद्र कुमार द्वारा 16.4.26 को वसूली भ्रमण हेतु बनाई गई। टीम स्टेट एग्रो इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन सिंह राइस मिल अहरौरा प्रो विनोद कुमार सिंह पुत्र बाबूलाल सिंह निवासी अहरौरा खास व सरस्वती राइस मिल गोगहरा प्रो कुंदन कुमार सिंह पुत्र शिवपूजन सिंह गोगहरा चुनार मिर्जापुर के लिए बनाई गई ।टीम को मौके से कोई भी बकायेदार नहीं मिलने से वसूली की कार्रवाई पूर्ण नहीं हो पाई ।टीम में नायब तहसीलदार संजय कुमार सिंह, संग्रह अमीन अमर ज्योति, बृजकिशोर शर्मा, सत्य प्रकाश, सुभाष चंद्र, ओम प्रकाश सिंह, अभय कुमार, ओमप्रकाश इत्यादि राजस्व कर्मी शामिल रहे।

मिशन शक्ति फेज 5 के अन्तर्गत नारी वंदन अधिनियम पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में उच्च शिक्षा संस्थानों में 10 से 20 अप्रैल 2026 के मध्य 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' प्रचार अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को महाविद्यालय में मिशन शक्ति फेज 5 के द्वितीय चरण में नारी वंदन अधिनियम के समर्थन पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो (डॉ0) माधवी शुक्ला ने किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी वंदन अधिनियम के बारे में महिलाओं को विशेष तौर पर बताये जाने की आवश्यकता है। निर्णायक मंडल में प्रो कुसुम लता,डॉ मंजूला शुक्ला एवं डॉ अदिति सिंह रही।प्रतियोगिता में जान्हवी मोदनवाल एम ए प्रथम वर्ष,पायल गुप्ता बी ए सी प्रथम वर्ष,अंशिका मोदनवाल बीए द्वितीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम द्वितीय ,एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सान्तवना प्राची सिंह बीए सी प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया ।कार्यक्रम का संचालन मिशन शक्ति प्रभारी डॉ शेफालिका राय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कुल 43 छात्र- छात्राएँ सहित, डॉ रजनीश, डॉ संकटा प्रसाद सोनकर,डॉ दीप नारायण, डॉ अरूणेश कुमार, डॉ सत्येंद्र कुमार, अरविंद कुमार, डा अवधेश सिंह यादव, डॉ नलिनी सिंह, रमेश चंद्र, डॉ गुरु प्रसाद सिंह,डॉ रीता मिश्रा,डॉ शिव कुमार, डॉ अमित कुमार यादव सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी धर्म चंद्र, डॉ रामानंद पुजारी, धर्मेन्द्र कुमार, कमलेश शुक्ला, रामकेश सोनकर, जय प्रकाश, पारस सिंह,. कुर्बान एवं प्रमिला देवी उपस्थित रहे।

छानबे गैपुरा के किसान कल्याण केंद्र पर लापरवाही, कर्मचारी

● छानबे गैपुरा के किसान कल्याण केंद्र पर लापरवाही, कर्मचारी

अधिकारी नदारद—अक्सर बंद मिलता है कार्यालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। जनपद के छानबे गैपुरा स्थित किसान कल्याण केंद्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रीय किसानों का आरोप है कि केंद्र पर न तो कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं और न ही अधिकारियों की कोई जिम्मेदार उपस्थिति देखने को मिलती है। अधिकांश दिनों में केंद्र का कार्यालय बंद ही मिलता है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि उन्हें कृषि संबंधी योजनाओं, बीज, खाद, अनुदान और अन्य सरकारी सुविधाओं की जानकारी के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन केंद्र बंद रहने के कारण उन्हें निराश लौटना पड़ता है। इससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह केंद्र किसानों की सुविधा और सहायता के लिए स्थापित किया गया है, लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही के चलते इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। कई बार शिकायत के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

विकास खण्ड सीखड़ का जिला अधिकारी ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने विकास खण्ड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी राम जी मिश्रा ने जिलाधिकारी को फार्मर आईडी की प्रगति के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी किसानों की 100 प्रतिशत फार्मर आईडी बनाना सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक गाटा को फार्मर आईडी से जोड़ा जाए। गौशाला की स्थिति की जानकारी लेते हुए खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि सीखड़ विकासखंड में तैनात पंचायत सहायकों का पिछले 8 माह से मानदेय नहीं मिला है।

इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि किसानों से संपर्क कर अधिक से अधिक गेहूं को सरकारी खरीद केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उचित मूल्य मिल सके।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की अलमारियों का भी निरीक्षण किया जिसमें रखी पत्रावलियों की जांच की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित ढंग से किया जाए तथा अलमारियों पर स्पष्ट रूप से विवरण वर्षवार मदवार बनाकर रखा जाए ताकि वर्षवार खोजने में आसानी हो। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी राम जी मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, ब्लॉक प्रमुख छत्रपति सत्येंद्र सिंह, सीडीपीओ नीलू मिश्रा, एडीओ एजी रोहित सिंह बड़े बाबू मनोज कुमार दुबे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मवैया विकास खण्ड सीखड़, मीरजापुर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2026-2027 हेतु जी राम जी (मनरेगा)/ राज्य वित्त/केंद्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना फेज 2 के अंतर्गत ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय/ नाली, सड़क, भवन निर्माण व मरम्मत/पेयजलापूर्ति/ऑफिस स्टेशनरी/ग्राम पंचायत के सरकारी भवनों कार्यालयों, विद्यालयों में कायाकल्प हेतु फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति एवं अन्य कार्य के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराए जाने वाले कार्य के लिए निर्माण सामग्री जैसे-ईट, सीमेंट, बालू, लाल बालू,लोकल गंगा बालू सरिया, ह्यूम पाइप, डाला गिट्टी मिट्टी धुलाई, सहित हैंडपंप मरम्मत हेतु स्पेयर पार्ट, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, स्कूल एवं आफिस फर्नीचर, आफिस स्टेशनरी, हैंडपंप रिबोर, डस्टबिन, सफाई कर्मी की किट, टाइल्स, इंटरलॉकिंग ईट, लाल ईट, NP3 ह्यूम पाइप,आर ओ वाटर कूलर,सोलर कैमरा,ओपन जिम सामग्री,ईट गिट्टी, GSB, सीमेंट फर्नीचर, कूड़ेदान, टॉयलेट गाड़ी, पेंट पेंटिंग सामग्री, प्लास्टिक बैंक, पी वी सी पैनल कार्य, लाइब्रेरी कार्य, स्वच्छ भारत मिशन सामग्री,टाटा मैजिक, अन्य आवश्यक सामग्री इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल पर करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20 -04-2026 से दिनांक 25-04-2026 तक अपनी दरअपने लेटर पैड पर संलग्नक बंद लिफाफे में अधो हस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियम एवं शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 25-04-2026 को प्रातः 02:00 बजे ग्राम समिति सदस्यों और टेंडर दाताओं की उपस्थिति में जो उपस्थित रहना चाहते हैं उनके समक्ष खोली जाएगी। निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय पर कार्य अवधि समय में 25-04-2026 को दोपहर 01:00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। निविदा सबसे कम दर की स्वीकृत की जाएगी।

ग्राम प्रधान- दिनेश कुमार चौबे
ग्राम पंचायत - मवैया
वि. ख. सीखड़, मीरजापुर

ग्राम विकास अधिकारी
रश्मि सिंह
वि. ख. सीखड़, मीरजापुर

कार्यालय ग्राम पंचायत कठेरवा विकास खण्ड सीखड़, मीरजापुर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2026-2027 हेतु जी राम जी (मनरेगा)/ राज्य वित्त/केंद्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना फेज 2 के अंतर्गत ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय/ नाली, सड़क, भवन निर्माण व मरम्मत / पेयजलापूर्ति /ऑफिस स्टेशनरी / ग्राम पंचायत के सरकारी भवनों कार्यालयों, विद्यालयों में कायाकल्प हेतु फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति एवं अन्य कार्य के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराए जाने वाले कार्य के लिए निर्माण सामग्री जैसे-ईट, सीमेंट, बालू, लाल बालू,लोकल गंगा बालू सरिया, ह्यूम पाइप, डाला गिट्टी मिट्टी धुलाई, सहित हैंडपंप मरम्मत हेतु स्पेयर पार्ट, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, स्कूल एवं आफिस फर्नीचर, आफिस स्टेशनरी, हैंडपंप रिबोर, डस्टबिन, सफाई कर्मी की किट, टाइल्स, इंटरलॉकिंग ईट, लाल ईट, NP3 ह्यूम पाइप,आर ओ वाटर कूलर,सोलर कैमरा,ओपन जिम सामग्री,ईट गिट्टी, GSB, सीमेंट फर्नीचर, कूड़ेदान, टॉयलेट गाड़ी, पेंट पेंटिंग सामग्री, प्लास्टिक बैंक, पी वी सी पैनल कार्य, लाइब्रेरी कार्य, स्वच्छ भारत मिशन सामग्री,टाटा मैजिक, अन्य आवश्यक सामग्री इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल पर करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20 -04-2026 से दिनांक 25-04-2026 तक अपनी दरअपने लेटर पैड पर संलग्नक बंद लिफाफे में अधो हस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियम एवं शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 25-04-2026 को प्रातः 02:00 बजे ग्राम समिति सदस्यों और टेंडर दाताओं की उपस्थिति में जो उपस्थित रहना चाहते हैं उनके समक्ष खोली जाएगी। निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय पर कार्य अवधि समय में 25-04-2026 को दोपहर 01:00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। निविदा सबसे कम दर की स्वीकृत की जाएगी।

ग्राम प्रधान -अजय कुमार
ग्राम पंचायत - कठेरवा
वि. ख. सीखड़, मीरजापुर

ग्राम विकास अधिकारी
रश्मि सिंह
वि. ख. सीखड़, मीरजापुर

"नारी शक्ति वंदन अधिनियम" राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित कराना

● महिलाओं का योगदान हर क्षेत्र में सराहनीय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- 'नारी शक्ति वंदन अभियान' के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कार्यक्रम व 'नारी शक्ति वंदन' विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद भदोही में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सन्दर्भ में जागरूकता गोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, डॉ. ऋचा संस्कृत विभाग प्रभारी, डॉ. अंशु बाला राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी, डॉ. उष्मा यादव असिस्टेंट प्रोफेसर संस्कृत, डॉ. ज्योति यादव असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी, अधिवक्ता बंदना यादव, की गरिमामयी उपस्थिति में विकास भवन सभागार में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम, जिला प्रशासन व सूचना विभाग के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। नारी शक्तियों ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल राजनीतिक आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को नेतृत्व एवं निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि होगी, जिससे नीति-निर्माण में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को और अधिक प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम लैंगिक समानता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में महिलाओं की भूमिका को लेकर स्थापित रूढ़िवादी धारणाओं में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगा तथा महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मविश्वास एवं प्रेरणा प्रदान करेगा।

नारी शक्तियों द्वारा यह भी उल्लेख किया गया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार महिलाओं एवं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रतिबद्ध हैं। इस क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान, राष्ट्रीय महिला कोष, उत्तर प्रदेश महिला सामर्थ्य योजना, वन स्टॉप सेंटर योजना, 181 महिला हेल्पलाइन, सुकन्या समृद्धि योजना सहित उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, विधवा पेंशन एवं वृद्धावस्था पेंशन जैसी विभिन्न योजनाएँ प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ किया गया है, जिससे उन्हें समाज में समान अवसर एवं अधिकार प्राप्त हो रहे हैं। नारी शक्तियों ने कहा कि सरकार का संकल्प महिलाओं को शिक्षित, सशक्त एवं जागरूक बनाना है, ताकि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बनाते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु

प्रतिबद्ध होकर कार्य करें, जिससे भारत को समृद्ध, विकसित एवं सशक्त राष्ट्र बनाने में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। कार्यकत्री, स्कूल की छात्रायें, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां, आशा /ए0एन0एम0, महिला लाभार्थियों, महिला वॉलेटियर सहित सम्मानित महिलाएं उपस्थित रहे। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर महिलाओं में खुशी की लहर थी और मोदी जी के जिन्दाबाद के उद्घोष से पूरा विकास भवन गूंज उठा। कार्यक्रम उपरान्त सभी के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था भी कराई गयी। क्र

संक्षिप्त खबरें

प्रयागराज सर्किट हाउस में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का 'जनता दर्शन'

समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

प्रयागराज। सर्किट हाउस में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के तहत जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला , जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य एवं विधायक पूजा पाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रयागराज में पूरामुफ्ती के पास भीषण सड़क हादसा, दो युवक गंभीर

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में देशी शराब ठेका के सामने शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब दोनों बाइक आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस स्थान पर हादसा हुआ है वहां देशी शराब का ठेका होने के कारण अक्सर भारी भीड़ लगी रहती है। ठेके के बाहर खड़े लोगों और अव्यवस्थित वाहनों की वजह से सड़क पर आवागमन बाधित रहता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस जगह पर पहले भी कई बार छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने मानवता दिखाते हुए दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं सूचना मिलने पर पूरामुफ्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

प्रयागराज में तैनात दरोगा शिवशंकर सिंह का ब्रेन हेमरेज से निधन पुलिस विभाग में शोक की लहर।

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के धूमनगंज थाने पर तैनात दरोगा शिवशंकर सिंह का ब्रेन हेमरेज के चलते निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है, वहीं परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जा रहा है कि लगभग एक माह पूर्व दरोगा शिवशंकर सिंह को अचानक ब्रेन हेमरेज हुआ था, जिसके बाद उन्हें तत्काल स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उनका लगातार इलाज चल रहा था, लेकिन हालत में सुधार नहीं हो सका और इलाज के दौरान ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मूल रूप से गोडसरा दिलदार नगर के निवासी शिवशंकर सिंह लंबे समय से प्रयागराज में सेवा दे रहे थे। उन्होंने जिले के कई थानों पर अपनी जिम्मेदारियां निभाई थीं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठ एवं सरल स्वभाव के अधिकारी के रूप में जाने जाते थे। देर रात उनके निधन की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में शोक छा गया। पुलिस लाइन प्रयागराज में उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम विदाई के बाद उनका पार्थिव शरीर उनके बेटे मनीष कुमार सिंह को सौंपा गया। इसके पश्चात परिजन शव को उनके पैतृक गांव ले गए, जहां पूरे रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जब उंगलियों में हुनर और दिल में जोश हो, तो उम्र भी हार मान लेती है..

● **कैरम के शानदार मुकाबले से सराबोर हुआ आनंदम सीनियर सिटीज़न सेंटर।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। उम्र बढ़ने के साथ अक्सर लोग ठहराव की बात करते हैं, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे भी होते हैं, जो अपने हुनर के बलबूते हर दिन को नए जोश और रोमांच के साथ जीते हैं, जहाँ अनुभव उनकी ताकत बनता है और उत्साह उनकी पहचान। यही तस्वीर देखने को मिली इंदौर शहर की जाने-माने आनंदम सीनियर सिटीज़न सेंटर में, जहाँ मुस्कुराहटों, तालियों और प्रतिस्पर्धा के बीच जिंदगी एक बार फिर पूरे रंग में नजर आई। संस्था के 13 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर लगातार तीसरे वर्ष आयोजित कैरम प्रतियोगिता ने इस ऊर्जा को और भी जीवंत बना दिया। इस प्रतियोगिता में 30 पुरुष और 14 महिला सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपने शानदार खेल से माहौल को रोमांचक बना दिया। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में लाजपत राय चौपड़ा ने समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, तथा चंद्रशेखर शर्मा का विशेष सहयोग रहा। संस्था के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक विजेताओं और उपविजेताओं को बधाई दी।

पुरस्कार वितरण समारोह 25 अप्रैल, 2026 को आयोजित किया जाएगा। पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में दीपक मोहिते और राकेश वैद्य के बीच बेहतरीन मुकाबला देखने को मिला, जिसमें श्री दीपक मोहिते विजेता और राकेश वैद्य उपविजेता रहे। पुरुष युगल वर्ग में अनिल वर्मा और आर.के. पाठक की जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की, जबकि राकेश मलिक और हेमंत आठवले उपविजेता रहे।

महिला एकल वर्ग में ऊषा फर्नांडिस और लता चौपड़ा के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें ऊषा फर्नांडिस विजेता और लता चौपड़ा उपविजेता रहीं। वहीं महिला युगल वर्ग में लता चौपड़ा और नीलिमा भट्ट की जोड़ी ने जीत हासिल की, जबकि ऊषा फर्नांडिस और मीनू चौरसिया उपविजेता रहीं। इस अवसर पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, आनंदम सीनियर सिटीज़न सेंटर के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने कहा,'आनंदम सीनियर सिटीज़न सेंटर का उद्देश्य सिर्फ गतिविधियों का आयोजन करना नहीं, बल्कि वरिष्ठों के जीवन में उत्साह बनाए रखना भी है। इस प्रतियोगिता में वही ऊर्जा स्पष्ट रूप से देखने को मिली।'

वहीं, सचिव एस.बी. खंडेलवाल ने कहा, 'यह आयोजन हमारे सदस्यों के बीच अपनेपन और जुड़ाव को और मजबूत करता है, यही इसकी सबसे बड़ी सफलता है। सभी विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ। ऐसे अवसर न केवल प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हैं, बल्कि रिश्तों को भी और गहरा करते हैं।' लाजपत राय चौपड़ा ने कहा, 'यहाँ हर वरिष्ठ खिलाड़ी सिर्फ खेल का हिस्सा ही नहीं रहा, बल्कि सभी ने अपने जीवन के उत्साह को भरपूर तरीके से जीया है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा है। इन पलों में जो खुशी और आत्मविश्वास दिखाई देता है, वही इस आयोजन की असली उपलब्धि है।'

वहीं, चंद्रशेखर शर्मा ने कहा, 'आनंदम सीनियर सिटीज़न सेंटर ऐसे मंच तैयार कर रहा है, जहाँ उम्र नहीं, बल्कि जज़्बा मायने रखता है। यह पहल समाज को यह संदेश देती है कि सक्रिय और खुशहाल जीवन जीने की कोई उम्र नहीं होती।' कुल मिलाकर, यह आयोजन एक बार फिर यह संदेश दे गया कि जब दिल जवान हो, तो जिंदगी हर दिन एक नए खेल की तरह मुस्कुराती है। आनंदम सीनियर सिटीज़न सेंटर ने इस प्रतियोगिता के माध्यम से यह साबित कर दिया कि उम्र के इस पड़ाव पर भी जीवन को पूरे उत्साह और गरिमा के साथ जिया जा सकता है। ऐसे आयोजन न सिर्फ मनोरंजन का माध्यम बनते हैं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव को भी नई दिशा देते हैं। यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणा है कि बुजुर्गों के अनुभव और उत्साह को सम्मान देने वाले ऐसे मंच मिल जाएँ, तो वे बच्चे बनकर जी उठते हैं।

सरायममरेज पुलिस की कार्रवाई, 1.426 किलो अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सरायममरेज। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरायममरेज पुलिस टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अभियुक्त को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1.426 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। सरायममरेज पुलिस टीम ने क्षेत्रांतर्गत ग्राम बघेड़ी के पास से आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राकेश सोनकर (32 वर्ष) पुत्र अर्जुन सोनकर, निवासी कोटवा हनुमानगंज थाना सरायइनायत, कमिश्नरेट प्रयागराज के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.426 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इस गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना सरायममरेज में मु0अ0सं0-63/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भीषण गर्मी का असर: प्रयागराज में स्कूलों का समय बदला

● **20 अप्रैल से सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक होंगी कक्षाएं।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रशासन ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब जनपद प्रयागराज में कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। यह नया समय 20 अप्रैल से लागू होगा। जारी आदेश के अनुसार, सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE), इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (ICSE) और अन्य बोर्डों से संचालित स्कूल अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित किए जाएंगे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि लगातार बढ़ती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि छोटे बच्चों को तेज धूप और उच्च तापमान से बचाया जा सके। दोपहर के समय

तापमान अत्यधिक बढ़ने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

अभिभावकों और शिक्षकों ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका कहना है कि बदलते मौसम में इस तरह के कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। साथ ही स्कूल प्रबंधन को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों के लिए पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में स्कूलों के समय में बदलाव एक सराहनीय और आवश्यक पहल है।

पूर्व एडीजी प्रशांत कुमार को हाईकोर्ट का नोटिस, अभद्र भाषा पर मांगा स्पष्टीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आधिकारिक पत्र में प्रयुक्त शब्दावली पर सख्त नाराज़गी, 48 घंटे में नोटिस तामील कराने का आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार को नोटिस जारी कर अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है कि उनके द्वारा जारी एक आधिकारिक संचार में आपत्तिजनक शब्दावली का प्रयोग क्यों किया गया। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने अमित कुमार सिंह उर्फ सोनू की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

भाषा को बताया 'आपत्तिजनक'

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि संबंधित अधिकारी द्वारा प्रयोग की गई भाषा शालीनता और प्रशासनिक मर्यादा के अनुरूप नहीं है। कोर्ट ने इसे 'आपत्तिजनक' मानते हुए पूर्व एडीजी से जवाब-तलब किया है।

48 घंटे में नोटिस तामील करने का निर्देश

खंडपीठ ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), लखनऊ को निर्देश दिया है कि वे 48 घंटे के भीतर यह नोटिस उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) के माध्यम से संबंधित अधिकारी तक पहुंचाएं। साथ ही डीजीपी को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि नोटिस पूर्व एडीजी के वर्तमान निवास पर समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो।

अनुपालन की निगरानी के आदेश

अदालत ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को भी निर्देशित किया है कि वे 48 घंटे के भीतर इस आदेश की जानकारी सीजेएम, लखनऊ को प्रेषित करें, ताकि नोटिस की तामील में किसी प्रकार की देरी न हो। अगली सुनवाई 28 अप्रैल को मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल 2026 को निर्धारित की गई है, जहां अदालत पूर्व एडीजी द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण पर विचार करेगी।

सिंघम' छवि वाले आईपीएस अजय पाल शर्मा बने पश्चिम बंगाल चुनाव के ऑब्जर्वर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट में तैनात संयुक्त पुलिस आयुक्त (डीआईजी) एवं 'सिंघम' नाम से चर्चित इनकाउंटर स्पेशलिस्ट अजय पाल शर्मा को चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को उनकी कार्यकुशलता, सख्त प्रशासनिक पकड़ और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को संभालने की क्षमता का बड़ा सम्मान माना जा रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अजय पाल शर्मा को चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पास कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी का व्यापक अनुभव है, जो इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में अहम भूमिका निभाएगा।

अजय पाल शर्मा अपनी सख्त कार्यशैली और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के लिए जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश के

विभिन्न जिलों में तैनाती के दौरान उन्होंने कई चर्चित मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया है। विशेष रूप से क्रिटिकल सिचुएशन और हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने में उनकी दक्षता ने उन्हें 'सिंघम' की पहचान दिलाई है। प्रयागराज में अपने कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग में सुधार के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं। उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने संगठित अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, जिससे आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

जिलाधिकारी ने विगत तहसील दिवस के 51 निस्तारित प्रकरणों का 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया परीक्षण

ब्यूरो प्रयागराज। तहसील बारा, प्रयागराज में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी, प्रयागराज द्वारा विगत तहसील दिवस के निस्तारित प्रकरणों में से रैण्डम आधार पर 51 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया गया, जिसमें 25 ऐसे प्रकरण पाये गये जो जिला स्तरीय अधिकारियों के परीक्षण में शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में बगैर स्थलीय निरीक्षण किये कार्मिकों को विभागीय कार्यवाही, सतही आख्या प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों को प्रतिकूल प्रविष्टि एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही निर्गत किये जाने के निर्देश दिये गये है जिसका विवरण निम्नवत् हैः- जय प्रकाश बिन्द, लेखपाल, बारा-प्रतिकूल प्रविष्टि, आलोक रंजन, लेखपाल बारा-अनुशासनात्मक कार्यवाही, विनोद कुमार, लेखपाल, तहसील बारा-प्रतिकूल प्रविष्टि-जितेन्द्र कुमार गौड, ग्रा0वि0अधि0 कांटी जसरा-प्रतिकूल प्रविष्टि, गौरव, अवर अभियन्ता विद्युत विभाग-प्रतिकूल प्रविष्टि, नवीन कुमार श्रीवास्तव, रजिस्टार कानूनगो-अनुशासनात्मक कार्यवाही

करेली में इरफ़ान गद्दी हत्याकांड का खुलासा, साजिश रचने वाला आरोपी मोहम्मद अरशद गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में हुए चर्चित इरफ़ान गद्दी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक अहम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, करेली के ऐनुद्दीनपुर निवासी मोहम्मद अरशद को इस मामले में साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस सनसनीखेज हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए करेली पुलिस के साथ-साथ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) और सर्विलांस टीम को भी लगाया गया था। कई दिनों तक चली गहन जांच, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी तक पहुंच बनाई। सूत्रों के मुताबिक मोहम्मद अरशद ने ही इरफ़ान गद्दी की हत्या की साजिश रची थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के पीछे आपसी रंजिश और पुरानी दुश्मनी मुख्य वजह हो सकती है। हालांकि, पुलिस अभी अन्य संभावित कारणों और आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ जारी है, जिसमें कई अहम खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे। करेली थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

ग्रीन गुरु जी ने दैनिक जागरण शिरोमणि सम्मान 2026,प्राप्त करने के साथ डी. एम .व एस. पी. को भेंट किया पौध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। मिलन पैलेस, लालडिग्गी मीरज़ापुर में प्रतिष्ठित समाचार पत्र दैनिक जागरण की ओर से आयोजित शिरोमणि सम्मान 2026 के मुख्य अतिथि जिला अधिकारी,पवन कुमार गंगवार व एस. पी .श्रीमती अपर्णा रजत कौशिक को ग्रीन गुरु जी ने रेड मचिरा का पौध सप्रेम भेंट किया। साथ ही दैनिक जगरण द्वारा शिरोमणि सम्मान 2026 के तहत मुख्य अतिथि डी .एम. व एस .पी .ने अंगवस्त्रम व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर ग्रीन गुरु जी सम्मानित किया। बताते चले कि अनिल कुमार सिंह, ग्रीन गुरु जी, प्रधानाचार्य, शानि निकेतन इण्टर कॉलेज पचोखरा, मीरज़ापुर को यह सम्मान उनके द्वारा 01 जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे, पौध रोपण के उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया है।जिसका उद्देश्य पर्यावण संरक्षण व लोगो मे पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना है। साथ ही 18 अप्रैल 2026 को 3945 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में रजनीगंधा के पौध का रोपण शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज पचोखरा मीरज़ापुर के परिसर में किया गया।

कर्मचारी के अचानक लापता होने से अस्पताल का सिस्टम ठप, मरीजों की बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शहर के टैगोर टाउन स्थित ओझा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और ओझा ईएनटी एंड सर्जिकल कॉम्प्लेक्स में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब बीमा और आयुष्मान योजना से जुड़े कार्यों को संभालने वाला एक कर्मचारी अचानक लापता हो गया। कर्मचारी के बिना सूचना गायब होने से अस्पताल का पूरा सिस्टम ठप पड़ गया, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उक्त कर्मचारी अस्पताल में बीमा क्लेम, आयुष्मान योजना के रजिस्ट्रेशन और संबंधित ऑनलाइन प्रक्रियाओं का जिम्मा संभाल रहा था। अचानक गायब होने से न सिर्फ कामकाज रुक गया, बल्कि उसने अपना चार्ज भी किसी अन्य कर्मचारी को नहीं सौंपा। इतना ही नहीं, कंप्यूटर सिस्टम से जुड़े महत्वपूर्ण लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी साझा नहीं किए गए, जिसके चलते तकनीकी कार्य पूरी तरह बाधित हो गए हैं। इस स्थिति के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीमा क्लेम अटक गए हैं और आयुष्मान योजना के तहत इलाज कराने वाले मरीजों को विशेष रूप से परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई मरीजों के जरूरी कागजी और ऑनलाइन कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता

से लेते हुए कर्मचारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। निदेशक के पुत्र शशांक ओझा की ओर से संबंधित कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कर्मचारी की तलाश की जा रही है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम का आयोजन

सिद्धार्थनगर/सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स द्वारा नारी शक्ति बंधन के अंतर्गत शनिवार को सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता,कला संकाय व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने कैडेट्स को व अन्य छात्राओं सेल्फ डिफेंस के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी एवं विपरीत परिस्थितियों में सजग रहने तथा इनफॉरमेशन अपने अभिभावकों को देने की सलाह दी। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी ने कैडेट्स को सेल्फ डिफेंस के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया एवं यह भी बताया कि हमें विभिन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किन-किन तरीकों से अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में कैडेट राजनंदनी एवं ज्योति ने विपरीत परिस्थितियों में सेल्फ डिफेंस का मॉक ड्रिल करके दिखाया। इस इस कार्यक्रम में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के शिक्षक, एन एस एस के तीनों कार्यक्रम अधिकारी कर्मचारी, व कुल 25 एस डबलू व 5 एस डी एनसीसी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

प्रयागराज में बड़ी चोरी का खुलासा: 3 आरोपी गिरफ्तार, लाखों का माल व नकदी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। थाना कोतवाली पुलिस और एसओजी नगर की संयुक्त टीम ने एक बड़ी चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपये की नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, चोरी के पैसों से खरीदी गई मोटरसाइकिल समेत घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, सर्विलांस सेल नगर और ICCC टीम की मदद से थाना कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या 33/2026 (धारा 305ए/331(4) बीएनएस) से जुड़े तीन अभियुक्तों–बब्लू उर्फ नसीर, साहे आलम उर्फ मो. शाहिल उर्फ साहेब और फिरोज अहमद–को 18 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

बरामदगी का विवरण: गिरफ्तार आरोपियों के पास से सफेद धातु की 4 सिल्ली और 3 जोड़ी पायल, पीली धातु (लगभग 29.200 ग्राम) का गलाया हुआ

टुकड़ा, एक जोड़ी कान के टॉप्स और एक चेन बरामद हुई। इसके अलावा 2,89,000 रुपये नकद, चोरी के पैसों से खरीदी गई एक सेकंड हैंड हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (UP70GB0795), घटना में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल (UP70EV4420) तथा दो ई-रिक्शा (UP70QT4820 और UP70QT7110) भी जब्त किए गए। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2)/3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। **क्या थी घटना:** मामले के वादी उमेश द्विवेदी (निवासी मोहत्सिमगंज, कोतवाली) ने पुलिस को सूचना दी थी कि वे 3 अप्रैल को लखनऊ गए थे। इसी दौरान 4 अप्रैल को उनके बंद घर में अज्ञात चोरों ने घुसकर चोरी कर ली। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और टीम गठित कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी।

पुलिस की कार्रवाई: लगातार सर्विलांस, तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी (ICCC) की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरोह काफी समय से चोरी की वारदातों में सक्रिय था और बरामद सामान इसी घटना से जुड़ा हुआ है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, बभनजोत गोण्डा

पत्रॉक 46/मनरेगा/निविदा-प्रकाशन/वाहन/2026-27 दिनाँक 15-4-2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

महात्मागाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत निर्माण कार्यो के निरीक्षण/पर्यवेक्षणीय क्षेत्र भ्रमण व शासकीय कार्य हेतु कार्यकम अधिकारी/अतिरिक्त कार्यकम अधिकारी के लिए एक वाहन चालक सहित प्रतिमाह किराया 25,000.00(पच्चीस हजार रूपया मात्र)पर अनुबंधित किया जाना है। जिसके लिए अल्पकालिक निविदा/कोटेशन निम्नांकित शर्तो के अधीन वाहन स्वामियों/ट्रेवेल्र्स एजेन्सी द्वारा अपने लेटर पैड पर दिनाँक 15.04.2026 से 02.05.2026 के अपरान्ह 02 बजे तक बन्द लिफाफे में कार्यालय अवधि में आमंत्रित किया जाता है। उक्त निविद / कोटेशन दिनाँक 02.05.2026 को 3:00 बजे निविदाताओ/प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। प्रत्येक निविदादाता अपने निविदा के साथ मु0 5,000.00 (पाँच हजार मात्र) की डी0डी0/एफ0डी0 के रूप में धरोहर राशि अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बंधक रखा जाना अनिवार्य है

क0सं0	वाहन की विशिष्ट	संख्या
01	बोलेरो/एक्स यू वी 300/स्कार्पियो	01

शर्ते:-01. वाहन व्यवसायिक श्रेणी में पंजीकृत/टैक्सी में पंजीकृत होना अनिवार्य है। निविदा/कोटेशन के साथ ए0 आर0टी0ओ0 द्वारा जारी वाहन पंजीकृत होने का प्रमाण पत्र संलग्न होना चाहिए।

02. वाहन स्वामी/निविदादाता अपने निविदा के साथ वाहन चालक का ड्राइविंग लाइसेंस, जो वैध हो) संलग्न होना चाहिए।

03. वाहन से सम्बन्धित यथा वाहन टैक्स, व्यापार कर, बीमा, प्रदूषण, की छायाप्रति निविदा/कोटेशन के साथ संलग्न होना चाहिए।

04. वाहन की मरम्मत/समय पर सर्विसिंग कराने का दायित्व वाहन स्वामी की होगी।

05. वाहन की दुर्घटना/तोड़ फोड़ व क्षतिग्रस्त आदि के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नही होगा।

06. वाहन का अनुबंध 11 माह के लिए अनुमन्य होगा तथा वाहन का अनुबंध वाहन स्वामी को एक माह पूर्व

नोटिस देकर बिना कोई कारण बताए अनुबंध समाप्त किए जाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

07. वाहन स्वामी को वाहन से सम्बन्धित समस्त कर स्वंय वहन करना होगा तथा किराए पर दी जा रही जी0 एस0टी0 की धनराशि को शासकीय मद में जमा कर चालान की प्रति कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।

08. निविदा/कोटेशन को किसी भी समय किसी भी दशा में स्वीकृत/अस्वीकृत करने का सम्पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी/समिति में निहित होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
बभनजोत, गोण्डा।

संक्षिप्त खबरें

लोहरदगा को मिला नया उपायुक्त, संदीप कुमार मीणा ने संभाला पदभार

लोहरदगा, झारखंडः- लोहरदगा जिले में प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। संदीप कुमार मीणा ने लोहरदगा के 43वें उपायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं को जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका मुख्य उद्देश्य होगा। इस अवसर पर जिला समाहरणालय में औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां अधिकारियों और कर्मचारियों ने नए उपायुक्त का स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की और अधिकारियों को जनहित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। नए उपायुक्त के आने से जिले में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अधिकारियों ने किया पेयजल स्त्रोतों का निरीक्षण, दिए निर्देश

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- शनिवार को नारायणपुर प्रखंड के पंचायत मंडप मंझलाडीह में पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा को लेकर बैठक हुई। बैठक में बीडीओ देवराज गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि मनोरथ मरांडी, समन्वयक लाल मोहम्मद, सभी वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, ग्रामीण एवं जलसहिया उपस्थित थी। बैठक में बंद पड़े चापाकल, जल मीनार, पेयजल कुप आदि की सूची तैयार की गई साथ ही बंद पड़े चपकालों की बीडीओ के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया की कुछ जालमीनार का मोटर खराब व चापाकल खराब पाया गया। अधिकारी द्वारा तत्काल चापाकल मरमत कराने का निर्देश कनीय अभियंता पेयजल विभाग नारायणपुर एवं प्रखंड समन्वयक को दिया गया। इस अवसर पर बीडीओ नहीं कहा कि पेयजल समस्या का समाधान ही इस पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य है। जल स्त्रोतों का निरीक्षण करना और समय रास्ते पहल करना आवश्यक है।

डीलर एसोसिएशन ने दिवंगत दुकानदार के परिजनों को दी आर्थिक सहायता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर प्रखंड में जनवितरण दुकानदारों के आकस्मिक निधन पर डीलर एसोसिएशन ने शोक जताते हुए मानवता का परिचय दिया। उत्तर बास्की और करमाटांड़ के जनवितरण दुकानदार भूदेव यादव के निधन के बाद नारायणपुर डीलर एसोसिएशन के सदस्यों ने उनके परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की तथा आर्थिक सहायता प्रदान की। इस दौरान संघ के सदस्यों ने कहा कि दुख की इस घड़ी में सभी जनवितरण दुकानदार शोकाकुल परिवार के साथ खड़े हैं। संगठन का उद्देश्य एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनना है और ऐसे समय में सहयोग करना ही सच्ची एकता का परिचायक है। मौके पर तरणी पोद्दार, सरफुद्दीन अंसारी, कार्तिक दत्ता, ललित पंडित, तेजाउल अंसारी, अब्दुल रहीम, मो. जाहिद सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

पंचायत मतदाता सूची का जनसामान्य के लिये 10 जून को होगा अन्तिम प्रकाशन

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि 21 अप्रैल से 28 मई तक मतदाताओं के डिडुप्लीकेशन एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही, 29 मई से 09 जून तक कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदान स्थलों के वार्डो की मैपिंग, एसवीएन आवंटन, मतदात सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि किये जायेगें। 10 जून को निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिये अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसो में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेगें तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा।

चंदवा में सी एम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस की मांग को मिला जोर, मुख्यमंत्री से जल्द होगी निर्णायक वार्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- चंदवा प्रखंड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल सामने आई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंकित कुमार तिवारी ने सी एम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना की मांग को लेकर तैयार आवेदन जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के माध्यम से संबंधित स्तर पर सौंपा है। अंकित कुमार तिवारी ने कहा कि चंदवा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का अभाव है, जिससे छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे बाहर जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते, जिससे उनकी प्रतिभा को उचित अवसर नहीं मिल पाता। उन्होंने बताया कि सी एम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना होने से विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षा मिल सकेगी। इस स्कूल में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, समृद्ध पुस्तकालय और खेलकूद की सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने इस पहल की सराहना करते हुए भरोसा दिलाया कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस मुद्दे को प्राथमिकता के साथ उठाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे चंदवा क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। वहीं, युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भी इस प्रयास का समर्थन करते हुए आशा जताई कि जल्द ही इस दिशा में ठोस पहल होगी और क्षेत्र में शिक्षा का स्तर और बेहतर होगा।

किस्त बकाया होने पर फाइनेंस कर्मियों की दबंगई

युवक की बाइक छीनी, धमकी देने का आरोप

ललितपुर। बांसी क्षेत्र में फाइनेंस कर्मियों द्वारा कथित तौर पर दबंगई दिखाते हुए एक युवक की मोटरसाइकिल छीनने और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। थाना जखौरा के कस्बा बांसी निवासी रितिक पटैरिया पुत्र अशोक ने बताया कि उसने 11 अक्टूबर 2022 को बाइक बाजार फाइनेंस से एक मोटरसाइकिल फाइनेंस कराई थी, जिसकी किस्तें वह नियमित रूप से जमा करता आ रहा था। हालांकि, हाल ही में आर्थिक तंगी के चलते उसकी दो किस्तें समय पर जमा नहीं हो सकीं। पीड़ित के अनुसार, 16 अप्रैल 2026 को जखौरा रोड स्थित शिव एसोसिएट के कर्मचारी उसे बांसी के बीच बाजार में रोक लिया और जबरन उसकी मोटरसाइकिल छीन ली। आरोप है कि वाहन को उनके कार्यालय ले जाकर जंजीर से बांध दिया गया है और उसे वापस करने के लिए अवैध रूप से अधिक धन की मांग की जा रही है। रितिक पटैरिया का कहना है कि जब उसने इस कार्रवाई का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ अभद्रता की और धमकी देते हुए कहा कि वह कहीं भी शिकायत कर ले, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसके बाद उसे वहां से भगा दिया गया। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा उसकी मोटरसाइकिल वापस दिलाने की मांग की है। इस संबंध में संबंधित पक्ष का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका है।

वनस्पति विज्ञान में करियर के अवसरों पर व्याख्यान

●बलरामपुर में छात्रों को मिला भविष्य के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर के एम.एल.के. पीजी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग और करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने 'वनस्पति विज्ञान में करियर के अवसर' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को करियर विकल्पों की जानकारी देना और उन्हें भविष्य के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन छात्रों को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें प्रेरित भी करते हैं।मुख्य वक्ताओं में गिरजेश कुमार दूबे, असिस्टेंट कमिश्नर (फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन), शामिल थे। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं और प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी में समय प्रबंधन, अनुशासन और ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

वहीं, सीएसआईआर जेआरएफ खान यासमीन ने नेट और जेआरएफ परीक्षा की तैयारी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वनस्पति विज्ञान के साथ-साथ बायोकेमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन भी सफलता के लिए आवश्यक है। छात्रों को शोध, शिक्षण, प्रशासनिक सेवाओं और अन्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर के विभिन्न विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी गी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रबंध समिति के सचिव कर्नल संजीव कुमार वार्षणेय ने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सलाह दी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जे.पी. पाण्डेय ने ऐसे कार्यक्रमों को छात्रों को सही दिशा देने और उनकी शैक्षणिक यात्रा को मजबूती प्रदान करने वाला बताया।

अंत में, डॉ. मो. अकमल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक डॉ. ऋषि रंजन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपने सवालों के माध्यम से करियर से जुड़ी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

अमझर प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बीच किया गया पोशाक वितरण

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- बसरिया पंचायत के ग्राम अमझर स्थित प्राथमिक विद्यालय अमझर में कक्षा 1 एवं 2 के छात्र-छात्राओं के बीच पोशाक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को ड्रेस के साथ-साथ जूता एवं मोजा भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया मंजू देवी के प्रतिनिधि शिव नारायण पासवान ने बच्चों के बीच पोशाक का वितरण किया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक गोपाल साव, शिक्षक जयकरण ठाकुर, बिपिन कुमार, श्रवण रविदास, अभिभावक केदार यादव सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

जीटीपीएस चंदवा का शानदार प्रदर्शनः सीबीएसई 10वीं में 100% रिजल्ट, नमन कुमार बने स्कूल टॉपर

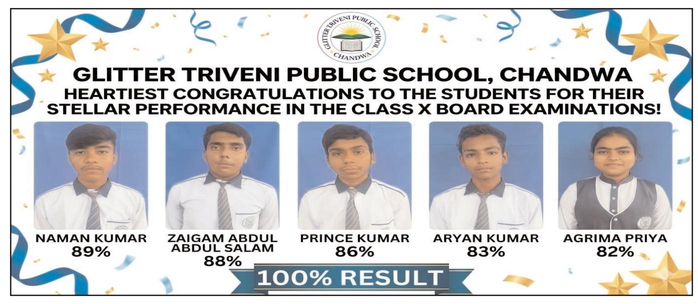

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- स्थित ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल (जीटीपीएस) ने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों के सफल होने से पूरे स्कूल परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इस वर्ष नमन कुमार ने 89% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया और टॉपर बने। वहीं जैगम अब्दुल सलाम 88% अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। प्रिंस कुमार ने 86% अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा आर्यन कुमार (83%) ने चौथा और अग्रिमा प्रिया (82%) ने पांचवां स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य हिमांशु सिंह ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। वहीं विद्यालय की निदेशिका कादंबरी सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से ही सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस शानदार परिणाम से विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों में भी गर्व का माहौल है। सभी ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों का इटखोरी स्थित माता भद्रकाली मंदिर में शैक्षणिक भ्रमण

●इतिहास और संस्कृति से हुए रूबरू, प्रत्येक शनिवार आयोजित होता है एजुकेशनल टूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखण्डः- बरही देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शनिवार को इटखोरी स्थित प्रसिद्ध माता भद्रकाली मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने इटखोरी के ऐतिहासिक महत्व एवं मंदिर के समृद्ध इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को उनके असाइनमेंट के आधार पर शोध (रिसर्च) करने का कार्य दिया गया, जिससे वे स्थल की विशेषताओं को समझ सकें और अपने ज्ञान को व्यवहारिक रूप में विकसित कर सकें। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक शनिवार को इस प्रकार के एजुकेशनल टूर आयोजित किए जाते हैं, जिससे बच्चों को किताबों के साथ-साथ वास्तविक जीवन से भी सीखने का अवसर मिले।

इस दौरान प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यापक बनाते हैं और उन्हें चीजों को समझने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। वहीं विद्यालय प्रबंधक विकास सिंह ने कहा कि हम बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देते हैं। इस प्रकार के टूर से बच्चों में जिज्ञासा, समझ और आत्मविश्वास बढ़ता है। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक अमरजीत पांडेय एवं विकास गुप्ता विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे और उन्हें विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया। इधर, विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं (साइंस एंड ह्यूमैनिटीज) में नामांकन प्रक्रिया जारी है। यहां पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल लर्निंग, एजुकेशनल टूर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं (नीट, आईआईटी-जेईई, सीयूईटी, क्लैट एनडीए) की तैयारी भी कराई जाती है।

रोरवा में राष्ट्रीय नव निर्माण सेना विशाल हस्ताक्षर अभियान, निकाली गई जागरुकता रैली

●यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक कोन अस्पताल में महिला चिकित्सक और हड्डी रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं हो जाती है, यह जनता का अधिकार है इसे हर हाल में दिलाया जाएगा- आनंद पटेल दयालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/ सोनभद्र – राष्ट्रीय नव निर्माण सेना ट्रस्ट के तत्वाधान में आनन्द पटेल दयालु के नेतृत्व में कोन क्षेत्र के अस्पताल की बदहाल व्यवस्था को सुधारने के लिए एक बड़ा जन्नांदोलन चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में रॉबर्ट्सगंज विधानसभा के ग्राम पंचायत रोरवा में विशाल हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता रैली निकाली गई । बतादें कि इस क्षेत्र की आबादी लगभग 2 लाख है लेकिन अस्पताल में न तो विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध है न ही आवश्यक जांच की सुविधा और न ही अस्पताल में महिला चिकित्सक है । किसी महिला को हड्डी की समस्या होने पर लगभग 70 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है ,जिससे समय धन और परेशानी तीनों का बोझ उठाना पड़ता है।

इस गंभीर समस्या को देखते हुए आनन्द पटेल दयालु के नेतृत्व में लगातार संघर्ष किया जा रहा है। श्री दयालु के पत्र का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने तत्काल उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को पत्र प्रेषित किया है। फिर भी आम आदमी की सुध लेने वाला कोई नहीं है । जिसके कारण है कि यह अभियान अब गांव गांव तक पहुंचाया जा रहा है और हर गांव में रैली और हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। आगे श्री दयालु ने कहा कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक कोन अस्पताल में महिला चिकित्सक और हड्डी के डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हो जाती। यह जनता का अधिकार है और इसे हर हाल में दिलाया जाएगा।

इस अभियान में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष कनौजिया शुक्ला पटेल विनय पटेल शंभू पटेल , वीरेंद्र भारती राजेश भारती, बिखलेश कुमार, लखन लाल त्रिपाठी ,नकुल पटेल ,राम बचन ,राजेश भारती, शंभू भारती सहित सैकड़ो लोग जन जागरूकता अभियान में शामिल रहे। अन्त में सभी ने एक स्वर में नारा लगाया -चाहे जो मजबूरी हो ,हमारी मांगे पूरी हो।

दलित बस्ती में पानी का संकट

टैंकर से जल आपूर्ति की मांग

ललितपुर। नगर क्षेत्र के विष्णुपुरा वार्ड नंबर-02 स्थित दलित बस्ती में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पीने योग्य पानी की व्यवस्था कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि वार्ड नंबर-02 विष्णुपुरा में दलित वर्ग के मेहनतकश गरीब व मजदूर परिवार निवास करते हैं, जहां पिछले कई वर्षों से पानी की समस्या बनी हुई है। इस संबंध में कई बार जल संस्थान व जल निगम को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की कमी के चलते उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वह आक्रोशित भी हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि जल्द से जल्द पेयजल की समुचित व्यवस्था कराई जाए तथा तब तक के लिए पानी के टैंकरों से वैकल्पिक आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रार्थना पत्र पर मोहल्ला विष्णुपुरा के कई निवासियों के हस्ताक्षर भी दर्ज हैं।

घरेलू विवाद ने लिया हिंसक रूप

●जेठ-जेठानी पर महिला से मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र स्थित एम्बोलसिया कॉलोनी में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां एक महिला के साथ उसके ही जेठ और जेठानी द्वारा मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एम्बोलसिया कॉलोनी ए-13 निवासी आकांक्षा सोनी पत्नी रविकांत सोनी ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 17 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने घर में मौजूद थीं। तभी उनके जेठ श्रीकांत सोनी और जेठानी लखवानी सोनी ऊपर वाले फ्लोर से नीचे आए और सास के साथ विवाद करने लगे। पीड़िता के अनुसार, जब उन्होंने बीच-बचाव किया तो दोनों आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि जेठ-जेठानी ने बर्तन का डिब्बा उठाकर उन पर हमला कर दिया, जिससे उनके बाएं हाथ की उंगली में खून निकलने वाली चोट आई तथा हाथ में अंदरूनी चोटें भी आईं। शोर मचाने पर भी आरोपियों ने धक्का-मुक्की की और बाद में जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले भी करीब तीन महीने पूर्व दोनों आरोपियों द्वारा उनके साथ झगड़ा और गाली-गलौज की जा चुकी है। घटना से आहत पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 0426/2026 पंजीकृत किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

अग्नि सृष्टि की सहायिका है तो विनाश का पर्याय भी - डॉ. आशुतोष मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर कानपुर नगर। डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु अग्नि सुरक्षा अभ्यास का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण एनयूपीपीएल के अधिकारियों एवं अग्निशमन विभाग के सहयोग से सम्पन्न हुआ। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि आग मुख्यतः गैस, ज्वलनशील तरल, विद्युत तथा ठोस पदार्थों से लगती है तथा प्रत्येक प्रकार की आग से निपटने के लिए अलग-अलग अग्निशामक यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। साथ ही, आग लगने की स्थिति में सतर्क रहना, घबराहट से बचना, सही यंत्र का प्रयोग करना एवं शीघ्र सुरक्षित स्थान पर पहुँचने के उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने सीआईएसएफ के अग्निशमन विभाग एवं परियोजना अधिकारियों के प्रति इस सफल प्रशिक्षण हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा– 'अग्नि जहाँ एक ओर सृष्टि के निर्माण में सहायक है, वहीं असावधानी होने पर विनाश का कारण भी बन सकती है; इसलिए जागरूकता और सही प्रशिक्षण ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा है। अभ्यास के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया तथा आपातकालीन निकासी की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में सुरक्षा जागरूकता, आत्मविश्वास एवं आपदा प्रबंधन कौशल विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ।

विद्यालय समय परिवर्तन को बीएसए को सौंपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने उठायी मांग

ललितपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद ललितपुर (संबद्ध-अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ नई दिल्ली) के जिलाध्यक्ष एवं मांडलिक मंत्री विनोद निरंजन के नेतृत्व में भीषण गर्मी एवं लू को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के परिषदीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत नन्हें-मुन्हें बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए विद्यालयों के समय परिवर्तन हेतु सुबह 7.30 से दोपहर 12.30 तक करने के सम्बन्ध में माननीय जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन बीएसए को सौंपा गया। इसके सम्बन्ध में बीएसए ने सकारात्मक आश्वासन दिया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष विनोद निरंजन, ब्लॉक जखौरा अध्यक्ष सत्येंद्र जैन, जिला संगठन मंत्री हरिनारायण चौबे, ब्लॉक बार अध्यक्ष ब्रजेश चौरसिया, ब्लॉक बिरधा उपाध्यक्ष संतोष प्रसाद, अविनेश कुमार मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में लापरवाही का आरोप

●ब्लड सैंपल नष्ट, फर्जी रिपोर्ट बनाने का आरोप

अधिवक्ता ने डीएम से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्वायत्त राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं मान्यवर कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय के चिकित्सा कर्मियों पर गंभीर लापरवाही, अभद्रता और फर्जी मेडिकल रिपोर्ट तैयार करने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग की है। निकटवर्ती ग्राम बुढ़वार निवासी अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक ने जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि बीती 01 अप्रैल 2026 की शाम करीब 7 बजे अचानक चक्कर आने और पैरों में दर्द की समस्या के चलते वह मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी विभाग में उपचार हेतु पहुंचे। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार देने के बाद कुछ जांचें लिखीं। उसी दिन पैथोलॉजी विभाग में उनका ब्लड सैंपल लिया गया और 02 अप्रैल को रिपोर्ट लेने के लिए कहा गया। अधिवक्ता का आरोप है कि जब वह अगले दिन सुबह करीब 8 बजे रिपोर्ट लेने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि उनका ब्लड सैंपल नष्ट हो गया है और दोबारा सैंपल देना पड़ेगा। इस पर उन्होंने आपत्ति जताई और इसे गंभीर लापरवाही बताया। आरोप है कि शिकायत करने की बात कहने पर पैथोलॉजी कर्मियों ने दोबारा सैंपल लेने से मना कर दिया और उनके साथ अभद्रता करते हुए अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। पीड़ित के अनुसार, उन्होंने इस मामले की शिकायत मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारियों से की, जिसमें वाइस प्रिंसिपल डा.श्रुति एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग के डा. अंकुर को भी अवगत कराया। अधिवक्ता का कहना है कि 15 अप्रैल को व्हाट्सएप के माध्यम से पर्चा भेजने पर उन्हें बताया गया कि उनकी जांच रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जिसमें थाइराइड जांच भी शामिल है। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने 16 अप्रैल को मेडिकल कॉलेज पहुंचकर पूछा कि बिना सैंपल दिए थाइराइड रिपोर्ट कैसे तैयार हो गई, तो कर्मियों ने फिर से अभद्र व्यवहार किया और कोई रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस लापरवाही के कारण उनका इलाज समय पर नहीं हो सका, जिससे उनकी तबीयत लगातार खराब बनी हुई है। साथ ही, पिछले दो सप्ताह में वह अपने वकालत के कार्य नहीं कर सके, जिससे उन्हें लगभग 1 लाख रुपये की आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज में आम नागरिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है और प्रभावशाली लोगों को प्राथमिकता दी जाती है। अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, दोषी कर्मचारियों को निलंबित किया जाए तथा उन्हें हुई आर्थिक क्षति की भरपाई कराई जाए। इस संबंध में संबंधित चिकित्सा संस्थान के अधिकारियों का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका है।

संक्षिप्त खबरें

बाहुबली नगर में जल निगम की लापरवाही

खोदी सड़कें बनी मुसीबत, मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से दहशत

ललितपुर। शहर के बाहुबली नगर कॉलोनी में जल निगम द्वारा कराए जा रहे पाइपलाइन कार्य ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बिना समुचित योजना और सुरक्षा इंतजामों के की जा रही खुदाई के चलते जगह-जगह सड़कें खोदकर छोड़ दी गई हैं, जिससे आमजन का आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय निवासी रिचा जैन ने बताया कि पिछले करीब 10 दिनों से कॉलोनी की मुख्य गली खुदी हुई पड़ी है। न तो किसी प्रकार के चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही खुदाई के बाद गड्ढों को भरा गया है। इससे बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना जोखिम भरा हो गया है। स्कूल जाने वाले कई बच्चे फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। वार्ड के सभासद ने आरोप लगाया कि जल निगम ने कार्य शुरू करने से पहले न तो नगर पालिका से समन्वय किया और न ही स्थानीय निवासियों को इसकी जानकारी दी। पाइपलाइन डालने के बाद गड्ढों को खुला छोड़ दिया गया है, जिनमें पानी भरने से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है। शाम के समय घरों के बाहर बैठना तक मुश्किल हो गया है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। निवासियों का कहना है कि ठेकेदार रात में काम कर चला जाता है और दिन में मौके पर कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं रहता। खराब सड़क और पानी भरे गड्ढों के कारण कई बाइक सवार फिसलकर गिर चुके हैं, जिससे हादसों की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पाइपलाइन कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए, सभी गड्ढों को तत्काल भरा जाए तथा मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग कराई जाए। इस संबंध में जल निगम के जूनियर इंजीनियर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

जमीन विवाद में गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी

चार नामजद पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के पिसनारी इलाके में जमीन विवाद को लेकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिसनारी आरटीओ नहर रोड निवासी सुरेश कुमार ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पिसनारी स्थित उनकी पैतृक जमीन पर कुछ लोग अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार, 16 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने पिता शिवनारायण शर्मा और भतीजे अंकुर शर्मा के साथ अपनी जमीन पर मौजूद थे। इसी दौरान मोहल्ला पिसनारी निवासी बाबूलाल, ओमी, राहुल और धनिराम मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर सभी आरोपी झगड़ा करने पर आमादा हो गए और पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों के आपराधिक प्रवृत्ति के होने की बात भी पीड़ित ने कही है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने भी पूरा घटनाक्रम देखा। घटना से घबराकर पीड़ित अपने परिवार के साथ घर लौट आया और बाद में कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 131, 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

ट्रक संचालन को लेकर मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। शहर के मोहल्ला पिसनारी बाग में एक विधवा महिला के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना कोतवाली के पिसनारी बाग निवासी नीतू यादव पत्नी स्व.वीरपाल यादव ने पुलिस को बताया कि उनके पति की मृत्यु करीब 6-7 महीने पहले हो गई थी। उनके पति ट्रक संचालन का कार्य करते थे। आरोप है कि विपक्षी जयंती, निराशा यादव और धर्मेन्द्र यादव अब उस ट्रक का संचालन खुद करना चाहते हैं। पीड़ित के अनुसार, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5 बजे जब वह अपने घर के पास गली में थी, तभी उक्त तीनों आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूसों से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब बीच-बचाव करने पीड़ित की मां फूलकुंवर वहां आई, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 352, 115(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 51.785 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ 04 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा मम्मी का ढाबा के पास अर्द्धनिर्मित भवन से दिनांक 18.04.2026 को समय 01:35 बजे 51.785 किलोग्राम अवैध गांजा, 04 अदद मोबाइल फोन एवं एक अदद स्विफ्ट डिजायर कार क्र14 ष्ट्श्च 6447 के साथ 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के संबंध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-303/2026 धारा 8/20/27ए/29/60 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त क्रमश :शेर बहादुर उर्फ शेरू यादव पुत्र प्रदीप यादव, निवासी पिण्डोरिया, थाना कटका, जनपद अम्बेडकर नगर, उम्र 26 वर्ष, आकृत उर्फ सचिन पाण्डेय पुत्र रामदयाल पाण्डेय, निवासी अचलीपुर, थाना अतरौलिया, जनपद आजमगढ़, उम्र 24 वर्ष, प्रतीक चौबे उर्फ डम्पी पुत्र नरसिंह चौबे, निवासी भटपुरवा पटखौलिया थिरईपट्टी, थाना अतरौलिया, जनपद आजमगढ़, उम्र 32 वर्ष, राज दूबे उर्फ मोहित पुत्र अरविन्द कुमार दूबे, निवासी दुबौली पोस्ट अजमलपुर, थाना कटका, जनपद अम्बेडकर नगर, उम्र 20 वर्ष।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से नि0 रामस्वरूप वर्मा, प्रभारी निरीक्षक थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उ0नि0 राजेश जी चौबे, प्रभारी एसओजी/सर्विलांस,उ0नि0 विनोद कुमार यादव, चौकी प्रभारी चूर्क, उ0नि0 उमाशंकर यादव, चौकी प्रभारी लोढ़ी सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मिला सम्मान

सिद्धार्थनगर / बिस्कोहर नगर पंचायत के श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर वार्ड-7 स्थित कंपोजिट विद्यालय कोहडौरा में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से किया। बैठक में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 'निपुण प्रमाण पत्र' देकर प्रोत्साहित किया गया, वहीं उनके अभिभावकों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने संचारी रोगों से बचाव और टीकाकरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया। अभिभावकों से नवीन नामांकन बढ़ाने और बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की गई। इस दौरान प्रधानाध्यापक गोपेश दूबे, सहायक अध्यापक रघुनंदन कुमार, यशोदानंद मिश्र, पिंगल प्रसाद, अंजली चौधरी, अखिलेश विश्वकर्मा सहित अभिभावक अनीता चौधरी, रेखा, विजय लक्ष्मी और श्रीराम आदि मौजूद रहे।

घर में घुसा युवक, आहट पाकर घर के लोगों ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम बरहल में शनिवार की देर रात एक युवक चोरी की नीयत से एक घर में घुस गया। घर के लोगों की उसकी आहट से आंख खुल गई। शोरगुल मचने पर आस-पड़ोस के लोगों ने भाग रहे उक्त युवक को पकड़ लिया और उसे पुलिस को सौंप दिया। घर के स्वामी का आरोप है कि उक्त युवक ने अपने साथियों के साथ उसके घर में घुसकर नकदी और जेवर चोरी कर लिए। विरोध करने पर उसके (घर के स्वामी) साथ मारपीट भी की गई। उक्त युवक के साथ उसके अन्य साथी मौके से भाग जाने में सफल हो गए।

ग्राम बरहल निवासी सद्दाम हुसैन ने थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह शनिवार रात परिवार के साथ घर में सो रहा था। तभी देर रात गांव का ही अनिल गुर्जर अपने तीन-चार साथियों के साथ छत के रास्ते घर में घुस आया। आरोप है कि बदमाशों ने अलमारी और बक्से के ताले तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर व करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। आहट होने पर वह और परिवार के अन्य लोग जाग गए और उक्त युवक सहित उसके साथियों को चोरी करते देख लिया। पकड़ने की कोशिश करने पर उक्त सभी तमंचा दिखाकर भागने लगे। भागते समय उक्त युवक ने डंडे से उसके पैर पर वार भी किया। शोरगुल सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और भाग रहे उक्त युवक को पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी फरार हो गए। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक अनिल को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी अवनीश पटेल ने बताया कि युवक से पूछताछ की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी चैक किए जा रहे हैं। जो भी तथ्य निकल कर सामने आएंगे, कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

समाधान दिवस में डीएम ने सुनी जन शिकायतें

●34 शिकायतों में से मौके पर निस्तारित की जा सकी 10 शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- शनिवार को जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान आई 34 शिकायतों में 10 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

डीएम राजेश कुमार पांडे की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, सीडीओ केके सिंह की मौजूदगी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिला स्तरीय अधिकारियों ने मौजूद रह कर लोगों की समस्याएं सुनीं। डीएम ने सख्त और स्पष्ट रूप से विभिन्न विभागों के अधिकारियों को चेतावनी दी कि जनता की समस्याओं को हल्के में लेने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। जनता की उम्मीदों को लेकर अधिकारियों का दायित्व है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेकर गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। नदीगांव ब्लॉक में पदस्थ सचिव प्रशांत दुबे द्वारा आईजीआरएस के मामले में लापरवाही बरतने पर डीएम काफी नाराज दिखे। डीएम के निर्देश पर सीडीओ केके सिंह ने सचिव को सस्पेंड कर दिया। बेजुबानों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए डीएम राजेश कुमार पांडे ने गोशालाओं में गोवंशों को लू से बचाने के लिए समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा संचारी रोग अभियान के तहत साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, नालियों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि 1 मई से सभी तालाब भरने का कार्य शुरू किया जाएगा, इसलिए उससे पहले आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। साथ ही बिजली आपूर्ति पर विशेष ध्यान देते हुए अनावश्यक कटौती न करने के निर्देश भी दिए गए हैं। संपूर्ण समाधान दिवस में कस्बे की रजनी डेंगरे, रिंकी अग्रवाल, आरती तरसौलिया, बबीता सोहाने आदि ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि विगत कई वर्षों से नगर पालिका के सामने पुराने सरकारी अस्पताल में स्थित मैथिलीशरण गुप्त पार्क में बने कमरे में योग कराया जाता है। दो घंटे के लिए उक्त कमरा सुबह 5:30 से 7:30 तक खुलवाने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया जाए। ग्राम चांदनी के ग्रामीणों ने कच्चे रास्ते को सीसी सड़क कराने की मांग की। गांव के महावीर प्रसाद, रामबाबू, दीपू, मनोज, बसंत लाल, पूर्ण सिंह, गजई आदि का कहना है कि कोंच-बसोब रोड से खेल मैदान होते हुए पूर्ण सिंह कुशवाहा के मकान तक जाने वाले चकरोड के कच्चा होने की वजह से ग्रामीणों को बरसात के दिनों में भारी परेशानी होती है। मालवीय नगर में किष्किंधा के समीप की तमाम महिलाओं ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की जगह पर पुनः पुराने मीटर ही लगाए जाने की मांग की। इस दौरान एसडीएम ज्योति सिंह, सीओ परमेश्वर प्रसाद, सीएमओ डॉ. वीरेंद्र कुमार, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, प्रभारी तहसीलदार वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, डीआईओएस राजकुमार पंडित, बीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, बीडीओ प्रशांत कुमार, आपूर्ति निरीक्षक मनोज तिवारी, एसडीओ बिजली रवींद्र कुमार, मंडी सचिव सोनू, एडीओ देवीशरण, कोतवाल कोंच ब्रजेश बहादुर सिंह, कैलिया एसओ अवनीश पटेल, एसएचओ नदीगांव शशिकांत सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

केरल के हिंदी कवि डॉ. आनंदकृष्णन एडचेरी को अंबेडकर कीर्ति सम्मान से नवाजा गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रोहिणी /नागौर – वरिष्ठ हिंदी कवि , अनुवादक एवं अध्यापक डॉ.आनंदकृष्णन एडचेरी को अंबेडकर कीर्ति सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। नागौर जिले के रोहिणी ग्राम में आयोजित अखिल भारतीय कबीर मठ , सदगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू व डॉ अंबेडकर प्रतिमा अनावरण सेवा समिति रोहिणी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती महोत्सव व बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर साहब की प्रतिमा अनावरण समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें अतिथियों द्वारा सम्मान पत्र भारत का संविधान पुस्तिका व उपरणा पहनाकर सम्मानित किया गया। आपको यह सम्मान शैक्षिक , सांस्कृतिक , साहित्यिक व हिंदी प्रचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के लिए दिया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरेन्द्र मिर्धा विधायक नागौर डॉ मंजू मेघवाल पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार महंत डॉ नानक दास जी महाराज, भामाशाह प्रेम रतन शर्मा आदि की गरिमामय उपस्थिति में प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन आकाशवाणी नागौर उद्घोषक शरीफ छिपा ने किया। डॉ.आनंदकृष्णन एडचेरी मुन्नाड़ राजकीय माध्यमिक विद्यालय के सेवा निवृत्त अध्यापक एवं सक्रिय सांस्कृतिक कार्यकर्ता है । वर्तमान में आप सपर्या सांस्कृतिक समिति (केरल) के राज्यस्तरीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं भारतीय कला साहित्यिक सभा के कासरगोड़ जिला स्तरीय संयोजक है। परग्रही , तिरिच्चरिवु , महात्मा गाँधी , हृदय की पुकार , आवाज़ दिल की , बदलते समाज आदि आपकी मुख्य रचनाएँ हैं। डॉ.आनंदकृष्णन एडचेरी को मिले इस सम्मान पर बिहार के प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. अभिषेक कुमार , दिल्ली के प्रसिद्ध पत्रकार और कवयित्री प्रतिमा पाठक, हैदराबाद की लेखिका एवं सामाजिक कार्यकत्री एकता गुप्ता , कवि डॉ. नीरज कुमार नीर, उत्तराखंड के प्रसिद्ध साहित्यकार पंकज साहिल और कई गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई देते हुए खुशी जाहिर की है।

आठ माह से खुदी पड़ी सड़क बनी मुसीबत

पाइप लाइन न डालने पर जल निगम के खिलाफ आक्रोश

ललितपुर। नगर के वार्ड नं. 17 स्थित क्षेत्रपाल मंदिर के पीछे जल निगम की लापरवाही से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि विभाग द्वारा करीब आठ माह पूर्व पाइप लाइन डालने के लिए सड़क व नालियों की खुदाई कर दी गई, लेकिन आज तक न तो पाइप डाले गए और न ही खुदी हुई सड़क की मरम्मत कराई गई। स्थानीय पार्षद कुन्दन पाल ने बताया कि सड़क और नालियों के लंबे समय से खुले पड़े रहने के कारण क्षेत्र में आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। खासतौर पर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को रोजाना जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है। कई स्थानों पर गडढों में पानी भर जाने से दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश व्याप्त है। पार्षद कुन्दन पाल ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी सदर को प्रार्थना पत्र देकर मांग की है कि जल निगम के अधिकारियों को तत्काल पाइप लाइन डालने और सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

अच्छे समाज का निर्माता होता है शिक्षक- बीएसए

●संकुल स्तरीय शिक्षा चौपाल/स्कूल चलो अभियान का उच्च प्रा.वि. क्योलारी में हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नदीगांव खंड शिक्षा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट क्योलारी में शनिवार को संकुल स्तरीय शिक्षा चौपाल/स्कूल चलो अभियान सहित वार्षिक परीक्षाफल/पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्रप्रकाश एवं खंड शिक्षा अधिकारी नदीगांव शैलेन्द्र कुमार उत्तम शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथियों में उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के संरक्षक महेन्द्र सिंह भाटिया, जिला मंत्री नरेश निरंजन, संयुक्त मंत्री उपवन सिंह, योगेश निरंजन मुखिया, दिलीप तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक निरंजन, मंत्री केशव द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेन्द्र कुशवाहा, कोषाध्यक्ष अंकित दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बीएसए सहित अन्य सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर की, तदोपरांत प्रधानाध्यापक महेन्द्र सिंह, शिवेन्द्र निरंजन, त्रिभुवन नारायण द्विवेदी, रामेंद्र पटेल, रचना, दिव्यांशु भारती, वीरेंद्र सिंह, निर्भय बादल ने अतिथियों का माल्यार्पण कर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया। शिक्षण सत्र 2025-26 के बच्चों को पुरस्कार वितरण के साथ ही कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में शामिल ग्रामीण अभिभावकों के बीच बोलते हुए बीएसए ने कहा कि शिक्षक समाज का निर्माता होता है। शिक्षक बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी देता है। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षक एवं अभिभावक की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों का नामांकन समय से स्कूल में कराएं जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ ही तमाम सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। महेन्द्र भाटिया ने कहा कि संघ हमेशा शिक्षकों के हित में संघर्ष करता है। टीइटी अनिवार्यता के मुद्दे पर संघ आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। नरेश निरंजन ने कहा कि शिक्षक स्कूल के साथ साथ सरकारी कार्यो का निर्वहन भी करता है, यदि किसी भी शिक्षक को कोई समस्या है, उसके लिए संघ हर तरह से आगे आकर शिक्षक हित की आवाज उठाता है। कार्यक्रम का संचालन कृष्णकांत वाजपेई ने किया। इस मौके पर एआरपी द्वय गौरव शुक्ला, हरिमोहन, स्पेशल एजुकेटर नीरज पांचाल, वरिष्ठ शिक्षक रामसिंह निरंजन, राजीव निरंजन, अनिल निरंजन, उमेश पटेल, रविंद्र कुमार, प्रवीण कुमार, दीपेश यादव आदि उपस्थित रहे।

समय पर पहुंची एएलएस एंबुलेंस

गंभीर मरीज को मिला जीवनदान

ललितपुर। जिला अस्पताल में संचालित एएलएस (एडवांस लाइफ सपोर्ट) एंबुलेंस सेवा ने एक बार फिर तत्परता दिखाते हुए गंभीर मरीज को समय पर मेडिकल कॉलेज झांसी पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया है। यह सेवा मेड केयर 365 द्वारा संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से गंभीर रूप से घायल या बीमार मरीजों को निशुल्क उच्च स्तरीय चिकित्सा केन्द्रों तक पहुंचाया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल में भर्ती अशोक कुमार (70 वर्ष) को पेट में सूजन और हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों द्वारा मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया गया। मरीज की स्थिति को देखते हुए तुरंत एएलएस एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। एंबुलेंस में मौजूद ईएमटी राकेश और पायलट चंद्रपाल सिंह की सतर्कता व तत्परता के चलते मरीज को सुरक्षित एवं समय पर मेडिकल कॉलेज झांसी पहुंचाया गया, जहां उसे तत्काल भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। मरीज के परिजनों ने मेड केयर 365 एंबुलेंस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मिली इस सुविधा से मरीज को नया जीवन मिला है।

रोवर रेंजर एवं एनसीसी कैडेट्स ने स्टेशन पर चलाया स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को एक प्रेरणादायक स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के रोवर-रेंजर एवं एनसीसी छात्र-छात्राओं द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित किया गया।

रानी लक्ष्मीबाई एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस दल के संयुक्त नेतृत्व में इस अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं ने प्लेटफार्म सहित समूचे स्टेशन परिसर में व्यापक साफ-सफाई की। उन्होंने कूड़ा-कचड़ा हटाकर न केवल स्टेशन परिसर को स्वच्छ बनाया, बल्कि यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। छात्र-छात्राओं ने मौजूद यात्रियों को समझाया कि स्वच्छ वातावरण न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज की सकारात्मक छवि भी प्रस्तुत करता है। इस मौके पर महाविद्यालय के रोवर्स प्रभारी भूपेंद्र त्रिपाठी और एनसीसी प्रभारी हरिश्चंद्र तिवारी ने कहा कि ऐसे अभियानों का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। जब युवा वर्ग समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है, तो वह न केवल खुद में बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। स्वच्छता अभियान के माध्यम से छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। अभियान में इरशाद, हार्दिक पटेल, शिवांश तिवारी, वैष्णवी, शिवानी, स्वाति, सनी ताम्रकार, श्यामजी, राजबाबू, शरद सोनी, हर्ष यादव आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

शिक्षा ही समाज के समग्र विकास का आधार : शिक्षक विधायक

●स्कूल चलो अभियान एवं नवीन नामांकन कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर / विकास क्षेत्र उस्का बाजार अंतर्गत शनिवार को स्कूल चलो अभियान एवं नवीन नामांकन के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने और शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि शिक्षा ही समाज के समग्र विकास का आधार है और सरकार की योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक बच्चा विद्यालय से जुड़ेगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे घर-घर जाकर नामांकन अभियान को सफल बनाएं। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत जायसवाल ने कहा कि नगर क्षेत्र के विद्यालयों के कायाकल्प के साथ स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई जिससे परिषदीय विद्यालय निजी विद्यालयों से प्रतिस्पर्धा कर सके। कार्यक्रम को अभिषेक त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में वर्तमान सत्र में अधिक नामांकन करने वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय चुरिहारी के प्रभारी राकेश सिंह, पीएम श्री परसा खुर्द के बालजीत कुमार व हथिवडताल के श्रीचंद को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केजीबीवी उस्का की छात्राओं ने स्वागत गीत व परसा खुर्द की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। परसा खुर्द के बच्चों द्वारा बनाया गया पिरामिड खूब सराहा गया। कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय मदनपुर के बच्चों द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहा। अवलोकन के दौरान शिक्षक विधायक ने बच्चों के मेहनत को सराहा और शिक्षिका अंकिता चंदेल को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। बीईओ ओमप्रकाश मिश्र ने विभागीय योजनाओं व नामांकन के बारे में जानकारी दिया। पशुपति नाथ दूबे के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में विभूति अग्रहरि, रामेश्वर पांडेय, मयंक पांडेय, मनोज साहनी सहित समस्त एआरपी व बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं लोग उपस्थित रहे।

शक्ति एक पहल फाउंडेशन द्वारा आयोजित शिविर में 176 ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

प्रतापगढ़। ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के संकल्प के साथ 'शक्ति एक पहल फाउंडेशन' द्वारा विकास खंड संडवा चन्द्रिका की ग्राम पंचायत जलालापुर में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती दीपिका सिंह एवं को-फाउंडर प्रेम सिंह ने किया। कार्यक्रम संयोजक संतोष पांडेय पत्रकार के कुशल संचालन और ग्राम प्रधान शिवाजी सिंह के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का उत्तम आयोजन हुआ।शिविर में जनपद के डॉक्टरों द्वारा 176 ग्रामीणों की जाँच की गई।

डॉक्टरों की टीम में डॉ. राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, डॉ.सरिता पाठक,राजीव रजक,अनुपम यादव,फिजिशियन डॉ. दिवाकर तिवारी एवं ऑप्टोमेट्रिस्ट शैलेंद्र तिवारी, लैब टेक्नीशियन नीलेश श्रीवास्तव, अर्जुन यादव एवं राहुल सिंह आदि ने भाग लिया। स्वास्थ्य शिविर में ज्ञान वीर सिंह, प्रिंसिपल सुनीता ठाकुर एवं शिक्षक वशिष्ठ नारायण उपाध्याय का विशेष सहयोग रहा।चेयरपर्सन श्रीमती दीपिका सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य गाँव के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाकर महिलाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनाना है।हम ग्रामीण भारत की प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

अक्षय तृतीया के अवसर पर जीरो चाइल्ड मैरिज डे' अभियान का हुआ आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – शनिवार दिनांक 18-04-2026 को सोनभद्र विकास समिति सोनभद्र एवं चाइल्ड राइट्स एंड यू के सहयोग से संस्था कार्य क्षेत्र के ग्राम कुकराही, हर्दिहवा,अमौली,रैपुरा और ओढिया मे अक्षय तृतीय पर होने वाले संभावित बाल विवाह को रोकने एवं जागरूक करने और बाल विवाह मुक्त भारत' के उद्देश्य को साकार करने के लिये चलाया गया जीरो चाइल्ड मैरिज डे अभियान । जिसमे बताया गया कि बाल विवाह के कारण कम उम्र की लड़कियों को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। इसका उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रशासन ने सभी सामाजिक संस्थाओं, महिला समूहों, ग्राम प्रधानों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं, शिक्षकों और समाज सेवकों से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय निगरानी रखने का आग्रह किया है। उनसे कहा गया है कि वे बाल विवाह की किसी भी सूचना को तुरंत प्रशासन तक पहुंचाएं। संस्था सचिव राजेश चौबे ने बाल विवाह रोकने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की साथ ही लोगो की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर के बारे मे बताते हुए कहे की यदि बाल विवाह की सूचना प्राप्त होती है तो 181, 1098 और 112 पर तुरंत दी जा सकती है साथ ही यह भी बताये की यदि लड़की की उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम है, तो ऐसा विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कानूनन अपराध है। जिसके लिए प्रशासन ने चेतावनी दी है कि बाल विवाह कराने में शामिल पंडित, मौलवी, टेंट हाउस संचालक, बैंड, मैरिज हॉल, हलवाई, माता-पिता और अन्य सहयोगी सभी दोषी माने जाएंगे। और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दोषियों को दो वर्ष तक का कारावास, एक लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। प्रशासन ने यह भी आश्वस्त किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। जिला प्रशासन ने लोगों से बालिकाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए बाल विवाह रोकने में सक्रिय भागीदारी निभाने की भी अपील की है। सामाजिक कार्यकर्त्ता सुनीता द्वारा बताया गया कि बाल विवाह रोकथाम के साथ ही संचारी रोगों की रोकथाम के लिए भी बताया गया।

जागरुकता अभियान मे सोनभद्र विकास समिति से काउंसलर साधना सिंह, सामाजिक कार्यकर्त्ता रेखा, रिना शर्मा, रीमा, सुनीता,दिनेश कुमार कोआर्डिनेटर, आगनवाड़ी कार्यकत्री सहित बड़ी संख्या में बच्चें, किशोरियां एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

डी.ए.वी. ग्राउंड पर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

कानपुर। आज दिनांक 18 अप्रैल 2026 को डी.ए.वी. ग्राउंड पर क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (अपराध) श्रवण कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डीसीपी अपराध की गरिमामयी उपस्थिति ने खिलाड़ियों एवं आयोजकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रही और कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) श्रवण कुमार सिंह ने युवा खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया, जिससे प्रतिभागियों में जोश और आत्मविश्वास का संचार हुआ। खेल आयोजन में उनकी सहभागिता न केवल खेलों को प्रोत्साहित करने वाला कदम है, बल्कि क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता और सकारात्मकता को भी बढ़ावा देती है। पुलिस उपायुक्त अपराध श्रवण कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और मेहनत के महत्व को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रेरणादायक उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक सफल एवं यादगार बना दिया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 80 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। जनवरी 2026 में थाना नौबस्ता पर वादी से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 12,82,000 की साइबर ठगी के संबंध में धारा 66D आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई। जांच में ट्रांजेक्शन ट्रेल के आधार पर एक फर्जी ट्रेडिंग कंपनी के खाते का पता चला, जिसमें 3 माह में करीब 80 करोड़ का लेनदेन हुआ। यह जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि प्रकरण में अजय (दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार) के अलावा करन व गुलशन को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं। गिरोह फर्जी जीएसटी नंबरों पर करंट अकाउंट खोलकर ठगी की रकम ट्रांसफर करता था। उत्तर प्रदेश में इस गैंग के विरुद्ध 13 मुकदमे दर्ज हैं तथा लगभग 26 करोड़ की ठगी यूपी से जुड़ी पाई गई है। अब तक 13.5 लाख की धनराशि फ्रीज कराई गई है। अन्य खातों/अभियुक्तों के संबंध में जांच एवं विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर। थाना चकेरी पुलिस एवं सर्विलांस टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए थाना चकेरी पर पंजीकृत अभियोग में एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त शिवम यादव उर्फ कुणाल सिंह निवासी पिपरही जनपद गोरखपुर द्वारा सेना में खेल कोटे से नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी खेल प्रमाण पत्र तैयार कर लोगों को कूटरचित दस्तावेज उपलब्ध कराकर धोखाधड़ी की जा रही थी।

काकादेव में छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र के पांडु नगर में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान इटावा निवासी मोनिका (लगभग 27 वर्ष) के रूप में हुई है, जो यहां रहकर पढ़ाई कर रही थी। बताया जा रहा है कि उसने अपने कमरे में फांसी लगाई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। प्राथमिक तौर पर मामला संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या का बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश, 80 करोड़ से अधिक के लेन-देन का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना नौबस्ता पुलिस को एसटीएफ लखनऊ के सहयोग से एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। थाना नौबस्ता पर पंजीकृत मुकदमा 03/2026 आईटी एक्ट व 318(4)/111(3) बीएनएस की विवेचना के दौरान एक संगठित अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। थाना नौबस्ता पर पंजीकृत मुकदमा के वादी को मोबाईल फोन पर एक फेसबुक से लिंक भेजा गया जिसमें वादी मुकदमा को शेयर ट्रेडिंग हेतु एक्विटी ग्रुप में जोड़ने हेतु कहा गया जो लिंक भेजा गया था, उससे जुड़ने के पश्चात वादी मुकदमा को सम्मिलित करते हुये एक व्हाटसएप ग्रुप बनाया गया, जिसका नाम श्रद्धा शक्ति था, उक्त व्हाटसएप ग्रुप पर शेयर ट्रेडिंग और शेयर में अधिक मुनाफा को दिखाते हुये मुझसे पैसे लगाने के लिये कहा गया जिसमें वादी मुकदमा के द्वारा विभिन्न तिथियों में कुल सात लाख रूपए ट्रांसफर किए। जिसके उपरांत वो एप बंद कर दिया गया एवं वादी मुकदमा का पैसा साइबर फ्राड के जरिए चला गया है। तत्पश्चात वादी मुकदमा के द्वारा NCRP पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुये थाना नौबस्ता पर अभियोग पंजीकृत कराया।

विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि वादी से ठगी गई धनराशि को विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से घुमाते हुए नई दिल्ली स्थित एक खाते में पाँचवीं लेयर तक ट्रांसफर किया गया। जांच में पाया गया कि उक्त बैंक खाते के विरुद्ध देशभर में लगभग 600 से अधिक NCRP पोर्टल पर शिकायतें दर्ज हैं तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 13 एफआईआर पंजीकृत हैं। उक्त पंजीकृत अभियोगों में लगभग 26 करोड़ का साईबर फ्राड किया गया है, फ्राड की गयी धनराशि उक्त संदिग्ध धारक अजय कुमार निवासी अबोहर के दिल्ली स्थित खाते नेशनल अर्बन कोआपरेटिव बैंक डी न्यू कोन्डली मयूर विहार फेस 3 दिल्ली खाता संख्या 020100216701 जो कि ए0 के0 ट्रेड लिंक में जाना प्रदर्शित है उक्त खाते में मात्र 3 माह में लगभग 80 करोड़ रुपये का लेन-देन पाया गया। अभियुक्तों के द्वारा पूर्व में एक व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट करते हुये पैसे प्राप्त किये गये, बाद में करीब 35 लाख रूपयों को खाता धारक अजय कुमार निवासी अबोहर के दिल्ली स्थित खाते नेशनल अर्बन कोआपरेटिव बैंक डी 1/50-51 न्यू कोन्डली मयूर विहार फेस 3 दिल्ली खाता संख्या 020100216701 जो कि ए0 के0 ट्रेड लिंक के नाम से पंजीकृत है, इस खाते से उस व्यक्ति को वापस किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना नौबस्ता पुलिस टीम द्वारा जनपद फाजिल्का (पंजाब) के अबोहर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि खाता अजय कुमार निवासी अबोहर के नाम से खुलवाया गया था, जो कि मोची का काम करता था, जिसे उसके सहयोगियों करण कसेरा एवं गुलशन कुमार 'लिटिल मोंगा' व 'कालरा' द्वारा संचालित किया जा रहा था। मुख्य खाताधारक अजय कुमार पूर्व में दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत लाभार्थी को मिले दो लाख के चेक

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बैंक द्वारा मृतक आश्रित को दो लाख रूपये का चेक प्रदान किया गया। स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक बृजेशमणि त्रिपाठी ने लालगंज के सलेम भदारी निवासी भण्डारी लाल गुप्ता की मृत्यु पर इस बीमा योजना के तहत मृतक की वारिस गंगा देवी को बैंक की ओर से दो लाख रूपये का चेक प्रदान किया। शाखा प्रबंधक ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभों की जानकारियां भी प्रदान की। इस मौके पर सरिता सिंह, विनोद कुमार, यश, शिवम, प्रतिभा, जया, सरफराज, निखिल व अजय आदि रहे।

नवाबगंज में ड्रग सप्लायर्स गिरफ्तार, एलएसडी समेत कई मादक पदार्थ बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नवाबगंज थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थ बरामद हुए हैं। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल के निर्देशन तथा एडीसीपी क्राइम सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर नवाबगंज थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी गेट के पास स्थित एक होटल में छापा मारा, जहां से दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जाजमऊ निवासी मोहम्मद फरदीन और संतनगर निवासी मोहित जायसवाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों के पास से 0.15 ग्राम एलएसडी, 5.49 ग्राम चरस, 23.47 ग्राम गांजा, 0.60 ग्राम हशीश और 1.19 ग्राम कोकीन बरामद की गई। इसके अलावा पांच क्रशर, स्मोकिंग फिल्टर, स्मोकिंग पेपर, दो मोबाइल फोन और 49,200 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। पुलिस का कहना है कि मौके पर कथित तौर पर नशे से संबंधित गतिविधियों की तैयारी की जा रही थी, हालांकि इसकी पुष्टि के लिए जांच जारी है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक राहुल कुमार, मनीष कुमार, सत्यप्रकाश, दिवेश कुमार, जितेंद्र साहू, हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार और मुख्य आरक्षी अवनीश कुमार की अहम भूमिका रही।

कानपुर में अब मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न व हूटर की बिक्री की तो होगी सज़ा, जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार सम्भागीय परिवहन कार्यालय, कानपुर नगर में जनपद के समस्त डीलरों, मोटर गैराज एवं वर्कशॉप संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गयी तथा उन्हें विधिक प्रावधानों से अवगत कराया गया कि मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न अथवा हूटर की बिक्री एवं स्थापना करने वाले मोटर गैराज / वर्कशॉप आदि युक्त वाहनों से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 182ए (3) के अर्न्तगत विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी तथा जुर्माना अधिरोपित किया जा सकता हैं। इस जुर्माने के शमन की शक्ति उप परिवहन आयुक्त एवं उनसे ऊपर के अधिकारियों में निहित हैं। जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने मोटरयान में अनधिकृत अल्ट्रेशन करते हुए ऐसा परिवर्तन किया जाता है, तो उनके विरूद्ध मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 182ए (4) के अंतर्गत विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। 182ए (4) के तहत सम्बन्धित वाहन स्वामी को ऐसी अवधि के कारावास से जो छः माह तक की हो सकेगी, अथवा ऐसे प्रत्येक परिवर्तन के लिए पाँच हजार रुपये तक के जुर्माने से अथवा दोनों से दडिंत किया जा सकता हैं। जो कोई व्यक्ति किसी सार्वजानिक स्थान में ऐसा मोटर यान चलाएगा, अथवा चलाने देगा जिससे सड़क सुरक्षा, शोर नियत्रंण एवं वायु प्रदूषण के सम्बन्ध में विहित मानकों का उल्लंघन होता हैं, उनके विरूद्ध मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 190 (2) के अर्न्तगत विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। धारा 190 (2) के तहत सम्बन्धित व्यक्ति प्रथम अपराध के लिए तीन माह तक के कारावास अथवा दस हजार रूपये तक के जुर्माने अथवा दोनों से दडनीय होगा और तीन माह की अवधि के लिए अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) धारण करने हेतु निरर्हित हो जाएगा। उक्त से स्पष्ट है कि जो वाहन चला रहा है या चलवा रहा है, वह व्यक्ति उक्त जुर्माने का दायी होने के साथ-साथ उसका ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिये अयोग्य (disqualified) कर दिया जायेगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक सौ तैंतालिस में तेरह का हुआ निस्तारण

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक सौ तैंतालिस प्रार्थना पत्रों में तेरह का निस्तारण हुआ। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में हुए समाधान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की अठासी, पुलिस चौबीस, विकास आठ, बेसिक शिक्षा एक, विद्युत आठ व आपूर्ति की तीन रहीं। समाधान दिवस में विद्युत विभाग के स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर आ रहे बिल की शिकायतें ज्यादा दिखीं। एसडीएम ने एसडीओ विद्युत को इनका परीक्षण कराकर निस्तारण के निर्देश दिये। वहीं सार्वजनिक चकमार्गो तथा तालाबी अराजी पर अतिक्रमण की भी शिकायतें दिखी। एसडीएम ने तहसीलदार गरिमा वर्मा को लेखपाल के क्षेत्रवार निरीक्षण कराकर अवैध अतिक्रमण को हटवाए जाने के निर्देश दिये। समाधान दिवस में सीओ आशुतोष मिश्र ने पुलिस से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई की। लीलापुर निवासी रवीन्द्र कुमार मिश्र ने सीओ को दिये गये प्रार्थना पत्र में बीती सत्रह अप्रैल को दिन में स्कूल से घर वापस आते समय अपने पुत्र शिवांश के साथ मारपीट को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। सीओ ने लीलापुर के प्रभारी निरीक्षक को घटना की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये। इस मौके पर नायब तहसीलदार वीरेन्द्र मिश्र, ईओ इन्द्र प्रताप, वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ल, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, अधीक्षक डा0 अरविन्द गुप्ता आदि रहे।

जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर गौरीगंज में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' अभिमुखीकरण कार्यशाला का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 'मिशन शक्ति अभियान' के अंतर्गत नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर, गौरीगंज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी संजय चौहान द्वारा किया गया। यह कार्यशाला महिला कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में आयोजित की गई, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधानों एवं उसके प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, रिटायर्ड महिला शिक्षकों एवं महिला समूहों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा इससे संबंधित विभिन्न योजनाओं का भी प्रचार-प्रसार किया गया।

इस दौरान महिला एवं बालिका सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, वन स्टॉप सेंटर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य/कोविड), स्पॉन्सरशिप योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इन योजनाओं के पंपलेट वितरित कर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी गौरीगंज प्रीति तिवारी, जिला सेवायोजन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

घाटमपुर तहसील समाधान दिवस में एडीएम, एसडीएम ने सुनी शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। घाटमपुर तहसील स्थित सभागार कक्ष में शनिवार को संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया, यहां पर पहुंचे कानपुर एडीएम आपूर्ति राजेश कुमार, और एसडीएम अविचल प्रताप सिंह, तहसीलदार अंकिता पाठक ने फरियादियों की समस्यायों को सुना,एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं,, शनिवार दोपहर घाटमपुर तहसील सभागार कक्ष में पहुंचे कानपुर के रूमा निवासी धमेंद्र कुमार शुक्ला ने एडीएम आपूर्ति राजेश कुमार को शिकायत पत्र देकर बताया कि उनके पिता गणेश शंकर शुक्ला की मौत 16 नवंबर 1995 को हुई थी जिसका उनके पास म्रत्यु प्रमाण पत्र हैं, उन्होंने आरोप लगाया है कि टैनापुर गांव के रहने वाले श्याम नारायण ने उनके पिता की 16 जून 2020 में म्रत दिखाकर स्थानीय लेखपाल के साथ रहने के चलते सांठगांठ करके लगभग 16 विस्वा ज़मीन को अपने नाम पर चढ़वा ली, इसके बाद श्याम नारायण ने जमीन को लाखों की कीमत में कानपुर के रहने वाले एक व्यक्ति को बेंच दी,,बेटे ने एडीएम से कारवाई की मांग की,एडीएम ने मामले में जांच के निर्देश दिए,इसी प्रकार अजमलपुर गांव निवासी शिवकरण सिंह ने शिकायत प्पत्र देकर आरोप लगाया कि उनके पिता की मौत के बाद उन्होंने जमीन अपने नाम चढ़वाने के लिए कागजात दिए थें, स्थानीय लेखपाल ने उनके साथ रहने वाले प्राइवेट कर्मी के नाम दानपत्र दिखा कर उनकी पूरी जमीन उक्त व्यक्ति के नाम दर्ज कर दी गई है, एडीएम ने मामले में जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए, इसी तरह कई फरियादियों ने शिकायत प्पत्र सौंपे हैं, जिन्हें संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को मिली महत्वपूर्ण सफलता

कानपुर। सुमित सुधाकर रामटेके, अपर पुलिस उपायुक्त (ऑपरेशन्स) के नेतृत्व में नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा एनआरआई सिटी गेट के पास स्थित होटल में छापेमारी कर 2 अभियुक्तों मोहम्मद फरदीन निवासी जाजमऊ, मोहित जायसवाल निवासी फजलगंज कानपुर नगर को गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से कुल- 0.15 ग्राम एलएसडी, 5.49 ग्राम चरस, 23.47 ग्राम गांजा, 0.60 ग्राम हशीश, 1.19 ग्राम कोकीन, 05 अदद क्रशर, 01 पैकेट स्मोकिंग फिल्टर, 04 पैकेट स्मोकिंग पेपर, 02 मोबाइल फोन एवं 49,200 नगद बरामद हुए हैं। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 8/22 NDPS Act के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सीआईएसएफ द्वारा घाटमपुर थर्मल पावर प्लांट में अग्नि शमन सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। घाटमपुर में स्थित सीआईएसएफ द्वारा यमुना पट्टी में स्थित घाटमपुर थर्मल पावर प्लांट में सीआईएसएफ द्वारा अग्नि शमन सेवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया,इस कार्यक्रम का शुभारंभ पावर प्लांट के सीईओ एस दुरई कुमार, सीआईएसएफ के उप कमांडेंट सूरज राय,, सहायक कमांडेंट उपेंद्र कुमार, सहित बल सदस्यों के द्वारा शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिया गया, मुख्य अतिथि सीईओ एस दुरई कुमार ने इस अवसर पर एक अग्नि पुस्तिका का अनावरण किया जिसका थीम, सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल, अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज,आग की रोकथाम के लिए एक हैं, प्राप्त जानकारी के अनुसार 14अप्रैल को अग्नि सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है,उप कमांडेंट सूरज राय ने बताया कि 1944 को मुम्बई में एक दुर्घटना में सैकड़ों नागरिकों की मौत हो गई थी,करीफ100 करोड़ रूपए का नुक़सान हुआ था,इस घटना के बाद भारत सरकार ने 14अप्रैल 1956 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अग्नि शमन सेवा के रूप में मनाया जाएगा,, जिसमें आम जनता को जागरूक करने के लिए अग्नि शमन सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी जाएंगी, अग्नि इंस्पेक्टर रामपाल सिंह यादव, द्वारा सभा का संचालन किया गया, इस अवसर पर इंस्पेक्टर कौशलेंद्र कुमार, निरीक्षक सुरक्षा शाखा अविनेश कुमार, संयंत्र के अन्य अधिकारी गण, सीआईएसएफ के बल सदस्य उपस्थित रहे, घाटमपुर पावर प्लांट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीईओ एस दुरई कुमार ने सीआईएसएफ के बल सदस्यों के कर्तव्य शैली की भूरि भूरि प्रशंसा की कार्यक्रम के अंत में सीईओ एस दुरई कुमार ने दमकल वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तो कि पावर प्लांट के आग पास के गांवों में जाकर नागरिकों को अग्नि जनित दुर्घटनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

ब्लाक बाबा बेलखरनाथधाम में 20 अप्रैल को नि:शुल्क सहायक उपकरण हेतु शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को अधिकतम 15,000 रुपये तक की लागत के कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए जाते हैं। इनमें कृत्रिम हाथ-पैर, कैलीपर्स जैसे बनावटी अंगों के साथ-साथ ट्राईसाइकिल, बैसाखी, कान की मशीन, व्हीलचेयर, एमआर किट, ब्रेल किट, एडीएल किट, स्मार्टफोन एवं टैबलेट जैसे उपयोगी उपकरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक दिव्यांगजन विभाग के आधिकारिक वेब पोर्टल https://divyangjanup.upsdc.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के प्रावधान के अनुसार किसी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष तथा अन्य दिव्यांगजनों को प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार इस योजना का लाभ दिया जाता है।उन्होने बताया है कि जनपद में इस योजना का लाभ दिलाने हेतु 20 अप्रैल को विकास खंड बाबा बेलखरनाथधाम के सभागार कक्ष में एक विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 04 बजे तक चलेगा, जिसमें इच्छुक लाभार्थी अपने आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा।

शार्टसर्किट से दुकान में आगजनी, लाखों का सामान हुआ खाक

लालगंज, प्रतापगढ़। शार्टसर्किट से दुकान में आगजनी के चलते लाखों रूपये का सामान जलकर खाक हो गया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के घुइसरनाथ धाम न्यू मार्केट निवासी शिवरतन साहू ने कास्मेटिक जनरल स्टोर खोल रखा है। शुक्रवार को देर रात उसके परिवार के श्रवण कुमार घर से बाहर आया तब बगल में दुकान से धुंआ उठता देख चीख पड़ा। परिवार के सदस्य के साथ दुकान को खोला गया तब भयंकर आग देखकर वह आवाक रह गया। पीड़ित के मुताबिक शार्टसर्किट से दुकान में आगजनी से लाखों के कीमती सामान जलकर राख हो गये। वहीं आसपास के लोगों ने मशक्कत कर किसी तरह आग पर नियंत्रण किया।

डीएम एसपी की अध्यक्षता में तहसील गौरीगंज में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

●जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद की चारों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान व पुलिस अधीक्षक सरवणन टी की अध्यक्षता में तहसील गौरीगंज में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है, मुख्यमंत्री द्वारा भी जन सामान्य की शिकायतों के निस्तारण को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील गौरीगंज में कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 04 का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील अमेठी में 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 01 का निस्तारण किया गया, तहसील मुसाफिरखाना में 10 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा तहसील तिलोई में 29 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी गौरीगंज प्रीति तिवारी, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, तहसीलदार गौरीगंज सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा थाना इन्हौना का किया गया वार्षिक निरीक्षण

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. द्वारा थाना इन्हौना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम सलामी गार्द द्वारा पुलिस अधीक्षक महोदय को सलामी दी गयी तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा गार्द का निरीक्षण किया गया। तदुपरान्त एसपी द्वारा थाना परिसर, कार्यालय, शस्त्रागार, मेस, बैरिक, मिशन शक्ति केन्द्र व अभिलेखों के रख-रखाव एवं साफ-सफाई आदि का निरीक्षण किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन किया गया। थाना परिसर, कार्यालय आदि की साफ-सफाई व रजिस्टरों का रखरखाव संतोषजनक पाया गया। उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को अच्छी वर्दी धारण करनें, थाने पर आने वाले फरियादियों से मित्रवत व्यवहार करते हुये उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारित करने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियत्रंण, महिला संबंधी अपराधों पर प्रभावी रोकथाम, लंबित विवेचना, लंबित माल निस्तारण एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र व अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के सीआर पार्क में लेनदेन के विवाद में पिता-पुत्र का हत्यारा गिरफ्तार, पहले भी हो चुकी थीं झड़पें

दक्षिणी दिल्ली। सीआर पार्क थाना क्षेत्र में शुक्रवार देररात तारा अपार्टमेंट में एक ही परिवार के दो लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक पिता-पुत्र क्रमशः राकेश सूद व करण सूद की इस वारदात में मौके पर ही मौत हो गई थी। दरअसल, रुपयों के लेनदेन के विवाद में एक युवक ने करण पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। पिता राकेश सूद बचाने आए तो आरोपित उनपर भी ताबड़तोड़ वार करने से पीछे नहीं हटा। इससे पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए था। बीएनएस की संबंधित धारा में केस दर्ज कर आरोपित की तलाश में छापेमारी करते हुए तारा अपार्टमेंट्स में ही रहने वाले आरोपी असद को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक करण सूद अपने परिवार के साथ सीआर पार्क के तारा अपार्टमेंट में रहते थे। करण प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़ा हुआ था। यह उसके पिता राकेश सूद का कारोबार है, जिसमें वह मदद करता था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित और पीड़ितों के बीच लंबे समय से रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार को इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई।

नोएडा हिंसा के बाद श्रमिकों के शोषण पर एक्शनः 10 ठेकेदारों के लाइसेंस रद्द, 42 ब्लैकलिस्ट होने की कगार पर

नोएडा। श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन मामले में शुक्रवार को श्रम विभाग ने वेतन व ओवरटाइम भुगतान में अनियमितताएं पाए जाने पर 24 फैक्ट्रियों के 203 ठेकेदारों को नोटिस जारी किए गए थे। इनमें से शनिवार को 10 ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। जांच में सामने आया है कि ठेकेदार श्रमिकों को दोगुना दर से ओवरटाइम का भुगतान नहीं कर रहे थे।

42 और ठेकेदारों को नोटिस जारी

पीएफ और ईएसआइसी में भी गड़बड़ी की जा रही थी। वहीं, 42 और ठेकेदारों को लाइसेंस निरस्तीकरण और ब्लैकलिस्ट करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। श्रम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जिस कंपनियों और फैक्ट्रियों के बाहर प्रदर्शन हुए उनके ठेकेदारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। जांच में ठेकेदारों की कमियां उजागर हो रहीं हैं। यह ठेकेदार श्रमिकों को ओवरटाइम का सामान्य दर से भुगतान कर रहे थे। समय पर वेतन नहीं देने की सबसे ज्यादा शिकायतें सामने आ रहीं हैं। जांच में अब तक 245 ठेकेदारों को लाइसेंस निरस्तीकरण और ब्लैकलिस्ट करने के नोटिस जारी हो चुके हैं। अन्य फैक्ट्रियों और कंपनियों के ठेकेदारों को भी चिह्नित किया जा रहा है। सोमवार तक नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर लाइसेंस निरस्तीकरण और ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई होगी। श्रमिकों के वेतन और उसके भुगतान को लेकर किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित कंपनी-फैक्ट्री या ठेकेदार पर सीधे तौर पर कार्रवाई होगी। एक अप्रैल से श्रमिकों का बढ़ा हुआ वेतन मान्य है और इसी दर से भुगतान करना होगा।

गाजियाबाद की महिला से राहुल बनकर शादी और होटल में दुष्कर्म, आदिल की खुली हकीकत, अलीगढ़ में प्रधान समेत पांच हुए गिरफ्तार

अलीगढ़। जीटी रोड पर बोनेर के पास ग्रीन पार्क होटल में गाजियाबाद निवासी महिला के साथ दुष्कर्म, बंधक बनाकर रखने और मारपीट के मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोप है कि होटल में साजिश के तहत एक महिला, प्रधान और एक पत्रकार भी इस साजिश में शामिल थे। एसपी सिटी आदित्य बंसल ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि फरवरी में उसकी मुलाकात गाजियाबाद में अलीगढ़ निवासी युवक आदिल अहमद से हुई थी, जिसने अपनी पहचान हिंदू युवक राहुल बनकर बताई। उसने दोस्ती के बाद चार अप्रैल को बहला-फुसलाकर अलीगढ़ के बोनेर चौराहे के पास स्थित ग्रीन पार्क होटल में ले आया। वहां कमरे में उसे बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान मुख्य आरोपित और होटल संचालक वीरु ने महिला के तीन वर्षीय बच्चे की हत्या की धमकी देकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

गोंडा में हैंडपंप करोड़ों का घोटालाः 16 ब्लॉकों की 1214 ग्राम पंचायतों में करोड़ों की निकासी, फाइलों में 'जिंदा'- जमीन पर सूखे हैंडपंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा, संवाददाता। जनपद में पेयजल व्यवस्था सुधारने के नाम पर हुए खर्च को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले के सभी 16 विकास खंडों की कुल 1214 ग्राम पंचायतों में हैंडपंप रिबोर और मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये की निकासी की गई, लेकिन जमीनी हकीकत में अधिकांश हैंडपंप खराब पड़े हैं या पानी देना बंद कर चुके हैं। जिले के बभनजोत, बेलसर, छपिया, कर्नलगंज, हलधरमऊ, इटियाथोक, झंझरी, कटराबाजार, मनकापुर, मुजेहना, नवाबगंज, पंडरीकृपाल, परसपुर, रुपईडीह, तरबगंज और वजीरगंज– इन सभी ब्लॉकों में बड़े पैमाने पर भुगतान हुआ है।

ब्लॉकवार ग्राम पंचायतों का आधिकारिक विवरण इस प्रकार है— रुपईडीह - 106, इटियाथोक - 85, झंझरी - 92, बभनजोत - 79, मनकापुर - 92, कटराबाजार - 78, छपिया - 87, परसपुर - 75, वजीरगंज - 75, कर्नलगंज - 74, नवाबगंज - 71, हलधरमऊ - 68, मुजेहना - 62, तरबगंज - 59, पंडरीकृपाल - 57, बेलसर - 54- टोटल 1214 ग्राम पंचायतें इस दायरे में आती हैं।

'फाइलों में काम, जमीन पर सूखा' ग्रामीणों का आरोप है कि हैंडपंप रिबोर और मरम्मत का कार्य सिर्फ कागजों में ही कराया जाता है। कई जगहों पर केवल फोटो अपलोडिंग के आधार पर कार्य पूर्ण दिखाकर भुगतान निकाल लिया जाता है। जबकि वास्तविकता यह है कि अधिकांश गांवों में हैंडपंप या तो खराब पड़े हैं या पानी देना बंद कर चुके हैं।

भ्रष्टाचार का पैटर्न

बिना कार्य कराए ही भुगतान, फोटो अपलोडिंग के सहारे फाइल क्लोज, एक ही हैंडपंप को कई बार मरम्मत दिखाना, फर्जी फर्मों के जरिए बिल पास करना, जांच के नाम पर लीपापोती,

इस पूरे मामले में कई बार जांच के आदेश दिए गए, लेकिन हर बार कार्रवाई के बजाय औपचारिकता निभाकर फाइल बंद कर दी गई। आरोप है कि बड़े स्तर पर जिम्मेदार लोगों को बचाया जाता रहा है।

आधिकारिक बयान इस संबंध में जिला पंचायती राज अधिकारी (DPRO) ने कहा– 'शिकायतों की जांच कराई जायगी। यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' वहीं मुख्य विकास अधिकारी (CDO) ने बताया– 'सभी ब्लॉकों में कराए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जायगा। दोषियों के खिलाफ रिकवरी और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।'

ग्रामीणों की मांग

जियो-टैगिंग के साथ भौतिक सत्यापन, फर्जी भुगतान की रिकवरी, दोषियों पर एफआईआर, गोंडा में हैंडपंप के नाम पर हुआ यह कथित घोटाला अब बड़ा जनमुद्दा बन चुका है। जब 1214 ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोग पानी के लिए परेशान हों, तो यह साफ संकेत है कि सिस्टम में गहरी मिलीभगत है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी फाइलों में ही दफन हो जाता है।

दिल्ली को 200 ई बसों की सौगात सीएम रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
संवाददाता बादल हुसैन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 200 नई इलेक्ट्रॉनिक बसें सड़कों पर उतारी गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्वी दिल्ली स्थित ईस्ट विनोद नगर बस डिपो से इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली में साफ़ सुथरे और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दीशा में ऐ कदम उठाया।इन परियोजनाओं से बस और यात्रियों की सुविधा में सुधार होने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में परिवहन क्षेत्र में लगातार कम हो रहा है और हर महीने नई सुविधाएं शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के विकास के लिए बजट की कमी नहीं आने देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दिल्ली के विकास पर विशेष ध्यान है और राजधानी को देश की सबसे तेज विकसित होने वाली शहरों में शामिल किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि ईन ईवी बसे दिल्ली के हर इलाके तक बेहतर सेवा पहुंचाएगी। परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में डीडीसी लगातार मजबूत हो रही है।इस मौके पर दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य गणमान्य जन भी उपस्थित थे।

राज्य के भीतर पशुओं का परिवहन अपराध नहींः इलाहाबाद हाईकोर्ट; गौकशी कानून के दुरुपयोग पर सरकार से जवाब तलब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने दोहराया है कि उत्तर प्रदेश में गोवंशी पशुओं का परिवहन अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। न्यायालय के सामने ऐसे मुकदमों की बाढ़ आ रही, जिसमें लोगों को गोहत्या अधिनियम में फर्जी तरीके से फंसाया जा रहा है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और डीजीपी राजीव कृष्ण से शपथ-पत्र मांगा है कि गोहत्या अधिनियम के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या किया गया है? सात नवंबर तक शपथ-पत्र नहीं आता है तो दोनों अधिकारी कोर्ट में स्वयं प्रस्तुत होकर उत्तर दें। कोर्ट ने उक्त दोनों शीर्ष अधिकारियों से पूछा है कि क्यों नहीं ऐसे मामलों में सरकार पर भारी जुर्माना लगाया जाए। इसके अतिरिक्त न्यायालय ने गोवंशी पशुओं के मामलों में भीड़ हिंसा व कुछ लोगों-संगठनों की अति सक्रियता पर लगाम लगाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी उत्तर मांगा है।

यह आदेश जस्टिस अब्दुल मोईन व जस्टिस एके चौधरी की पीठ ने प्रतापगढ़ के वाहन मालिक राहुल यादव की याचिका पर पारित किया। कोर्ट ने कहा कि इन दिनों उसके सामने गोहत्या अधिनियम में फर्जी फंसाए जाने के बहुत मामले आ रहे हैं, जिनमें याची का काफी पैसा और कोर्ट का बहुमूल्य समय बर्बाद हो जाता है। कोर्ट ने पुराने फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में गोवंशी पशुओं का मात्र परिवहन करना अपराध नहीं है।

कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पाया कि याची को पुलिस केवल इसलिए परेशान कर रही थी, क्योंकि गाड़ी उसके नाम पंजीकृत थी। गाड़ी उसका ड्राइवर चला रहा था और उस पर नौ गोवंशी पशु लादकर अमेठी से प्रतापगढ़ ले जाए जा रहे थे। कोर्ट ने यह भी पाया कि सभी नौ गोवंशी पशुओं को कोई चोट नहीं थी और ना ही उनका वध ही हुआ था, ऐसे में याची को गोहत्या अधिनियम में फंसना गलत है। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि याची को प्रताड़ित ना किया जाए।

हालांकि, कोर्ट ने केस की विवेचना नहीं रोकी है और याची को पुलिस का सहयोग करने को कहा है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह और डीजीपी को यह बताने के लिए कहा है कि गोवंशी पशुओं के मामलों में सतही प्राथमिकियां क्यों दर्ज की जा रही हैं और ऐसा हो रहा है तो सूचनाकर्ता और संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है?

दिल्ली के सुंदर नगरी में बिजली गिरने से घर में लगी आग, लाखों का नुकसान; पूरे इलाके में दहशत

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी थाना क्षेत्र के सुंदर नगरी स्थित श्र-57 ब्लॉक में देर रात आकाशीय बिजली गिरने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बिजली मकान की छत पर गिरी और रोशनदान के रास्ते घर के अंदर करंट फैल गया। घटना के दौरान घर में रखी वॉशिंग मशीन, सिंटेक्स पानी का टैंक और कपड़े जलकर खाक हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई

सूचना मिलते ही आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि घर के अंदर का सामान काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गया।

अचानक बिजली गिरने की आवाज सुनाई दी

स्थानीय लोगों के मुताबिक तेज गर्जना के साथ अचानक बिजली गिरने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। दमकल अधिकारियों का कहना है कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, वरना नुकसान और बढ़ सकता था।

असम के दुल्लभछड़ा-शिलचर मार्ग पर इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाने की मांग तेज

● प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से हस्तक्षेप की अपील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः वर्तमान सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' इस नारे के साथ देशभर में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन असम के बराक घाटी क्षेत्र में विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी होने का आरोप स्थानीय लोगों द्वारा लगाया जा रहा है। उत्तर-पूर्व भारत में रेलवे ढांचे के आधुनिकीकरण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से Northeast Frontier Railway द्वारा बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण (Electrification) का कार्य किया जा रहा है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र के अधिकांश रेल मार्ग अब विद्युतीकरण के दायरे में आ चुके हैं। इसके अलावा बदरपुर-शिलचर और बराईग्राम-दुल्लभछड़ा जैसे कई सेक्शनों में विद्युतीकरण कार्य अंतिम चरण में है। वहीं त्रिपुरा और मेघालय जैसे राज्यों में इलेक्ट्रिक ट्रेन सेवाएँ शुरू करने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, कुछ रूटों पर इलेक्ट्रिक ट्रेनों का ट्रायल भी शुरू किया जा चुका है, जिससे यह स्पष्ट है कि उत्तर-पूर्व रेलवे तेजी से ग्रीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों की प्रमुख मांग इसके बावजूद शिलचर-दुल्लभछड़ा रेलवे मार्ग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लगभग 100 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर अभी भी मुख्य रूप से डीजल इंजन वाली ट्रेनें चलती हैं, जिससे यात्रा समय अधिक और सेवा अनियमित रहती है।

यात्रियों के अनुसार यात्रा में लगभग 4 घंटे 45 मिनट का समय लगता है बरसात और बाढ़ के दौरान सेवा बाधित हो जाती है. नियमित और तेज रेल सेवा की कमी है. क्षेत्र के लोगों की मांग है कि इस मार्ग पर जल्द से जल्द इलेक्ट्रिक ट्रेन सेवा शुरू की जाए। शीघ्र इलेक्ट्रिक ट्रेन संचालन यात्रा समय में कमी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवा का विस्तार स्थानीय लोगों का कहना है कि इलेक्ट्रिक ट्रेन शुरू होने से न केवल यात्रा समय में उल्लेखनीय बचत होगी, बल्कि डीजल पर निर्भरता भी घटेगी, जिससे ईंधन खर्च और प्रदूषण दोनों में कमी आएगी। साथ ही छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। विभिन्न जिला और क्षेत्र के लोगों ने इस मुद्दे पर भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यान आकर्षित किया है। शिलचर-दुल्लभछड़ा मार्ग पर इलेक्ट्रिक ट्रेन सेवा की मांग अब केवल सुविधा का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास और जनता की दैनिक जरूरतों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। 'लोगों का मानना है कि सरकार इस विषय पर जनता के हित को ध्यान में रखते हुए अवश्य कदम उठाएगी।

शिक्षा विभाग का करोड़पति चपरासी, तीन पत्नियां, तीनों के अकाउंट में करोंडो रुपए, 5.28 करोड़ का किया घोटाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

यूपी के पीलीभीत जिले में शिक्षा विभाग (डीआईओएस कार्यालय) में तैनात एक साधारण चपरासी ने पूरे प्रशासन को हिला कर रख दिया है। इल्हाम उर रहमान शम्सी नाम का यह चपरासी करोड़ों रुपये का मालिक निकला। जांच में पता चला कि उसकी तीन पत्नियां हैं और उनमें से दो के बैंक खातों में ही 59 लाख रुपये की एफडी जमा हैं। कुल 53 संदिग्ध बैंक खातों से 5.28 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए गए हैं। पुलिस का आरोप है कि उसने सरकारी खजाने से करोड़ों का गबन किया।

जांच के अनुसार, इल्हाम उर रहमान शम्सी बीसलपुर के जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज में चपरासी के पद पर तैनात था। उसने पिछले करीब दो सालों में शिक्षा विभाग से जुड़े फर्जी कर्मचारियों और पेंशनरों के नाम पर सरकारी धन ट्रांसफर करवाया। कई खाताधारकों को फर्जी तरीके से 'शिक्षा विभाग के कर्मचारी' दिखाकर उनके खातों में पैसे भेजे गए। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि इल्हाम की तीन पत्नियां हैं, जो अलग-अलग जिलों में रहती हैं, अर्शी खातून इल्हाम की पहली पत्नी वह पीलीभीत में रहती हैं। इल्हाम ने फर्जीवाड़े से उसे सरकारी शिक्षिका (टीचर) बना दिया था। उसके खाते में वेतन भिजवाया जाता था। इस मामले में अर्शी खातून जेल में है।

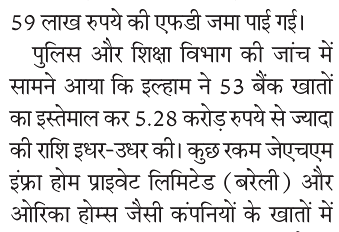
शिक्षा विभाग का करोड़पति चपरासी, तीन पत्नियां, तीनों के अकाउंट में करोंडो रुपए, 5.28 करोड़ का किया घोटाला

अजरा इल्हाम की दूसरी पत्नी है, वह खुर्जा, बुलंदशहर में रहती है, उनके खाते में 25 लाख रुपये की एफडी। तीसरी पत्नी लुबना संभल में रहती है। उनके खाते में लेन-देन की जांच जारी है। इसके अलावा एक रिश्तेदार महिला के खाते में भी एफडी थी, जिसे भी फ्रीज कर दिया गया। कुल मिलाकर दो पत्नियों और रिश्तेदार के खातों में 59 लाख रुपये की एफडी जमा पाई गई।

पुलिस और शिक्षा विभाग की जांच में सामने आया कि इल्हाम ने 53 बैंक खातों का इस्तेमाल कर 5.28 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि इधर-उधर की। कुछ रकम जेएचएम इंफ्रा होम प्राइवेट लिमिटेड (बरेली) और ओरिका होम्स जैसी कंपनियों के खातों में ट्रांसफर की गई। पुलिस ने इन कंपनियों के संचालकों को भी नोटिस जारी कर दिए हैं। एक बैंक मैनेजर की सूचना पर यह पूरा घोटाला सामने आया। स्पेशल पुलिस (पीलीभीत) सुकीर्ति माधव ने मामले की पुष्टि की। फिलहाल इल्हाम शम्सी और उसकी पत्नी अर्शी खातून पर केस दर्ज है। पुलिस रोजाना इन खातों की निगरानी कर रही है ताकि कोई और लेन-देन न हो सके।

इंडिगो ने यात्रियों के लिए जारी की एडवाइजरी, दिल्ली में खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित

नई दिल्ली। इंडिगो ने राजधानी दिल्ली में खराब मौसम की वजह से यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इंडिगो की ओर से ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर कहा गया कि दिल्ली में खराब मौसम के कारण उड़ानों का संचालन प्रभावित हो रहा है। इंडिगो की ओर से बताया गया कि हमारी टीमें इस बारीकी से नजर रख रही हैं। उनका कहना है कि मौसम ठीक होते ही उड़ानों का पहले की तरह समय से संचालन किया जाएगा।

यात्रियों को दी सलाह

इंडिगो की ओर से कहा गया कि हम आपसे अपील करते हैं कि आप हमारी वेबसाइट या ऐप के जरिए अपनी फ्लाइट के स्टेटस के बारे में अपडेटेड रहें। कृपया भरोसा रखें कि हमारी टीमें हर कदम पर आपकी मदद करने और पूरा सपोर्ट देने के लिए यहां हैं। हम साफ आसमान और अपने रेगुलर शेड्यूल पर जल्दी लौटने की उम्मीद करते हैं।

ऑरेंज अलर्ट जारी किया

आईएमडी ने पूरे दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। विभाग ने कहा कि पूरे दिल्ली और एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश, हल्की गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की बहुत संभावना है। निवासियों को घर के अंदर रहने और खुले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई।

मुस्लिम उत्तराधिकार कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः महिलाओं के साथ भेदभाव के आरोपों पर केंद्र को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। यह मामला 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन अधिनियम के उन प्रावधानों को चुनौती देता है, जिन्हें याचिकाकर्ताओं ने महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया है। अदालत के इस कदम को देश में लैंगिक समानता और व्यक्तिगत कानूनों की समीक्षा के संदर्भ में एक अहम मोड़ माना जा रहा है।

यह जनहित याचिका लखनऊ की अधिवक्ता पौलोमी पाविनी शुक्ला और आयशा जावेद द्वारा 'न्याया नारी फाउंडेशन' की ओर से दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत उत्तराधिकार और वसीयत से जुड़े नियम महिलाओं के साथ समानता का व्यवहार नहीं करते और उन्हें पुरुषों की तुलना में कम अधिकार प्रदान करते हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि यह प्रावधान भारतीय संविधान के मूल अधिकारों, विशेष रूप से समानता के अधिकार, का उल्लंघन करते हैं।

इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिका में उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार से जवाब तलब किया और नोटिस जारी करने का आदेश दिया। यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई है, जो नागरिकों को सीधे सुप्रीम कोर्ट में अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए याचिका दायर करने का अधिकार देता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अधिवक्ता निहाल अहमद ने याचिकाकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश करते हुए कहा कि उत्तराधिकार और वसीयत से जुड़े ये प्रावधान इस्लाम की 'आवश्यक धार्मिक प्रथाओं' का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए इन्हें संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर संरक्षण नहीं दिया जा सकता। प्रशांत भूषण ने अदालत में कहा कि 'यह पूरी तरह असंगत है कि महिलाओं को उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में आधा या उससे भी कम हिस्सा दिया जाए। यह स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण है और इसे किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता।'

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत कोई भी व्यक्ति अपनी संपत्ति का केवल एक-तिहाई (1/3) हिस्सा ही वसीयत कर सकता है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति अपनी पूरी संपत्ति पर स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले सकता। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह प्रावधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकारों को सीमित करता है, जो आधुनिक संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। यह मामला केवल कानूनी विवाद नहीं, बल्कि समाज में लैंगिक समानता के व्यापक प्रश्न से भी जुड़ा हुआ है। लंबे समय से यह बहस चल रही है कि क्या व्यक्तिगत कानूनों को संविधान के मूल सिद्धांतों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप करता है, तो यह महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

अब इस मामले में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत कानूनों और संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन कैसे बनाएगी। केंद्र का पक्ष आने के बाद ही अदालत इस मामले में आगे की सुनवाई और संभावित निर्णय की दिशा तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस नोटिस के बाद देशभर में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। एक ओर जहां महिला अधिकारों के समर्थक इसे सकारात्मक कदम मान रहे हैं, वहीं कुछ वर्ग इसे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देख रहे हैं। इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या व्यक्तिगत कानूनों में सुधार की आवश्यकता है और यदि हां, तो किस हद तक।

महाविद्यालय में 'महिला सशक्तिकरण एवं महिला हेल्पलाइन नंबर ' विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी, प्रयागराज में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश की अध्यक्षता में दिनांक 18 अप्रैल 2026 को नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम एवं मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरण एवं महिला हेल्पलाइन नंबर' विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना तथा महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी को जन-जन तक पहुँचाना था। प्रतियोगिता में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं मंतशा, कु. साधना, प्रिया प्रजापति तथा एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की निकिता सिंह, कुमारी अनुपम एवं प्रियंका यादव ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी रंगोलियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा, शिक्षा के महत्व तथा महिला हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता को अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित सभी लोग प्रभावित हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रो. मंजूलता, प्रो. नीतू सिंह, प्रो. सुवर्णा सरकार, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. अर्चना राय, डॉ. निरुपमा, डॉ. सुचित्रा, डॉ. राजेश कुमार तथा श्री ऋषि प्रताप सिंह सहित अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे, वहीं डीपीओ कार्यालय प्रयागराज से श्रीमती नीतू शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाया।

कार्यक्रम का सफल संचालन मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. हेमलता के मार्गदर्शन में किया गया, जिन्होंने छात्राओं को महिला अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। अंत में डॉ. हेमलता ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया तथा इस कार्यक्रम को छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।